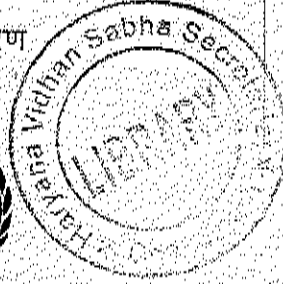


# हरियाणा विधान सभा की कार्यवाही

7 मार्च, 2011

खण्ड-1, अंक-2

अधिकृत विवरण



## विषय सूची

सोमवार, 7 मार्च, 2011

	पृष्ठ संख्या
शोक प्रस्ताव	(2) 1
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(2) 3
वाक आउट	(2) 13
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरावृत्ति)	(2) 14
नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	(2) 25
अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(2) 34
नियम 64 के अधीन वक्तव्य	(2) 64
स्थगन प्रस्तावों की सूचनाएं	(2) 65
ध्यानाकर्षण प्रस्तावों की सूचनाएं	(2) 66
वाक आउट	(2) 67

(ii)

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव-	(2) 68
गांवों के निकट ढाणियों/खेतों में रह रहे लोगों के लिए बिजली का प्रबन्ध न करने संबंधी	
वक्लव्य-	
बिजली मंत्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्षण संबंधी	(2) 69
नियम 121 के अधीन प्रस्ताव	(2) 73
भूतपूर्व उपाध्यक्ष का अभिनंदन	(2) 75
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा	(2) 78
वाक आउट	(2) 80
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भण)	(2) 81

हरियाणा विधान सभा

सोमवार, 7 मार्च, 2011

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हॉल, विधान भवन, सैक्टर-1, चण्डीगढ़ में दोपहर बाद 2.00 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री कुलदीप शर्मा) ने अध्यक्षता की।

#### शोक प्रस्ताव

**Mr. Speaker :** Hon'ble Members, now the Hon'ble Chief Minister will make the obituary references.

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : अध्यक्ष महोदय, मैं शोक प्रस्ताव सदन के पटल पर रखना चाहता हूँ। यह सदन भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री अर्जुन सिंह के 4 मार्च, 2011 को हुए दुःखद निधन पर अपना गहरा शोक प्रकट करता है। श्री अर्जुन सिंह तीन बार 9 जून, 1980 से 10 मार्च, 1985, 11 मार्च, 1985 से 12 मार्च, 1985 तथा 14 फरवरी, 1998 से 24 जनवरी 1989 तक मध्य प्रदेश के मुख्य मंत्री रहे।

वह मध्य प्रदेश मन्त्रिमण्डल में सन् 1963 से 1967 तक राज्य मंत्री तथा सन् 1967 और वर्ष 1972-1977 के दौरान मंत्री भी रहे और इस दौरान उन्हें कृषि, सामान्य-प्रशासन, सूचना एवं जन सम्पर्क, योजना एवं विकास तथा शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण विभाग सम्भालने का गौरव प्राप्त हुआ। वह सन् 1977 से 1980 तक मध्य प्रदेश विधान सभा में विपक्ष के नेता भी रहे।

वह सन् 1985 तथा 1991 में दो बार लोक सभा के सदस्य चुने गये तथा सन् 2000 तथा 2008 में राज्य सभा के सदस्य मनोनीत किये गये। श्री अर्जुन सिंह ने मार्च, 1985 से नवम्बर, 1985 तक पंजाब के राज्यपाल के पद को सुशोभित किया। उस समय पंजाब में उग्रवाद अपनी चरम सीमा पर था तथा उन्होंने उग्रवाद की समस्या को बड़े कुशल ढंग से नियंत्रित किया। उन्हें सन् 2000 के लिए उत्कृष्ट सांसद के पुरस्कार से सम्मानित भी किया गया।

श्री अर्जुन सिंह को केन्द्रीय मन्त्रिमण्डल के सदस्य के रूप में बाणिज्य, संचार तथा मानव संसाधन विकास जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों को सम्भालने का गौरव भी हासिल हुआ। जब वे मंत्री थे तो एक संसद के रूप में मुझे भी उनके साथ कार्य करने का मौका मिला। वह एक दक्ष एवं प्रखर राजनीतिज्ञ, कुशल प्रशासक और निष्ठावान समाज-सेवी थे। वे आजीवन समाज के सभी वर्गों के लोगों के उत्थान के लिए समर्पित रहे।

उनके निधन से देश एक अनुभवी एवं दूरदर्शी राजनीतिज्ञ, एक कुशल प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

डॉ. अजय सिंह चौटाला (उधवाली) : अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी और अपनी पार्टी की तरफ से भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री अर्जुन सिंह के 4 मार्च, 2011 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूँ।

[डॉ. अजय सिंह चौटाला]

श्री अर्जुन सिंह तीन बार 9 जून, 1980 से 10 मार्च, 1985, 11 मार्च, 1985 से 12 मार्च, 1985 तथा 14 फरवरी, 1988 से 24 जनवरी-1989 तक मध्य प्रदेश के मुख्य मंत्री रहे।

वह मध्य प्रदेश मन्त्रिमण्डल में सन् 1963 से 1967 तक राज्य मंत्री तथा सन् 1967 और वर्ष 1972-1977 के दौरान मंत्री भी रहे और इस दौरान उन्हें कृषि, सामान्य-प्रशासन, सूचना एवं जन सम्पर्क, योजना एवं विकास तथा शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण विभाग सम्भालने का गौरव प्राप्त हुआ। वह सन् 1977 से 1980 तक मध्य प्रदेश विधान सभा में विपक्ष के नेता भी रहे।

वह सन् 1985 तथा 1991 में दो बार लोक सभा के सदस्य चुने गये तथा सन् 2000 तथा 2006 में राज्य सभा के सदस्य मनोनीत किये गये। श्री अर्जुन सिंह ने मार्च, 1985 से नवम्बर, 1985 तक पंजाब के राज्यपाल के पद को सुशोभित किया। उस समय पंजाब में उग्रवाद अपनी चरम सीमा पर था तथा उन्होंने उग्रवाद की समस्या को बड़े कुशल ढंग से निश्चित किया। उन्हें सन् 2000 के लिए उत्कृष्ट सांसद के पुरस्कार से सम्मानित भी किया गया।

श्री अर्जुन सिंह को केन्द्रीय मन्त्रिमण्डल के सदस्य के रूप में वाणिज्य, संचार तथा मानव संसाधन विकास जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों को सम्भालने का गौरव भी हासिल हुआ। वह एक दक्ष एवं प्रखर राजनीतिज्ञ, कुशल प्रशासक और निष्ठावान समाज-सेवी थे। वे आजीवन समाज के सभी वर्गों के लोगों के उत्थान के लिए समर्पित रहे।

मुझे भी बतौर सांसद उनके व्यक्तिगत सम्पर्क में आने का मौका मिला। उनके निधन से देश एक अनुभवी एवं दूरदर्शी राजनीतिज्ञ, एक कुशल प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

**श्री अनिल विज (अम्बाला कैंट) :** अध्यक्ष महोदय, मैं भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री अर्जुन सिंह के 4 मार्च, 2011 को हुए दुःखद निधन पर अपना गहरा शोक प्रकट करता हूँ। श्री अर्जुन सिंह का जन्म 5 नवम्बर, 1930 को गाँव चुरहट, जिला सिद्धी (मध्य प्रदेश) में हुआ। श्री अर्जुन सिंह जी का बहुत लम्बा राजनैतिक जीवन रहा और अपने जीवनकाल में उन्होंने अनेक पदों को सुशोभित किया। वे तीन बार मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री भी रहे। वे मध्य प्रदेश के मन्त्रिमंडल में 1963 से लेकर 1967 तक राज्य मंत्री रहे तथा 1967 और 1972-1977 के दौरान मंत्री भी रहे। वे दो बार लोक सभा के सदस्य चुने गए और दो बार राज्य सभा के सदस्य मनोनीत हुए। वे बहुत कठिन समय में जब पंजाब में उग्रवाद अपनी चरम सीमा पर था, पंजाब के राज्यपाल भी रहे। वे केन्द्रीय मन्त्रिमंडल में भी मंत्री के रूप में रहे। उनके निधन से देश एक अनुभवी एवं दूरदर्शी राजनीतिज्ञ, एक कुशल प्रशासन की सेवाओं से वंचित हो गया है। अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

**Mr. Speaker :** Hon'ble Members, I associate myself with the Obituary Reference made by the Hon'ble Chief Minister and the feelings expressed by other Members of the House.

I feel deeply grieved on the sad demise of Shri Arjun Singh, former Union Minister and former Governor of Punjab. He was a well known personality, who proved

his excellent quality of being an able administrator as Governor of Punjab during the days when militancy in Punjab was at its peak and the Punjab Legislative Assembly was dissolved. He also played a crucial role in signing the Rajiv-Longowal accord. He was a veteran Parliamentarian. He served as Chief Minister of M.P. and also as Union Minister.

I pray to almighty to give peace to the departed soul. I will convey the feelings of this House to the bereaved family, Now, I request all of you to kindly stand up to pay homage to the departed soul for two minutes.

(इस समय सदन ने दिवंगत आत्मा के सम्मान में खड़े होकर उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन धारण किया।)

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

**Mr. Speaker :** Hon'ble Members, now the question hour.

#### Traffic Jam and Congestion

**\*489. Smt Sumita Singh:** Will the Chief Minister be pleased to state whether it is a fact that problem of traffic jams and congestion on the roads and crossings in Karnal have become very serious; if so, the steps taken or proposed to be taken by the Government for proper management of traffic and for providing proper parking facilities in Karnal City?

**PWD(B&R) Minister (Sh. Randeep Singh Surjewala) :** Sir, a statement is laid on the Table of the House.

#### Statement

The stretch of National Highway No. 1 passing through Karnal district is being widened and strengthened by the National Highways Authority of India. A number of Flyovers are under construction at various chowks and crossings on the highway. Resultantly, traffic flow is slow. However, during peak hours there are occasional traffic jams.

Followings steps have been taken for proper smooth flow and management of traffic:—

1. Traffic staff comprising of 78 trained and experienced police official in various ranks have been deployed at different points to regulate the traffic flow.
2. PCRs and Riders are deployed to remove any congestion.
3. Round the clock patrolling is done to prevent jams.
4. M/s Soma, the construction company, has also deployed security guards at the construction sited on the GT Road to regualte the traffic flow.

[श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला]

5. 3 cranes are made available to remove break-down vehicles on the National Highway and other roads in Karnal City.
6. One ambulance each at Liberty Chowk and Namaste Chowk is stationed from 7.00 A.M. to 1.00 P.M.
7. Traffic lights have been repaired and made operational at Sector-13 Chowk, Gandhi Chowk, Subji Mandi Chowk and Haryana-Nursing Home in the City.
8. Zebra crossings, stop lines and white lines have been painted on the roads in the area of Karnal City.
9. Road Safety Organization, a Non-Government Organization (NGO), comprising of prominent members of the society has been registered in Karnal City to help the traffic police in ensuring smooth flow of traffic, preventing unauthorized parking, removing encroachments and checking of vehicles. Presently, RSO has 120 members in Karnal city.

20 parking paices have been earmarked in the City to ease the traffic congestion.

श्रीमती सुमिता सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय संत्री जी से जानना चाहती हूँ कि जो रिप्लाय इस सवाल के बारे में दिया गया है और उसमें यह बताया गया है कि पूरे शहर में 20 पार्किंग स्थल चिन्हित किए गए हैं, कृपा करके बताएं कि ये कौन-कौन से स्थान हैं? अध्यक्ष महोदय, आप भी करनाल से हैं आपको तो मालूम है कि करनाल में कोई पार्किंग स्थल है ही नहीं?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्या को बताना चाहता हूँ कि जिस प्रकार की सुविधायें यहां उपलब्ध हैं, हमने सर्विसिज रोड्स के दोनों तरफ पार्किंग स्थल के लिए स्पेस आइडेंटिफाई करके 20 पार्किंग स्थल के लिए जगह दी हैं। मेरे पास लिस्ट है यदि आप कहें तो मैं उन 20 जगहों के बारे में पढ़कर सुना देता हूँ। मिनी सैक्रेटेरियट करनाल में एक स्पेस है, कोर्ट कॉम्प्लेक्स करनाल में भी एक स्पेस है। सेक्टर 12 की मार्किट के आगे और पीछे दोनों तरफ एक-एक पार्किंग स्थल चिन्हित किया गया है। सुपर मॉल में एक स्पेस चिन्हित किया गया है। इसके अलावा के.सी.-3 मॉल में एक, जनरल हॉस्पिटल करनाल में एक स्पेस और बल एटेंड के आगे और पीछे दोनों तरफ एक-एक स्थान चिन्हित किया गया है। एक स्पेस महावीर दल हॉस्पिटल करनाल और एक ओल्ड कोर्ट करनाल की तरफ, एक-एक स्पेस कमेटी चौक के दोनों तरफ और एक ओल्ड कोर्ट करनाल की तरफ, एक-एक स्पेस कमेटी चौक के दोनों तरफ और एक-एक मिनी सैक्रेटेरियट के दोनों तरफ, एक सब्जी मंडी के दोनों तरफ सड़क के ऊपर और एक कब्बारा चौक से गंदा नाला तक वन वे पार्किंग, सब्जी मंडी में मोटर साइकिल की पार्किंग और एक स्पेस कथूरिया बिल्डिंग के सामने और एक स्पेस सेक्टर 13 और एक सेक्टर 8 की मार्किट में, एक अटल पार्क के बाहर और एक-एक स्पेस रेलवे स्टेशन के दोनों तरफ और एक मुगल कैनाल के साथ इन पार्किंग स्थल के लिए स्पेस चिन्हित किए गए हैं।

**शुरीडती सुडडलतल सलरुह :** अधुडकुष डहलुदड, डें आडके डलधुडड से डलननीड डंती ऑी कुु डलनलल डलहती हुं कुु डे सलरी डलत डेडरुऑ डर तुु डहुल अकुुडी लऑ रही हैं। आडने डलरुकींग सुथल कुी ऑऑऑ डडकर सुनल दी हैं लेकुन डह रलरुडेललटी से कुलडी दूर हैं। डे ऑु 12 सेकुटर और सेकुटेरलरुड कुी डलरुकींग सुथल कुी ऑऑऑ के डलरे डें डंती ऑु डे डलतलडल है, डे सब करनलल शहर से डलहर हैं। करनलल सलटी के अंदर कुुई डुी डलरुकींग सुथल नही हैं ऑलल गलऑुडल डलरुके कुी ऑु सके?

**Mr. Speaker :** Are you talking about the old City?

**Smt. Sumita Singh :** Sir, I am talking about the main town.

**Mr. Speaker :** Are you talking about the municipal limits of Karnal?

**Smt. Sumita Singh :** Not only municipal limits, I am talking about Municipal Corporation also because नगर नलगड डें सब कुकु आ गडल।

**Mr. Speaker :** you want to exclude sectors.

**Smt. Sumita Singh :** Sir, every sector market has a parking.

**Mr. Speaker :** Are you talking about the main centre of the market?

**Smt. Sumita Singh :** Yes, Sir.

**Mr. Speaker :** O.K.

**शुरीडती सुडडलतल सलरुह :** अधुडकुष डहलुदड, करनलल शहर डें कुुई ऐसी डुडडसुथल नही हैं इसललए सऑकुु के दुुनलं और डुीली ललऑन लऑलकर सुडस डलनललत कर दलडल गडल है ऑलससे गलऑुडु कुल नलकुलनल डलल से नलडुडकुन हुु गडल है। अधुडकुष डहलुदड, डें आडके डलधुडड से डंती ऑु से डुुऑनल डलहती हुं कुु नगर नलगड और इडुुडडडेंट टुरसुट के डललं डर डेन डलऑलर डें ऑु टकुुडुवल लगे हुुए हैं, उनकुु सेड रखते हुुए कुुडल डललं डर उन लुगुु के ललए डलरुकींग डनडलई ऑलएगी ऑु डलरुडरे इस शहर डें आडने कुलड डधे के ललए आस डलस के ऑुटे शऑरुु से आले हैं?

**शुरी रणदुीड सलरुह सुुरऑेडललल :** अधुडकुष डहलुदड, डें डलननीड सदसुथल कुी डुलनलत से सहडत हुं और सलरुके करनलल ही नही डलकुल ऑलतने डुी डलरुडरे डुरदेश और देश डें ऑुऑे-ऑुऑे और डुरलने करडे हैं उन सडुी डें इस तरुह कुी सडसुथलएं हैं। ऑेसे-ऑेसे अरुडन ऑलवलडडडेंट हुुई, ऑेसे-ऑेसे डुुडुलेशन कुी ऑुरुथ हुुई, डलह सब हुुने के डलडलऑुड डलरुकींग सुडस तुु ललडलडेड हैं और टू व थुी डुीलस, डुरे डुीलस कुी संखुडल डहुत डुडलदल डलऑु गई है। डे डलत लकरुडन शहरुु के डलरे डें सही कुुही ऑु सकुली है। डुुनलसलडलल कुलडुरेशन कुी हद डें ऑु ऑुलड सलटी करनलल कुल इललकुल है उनके अंदर हड टकुुडुवल तुु डंद नही करुुगे। डुरनुु डुुनलसलडलल कुलडुरेशन डें ऑु ऑुने हुुए डुरलनलडलधल है, उनके डे डुी सदसुथल हैं और डलह डुी इस डलडले डें उनकुी डदद कर डलएंगुी। डललं कुुई ऑऑऑ डलनललत करके अरुडन लुकल डुुडीऑु और इडुुडडडेंट टुरसुट के डलधुडड से सुडशल डंड अलुकेट करडल कर डललं डर डलरुकींग कुी डुडडसुथल डनलएंगे। डें सदन और डलननीड सदसुथल के धुडलन डें ललनल ऑलहुंगल कुु करनलल शहर कुुऑुींकुु हुरलडलणल कुल ऐललहलसलक और इडुुडुुऑे शहर है। अधुडकुष डहलुदड, आड सुवरुड डुी उस शहर डें रहते हैं। करनलल कुल डलऑु डलसुसल नेशनल हलडुवे के इस तरुड है और दुुसरल हलसुसल एन.एऑु. के दुुसरुी तरुड हैं ऑलसे एन.एऑु. कुुट अकुुरुस करतल है और धुीरे-धुीरे डलह एक इनर रलंग रुुड डन गई, आऑु उस डर कुुऑेशन है। ऑेसल आडने डुरडलडल, डलरलत सरकर ने एन.एऑु.-1 कुल डलनीडत अडुडलल, ऑललंधर सेडशन ऑु है उसकुी

[श्री रणवीर सिंह सुरजेवाला]

टोटल लम्बाई 291 किलोमीटर है उसमें से 116 किलोमीटर का एरिया हरियाणा के अन्दर पड़ता है। इसके लिए माननीय मुख्यमंत्री जी ने विशेष तौर से सरफेस ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर साहब से मिलकर एन.एच.-1 पर सिक्स लाईनिंग का 2747 करोड़ 50 लाख रुपये का एक प्रोजेक्ट मंजूर करवाया है जिसमें से हरियाणा के लिए 1095 करोड़ रुपया खर्च होगा। हमें उम्मीद है कि यह प्रोजेक्ट 31.3.2012 तक सम्पूर्ण हो जायेगा। इस प्रोजेक्ट में 28 फ्लाई ओवर बनाये जायेंगे जो हरियाणा के विभिन्न शहरों में पड़ते हैं। जिनमें से 6 फ्लाई ओवर करनाल शहर में बनाये जायेंगे जिसके कारण सारा ट्रैफिक फ्लाई ओवर के ऊपर से निकल जायेगा और करनाल शहर की कन्जेशन की समस्या दूर हो जायेगी। इनमें से सिक्स लाईनिंग का फ्लाई ओवर अनाज मण्डी के रास्ते पर बनाया जायेगा, दूसरा सिक्स लाईनिंग फ्लाई ओवर करनाल बाई-पास पर बनाया जायेगा जहां से करनाल शुरू होता है और एन.एच.-1 का इन्टर सेक्शन शुरू होता है, एक सिक्स लाईनिंग फ्लाई ओवर ताऊ देवीलाल चौक पर बनाया जायेगा, एक सिक्स लाईनिंग फ्लाई ओवर करनाल टाऊन में जो सरकारी कालेज के ऊपर बनाया जायेगा, एक सिक्स लाईनिंग फ्लाई ओवर मिनी सेक्रेटेरिएट के पास बनाया जायेगा और एक सिक्स लाईनिंग फ्लाई ओवर ज्वेल चौक पर बनाया जायेगा। इस प्रकार करनाल के अन्दर जितने फ्लाई ओवर बनाये जायेंगे उन पर लगभग 120 करोड़ रुपये खर्च किए जायेंगे। करनाल का लोकल ट्रैफिक ठीक से चले इसके लिए भी सिक्स लेन के अलावा हाई वे के साथ दोनों तरफ सात-सात मीटर की सड़कें छोड़ने का भी फैसला लिया गया है।

**Mr. Speaker :** Hon'ble Minister, the Hon'ble Member was concerned about the parking problem inside the old town. So, I believe that the Hon'ble Member will suggest some places. Please take care of that if you can.

**Sh. Randeep Singh Surjewala :** Speaker Sir, I have already assured my learned friend that as and when Municipal Corporation and Improvement Trust identifies some space, I assure the House that through Urban Local Bodies Department and the Improvement Trust, we will provide necessary funds for construction of a parking block wherever my learned friend suggests.

**श्री अशोक अरोड़ा :** स्पीकर सर, न केवल करनाल में बल्कि पूरे हरियाणा प्रदेश में इस प्रकार की ट्रैफिक की समस्या बढ़ती जा रही है और सभी शहरों में ट्रैफिक का दबाव बढ़ता जा रहा है। अक्सर यह देखा जाता है कि नगर पालिका, नगर परिषद और नगर निगम किसी संस्था को या किसी व्यक्ति विशेष को खुश करने के लिए चौराहों पर किसी नेता की तस्वीर लगाने का फैसला ले लेते हैं। मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या सरकार कोई ऐसा फैसला करेगी कि भविष्य में इस प्रकार के चौराहे आगे न बने ताकि ट्रैफिक सुचारु रूप से चले क्या इनको रोकने का कोई विचार सरकार का है?

**श्री रणवीर सिंह सुरजेवाला :** अध्यक्ष महोदय, वैसे तो यह प्रश्न इस सवाल से जुड़ा हुआ नहीं है यह पृथक प्रश्न है। फिर भी मैं अपने काबिल दोस्त जो सीनियर सदस्य हैं और कई बार इस विधान सभा के सदस्य रहे हैं और अपनी पार्टी के अध्यक्ष भी हैं। इनको यह जरूर मालूम होना चाहिए कि संविधान के 73वें और 74वें संशोधन के बाद यह आता है कि जो नगरपालिकाओं, कारपोरेशंस और



पंचायत समिति और जिला परिषद हैं उनको भी अपने अधिकार हैं और आप उनके अधिकार को छीन नहीं सकते। अगर उन्हें लगता है कि किसी राष्ट्रीय नेता का या किसी वार हीरो का कोई मेमोरिएल वे बनाना चाहते हैं तो यह पूर्णतया नगर पालिका की परिधि के अन्दर और उनके ज्यूरिडिक्शन के अन्दर आता है।

**Mr. Speaker :** Mr Arora, can you point out any place in Karnal where any statue is blocking the highway or something?

**श्री अशोक अरोड़ा :** स्पीकर सर, मैं पूरे प्रदेश की बात मंत्री जी से कह रहा हूँ। प्रदेश के अन्दर आज ट्रैफिक की समस्या है। यह करनाल की ही बात नहीं है आज सभी नेशनल हाईवेज और स्टेट हाईवेज पर कहीं न कहीं चौक बना दिए जाते हैं जबकि चण्डीगढ़ में चौक खत्म करने जा रहे हैं।

**श्री अध्यक्ष :** आप यह कहो कि जो बन गये वे बन गये, आगे से ऐसे चौक न बनाये जायें।

**श्री अशोक अरोड़ा :** इस प्रकार का कोई प्रबन्ध करें ताकि ट्रैफिक सुचारु रूप से चल सके।

**Shri Randeep Singh Surjewala :** Sir, the suggestion have been noted. I will convey the sentiments to the Local Urban Bodies Minister.

**Mr. Speaker :** Madam Sumita Singh, do you want to say something?

**श्रीमती सुमिता सिंह :** अध्यक्ष महोदय, करनाल में मेरठ रोड पर शूगर मिल के पास एक चौक बना हुआ है उससे जो शहर के अन्दर सर्विस लेन जाती है वह पूरी तरह से ब्लॉक हुई है।

**Mr. Speaker :** Madam, he is only talking about the future aspects.

**Shri Randeep Singh Surjewala :** Sir, the issue does not necessarily relate to the question.

### Old Age Pension

**\*390. Shri Aftab Ahemd:** Will the Social Justice & Empowerment Minister be pleased to state—

- (a) whether old age pension is being disbursed to the beneficiaries every month regularly; and
- (b) if so, the total number of beneficiaries in the State and the total amount spent on this scheme every month?

**Education Minister (Smt. Geeta Bhukkai Matanhail) :**

- (a) Yes, Sir.

[श्रीमती गीता भुक्कल मातनहेल]

(b) The total number of beneficiaries in the State and the total amount spent on this scheme every month is given in the following statement:—

Sr. No.	Month	No. of Beneficiaries	Expenditure (in crores)
1	2	3	4
1	April, 2010	12,49,084	68.88
2	May, 2010	12,37,663	68.38
3.	June, 2010	12,33,449	68.43
4.	July, 2010	12,29,603	67.96
5.	August, 2010	12,21,623	67.29
6.	September, 2010	12,15,077	61.67
7.	October, 2010	14,05,596*	126.20**
8.	November, 2010	14,00,060	70.16
9.	December, 2010	13,94,214	70.73
10.	January, 2011	13,88,586	75.28
11.	February, 2011	13,79,837	Sanction issued & the pension is being disbursed.
		Total	744.98

\* 1,94,394 beneficiareis were added as per survey conducted in October-November, 2009. They were paid pension w.e.f. 1.4.2010 along with the pension for the month of October paid in November, 2010.

\*\* This included the amount of arrears of Samman Allowance from April to October paid to new beneficiaries.

श्री आफताब अहमद : अध्यक्ष महोदय, आम तौर पर इतनी ज्यादा राशि खर्च होने के बावजूद भी हर महीने पेंशन समय पर वितरित नहीं हो पाती। कई-कई जगह पर तो पेंशन वितरित होने के कई-कई महीनों की डिले सामने आई है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूँ कि सरकार कोई ऐसी व्यवस्था या कोई ऐसी नीति लागू करने वाली है ताकि पेंशनर्स को सही समय पर पेंशन मिल सके।

श्रीमती गीता भुक्कल मातनहेल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहती हूँ कि विभाग का पूरा प्रयास रहता है कि जो रैगुलर पेंशन हैं उसको समय पर बांटे लेकिन कई जगह दिक्कतें जरूर आई हैं। इस तरह की दिक्कत से बचने के लिए बैंकों के थ्रू इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम

द्वारा पेंशन बांटने का प्रावधान करने जा रहे हैं। कई जिलों के कई ब्लॉक्स में बैंकों के थ्रू पेंशन वितरित करनी शुरू कर दी गई है। इस समय स्टेट में नम्बर आफ बैनीफिशरीज 143309 है। एक अप्रैल, 2011 से हम सभी बैंकों के थ्रू पेंशन वितरित करने का काम शुरू कर देंगे। हमारा कोई भी सम्मानित सदस्य या कोई भी और सदस्य पेंशन से रिलेटेड किसी प्रकार की इन्फर्मेशन हमारे विभाग की वेब साइट से ले सकता है। हमारी वेब साइट [www.socialjusticeharyana.gov.in](http://www.socialjusticeharyana.gov.in) पर सारी जानकारी उपलब्ध है।

**Mr. Speaker :** Hon'ble Minister, I would like to know whether the number of pension beneficiaries has gone up?

**Smt. Geeta Bhukkal Matanhail :** Yes, Sir.

**Mr. Speaker :** Up to what number it has gone up?

**Smt. Geeta Bhukkal Matanhail :** Sir, according to survey conducted during the month of October-November, 2009, the number of beneficiaries has been increased by 194394.

**Mr. Speaker :** Can you give the figures from the year 2005?

**Smt. Geeta Bhukkal Matanhail :** Yes Sir, During August-October, 2005, the number of beneficiaries increased by 173291 and in November-December, 2007 it was increased by 197274 and during November-December, 2008, it was increased by 190586 and during November-December, 2009 it was increased to 194394.

**Mr. Speaker :** We can say about 10 lacs more people are getting pension.

**Smt. Geeta Bhukkal Matanhail :** Yes Sir.

**श्रीमती सुमिता सिंह :** अध्यक्ष महोदय, शायद आपकी नोलेज में होगा कि सरकार की नीति के हिसाब से विडोज की जो पेंशन है वह 3 महीने के अंदर बन कर आ जानी चाहिए। लेकिन हमारे यहां ऐसा सिस्टम नहीं है कि जो विडोज पेंशन बनवाने के लिए फार्म जमा करवाती है उसकी उन्हें कोई रिसीप्ट या एकनोलेजमेंट मिलती हो। फार्म जमा करवाने के बाद एक-एक साल लग जाता है और उनकी पेंशन नहीं बनती। एक साल बाद जब आफिस में जाकर पूछते हैं तो आफिस वाले कह देते हैं कि आपका तो फार्म ग़ुम हो गया। क्या मंत्री महोदया बलायेंगी कि ये क्या ऐसा सिस्टम बनाने जा रही हैं कि जो भी पेंशन के फार्म जमा हों उनकी एकनोलेजमेंट दी जाये। अध्यक्ष महोदय, इसी के साथ-साथ माननीय मंत्री महोदया से मैं दूसरी सप्लीमेंटरी यह पूछना चाहती हूँ कि नई पेंशन बनाने के लिए पहले सर्वे होता है उसके बाद डाक्टर्ज द्वारा मैडिकल किया जाता है और दूसरी फार्मलटीज पूरी होने के बाद फार्म भरा जाता है। पिछली बार करनाल में बहुत से लोगों की नई पेंशन भी बनकर आ गई और पैसा करनाल सोशल बैलफेयर आफिस में पहुंच गया लेकिन जब लोग पेंशन लेने के लिए गए तो सोशल बैलफेयर आफिस वाले कहते हैं कि आपका फार्म ही डिपोजिट नहीं हुआ। अध्यक्ष महोदय, जब फार्म ही डिपोजिट नहीं हुआ तो पेंशन कहाँ से आ गई? इस तरह की जो कर्मचारी या अधिकारी गड़बड़ी करते हैं क्या ऐसे लोगों के खिलाफ सरकार एक्शन लेगी? ऐसा करनाल में तो हुआ है बाकी जगहों का मुझे मालूम नहीं है।

**श्रीमती गीता भुक्कल मातनहेल :** अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगी कि जहां तक करनाल की बात है वहां पर पेंशन के केसिज में काफी गड़बड़ी सामने आई है। इसमें जो भी अधिकारी दोषी थे उनके खिलाफ कार्यवाही भी की गई है और एफ.आई.आर. भी दर्ज करवाई गई है। पेंशन के बंटवारे में बहुत सी जगहों पर दिक्कतें आ रही हैं। ऐसे मामलों को रोकने के लिए माननीय मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी की अध्यक्षता में हरियाणा सरकार ने यह निर्णय लिया है कि हम पेंशन बैंकों के माध्यम से बांटना शुरू करेंगे। इसके तहत एटोमैटीकली हमारे जो बेंनीफीसीरिज हैं उनका नाम अपने आप इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग सिस्टम में आ जायेगा, उनका अपना एक नम्बर होगा और सभी जिलों में 1 अप्रैल, 2011 से पेंशन बैंकों के थ्रू भेजनी शुरू कर दी जायेगी। माननीय सदस्य ने जहां तक विडोज के केस के बारे में पूछा है। इस बारे में मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगी कि चाहे कोई भी पेंशन हो, चाहे ओल्ड ऐज पेंशन है, चाहे हैंडीकेप्ड पेंशन है, चाहे विडोज पेंशन है सभी को बैंकों के थ्रू पेंशन देंगे और हमने इसमें काफी सरलीकरण किया है। विशेषकर हमारी जो विडोज हैं और दूसरे बेंनीफिसरिज हैं उनको कोई भी परेशानी न हो इसको देखते हुए हमने पेंशन की रजिस्ट्रेशन ऑन लाईन कर दी है। हमारे जो डी.एस.डब्ल्यूज. हैं वे इसकी सर्विस जिला लेवल पर अप डेट करेंगे और कोई भी मैनुवल काम नहीं होगा। इस तरह से हमारी सरकार ने इसमें सुधार करने के लिए पूरे प्रयास किए हैं।

**श्रीमती सुमिता सिंह :** अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री महोदय ने मेरे प्रश्न का जवाब नहीं दिया। मैंने यह सवाल किया है कि विडोज पेंशन बनवाने के लिए जो फार्म जमा करवाती हैं उसकी एकनोलेजमेंट नहीं दी जाती और पेंशन बनवाने के लिए उनको एक-एक साल तक धक्के खाने पड़ते हैं। उसके बाद उनको कह दिया जाता है कि आपका फार्म गुन हो गया।

**Mr. Speaker :** Is this your concern or your question?

**Smt. Sumita Singh:** Yes Sir, this is my concern and question also. Are they going to start some system where people get acknowledgement slip which they can show it to the department?

**श्रीमती गीता भुक्कल मातनहेल :** अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगी कि सभी को फार्म जमा करवाने पर एकनोलेजमेंट दी जाती है। अगर माननीय सदस्य के संज्ञान में इस तरह का कोई मामला है जिसमें फार्म जमा करवाने पर एकनोलेजमेंट नहीं दी गई तो हमें बता दें, उस पर जरूर ध्यान दिया जायेगा।

**लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मंत्री (श्री रणदीप सिंह शुरजेवाला) :** सर, माननीय सदस्य जी की जिज्ञासा सही है परंतु माननीय मंत्री महोदय ने बड़ा स्पष्ट जवाब दिया है कि अब कोई भी ऑन लाईन रजिस्ट्रेशन करवा सकता है।

**Mr. Speaker :** I am satisfied with the answer but she is not.

**प्रो. सम्पत सिंह :** अध्यक्ष महोदय, हमें बहुत से बुजुर्ग मिलते हैं जो कहते हैं कि उन्हें जनवरी और फरवरी महीने की पेंशन नहीं मिली है। यह पेंशन कुछ लोगों को ही नहीं मिली या सभी को नहीं मिली है Janaury to be paid in February and February to be paid in March. दूसरा स्पीकर सर, मैं यह पूछना चाहता हूँ कि कुछ लोग ऐसे हैं जो बिलो ऐज होते हुए भी पेंशन ले रहे हैं जिनकी

बाद में इन्व्वायरी होने पर पेंशन काट दी गई और कुछ लोग ऐसे हैं जिनकी ऐज 60 साल होने के बाद भी उन्हें पेंशन नहीं मिल रही। इसके लिए जो अधिकारी गलतियाँ करते हैं और दोषी हैं क्या उनके खिलाफ कोई कार्यवाही की जाती है?

**Mr. Speaker :** Hon'ble Minister will kindly take note. Question is being answered.

श्री अभिल विज : ऐसा कोई नियम तो नहीं है कि एक प्रश्न पर तीन सप्लीमेंटरी ही पूछी जा सकती है।

**Mr. Speaker :** I could have allowed only three supplementaries on that.

### Providing of Computers/Edusets

**\*337. Shri Rampal Majra :** Will the Education Minister be pleased to state whether the Computer/Edusets have been provided/installed in the schools together with the total number of sets installed in the State?

**Education Minister (Smt. Geeta Bhukkal Matanhail) :** Yes Sir, 19402 computers have been provided in 1480 Government Schools. 10564 EDUSAT terminals have been provided in 10306 Government Schools.

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर सर, वर्ष 2007 में एजुसेट सेटलाईट प्रोग्राम के तहत थर्ड स्कीम शुरू की गई थी और इस स्कीम के तहत राजकीय विद्यालयों में 10564 एजुसेट लगाये गये हैं। मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से थर्ड जानना चाहूंगा कि इस प्रोग्राम के तहत कितनी धनराशि खर्च हुई, अब उनमें से कुल कितने सिस्टम सुचारू रूप से काम कर रहे हैं और कितने खराब हैं, कितने चोरी हुए हैं और जो चोरी हुए हैं उनमें से कितने बरामद हुए हैं?

श्रीमती गीता भुक्कल मातनहेल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगी कि हरियाणा सरकार ने बच्चों को क्वालिटी एजुकेशन देने की योजना बनाई गई है जिसके तहत एजुसेट सिस्टम के माध्यम से बच्चों को शिक्षा देने का प्रोग्राम भी शुरू किया गया है। यह प्रोग्राम with the collaboration of Union Ministry of Human Resources Development and ISRO शुरू किया है। मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगी कि इस प्रोग्राम के तहत प्राइमरी एजुकेशन में 8932 डीटीएच. आर.टी.ओज. हैं, सैकेण्डरी एजुकेशन में 1364 डी.टी.एच. आर.टी.ओज. हैं और 258 एस.आई.टीज. हैं, हॉयर एजुकेशन में 66 एस.आई.टीज. है और टेक्नीकल एजुकेशन में 18 एस.आई.टीज. हैं। वेरीयश गवर्नमेंट ऑफिसिज़ में जैसे 119 डी.ई.ओज. में, 20 डी.ई.ओज. में, 17 डी.आई.ई.टीज. में, 1 एस.सी.ई.आर.टी. में, 2 डी.ई.टी.टी.आईज. में और 8 हेड ऑफिसिज़ में हैं। इनका ऑब्जेक्टिव बहुत ज्यादा अच्छी शिक्षा देने का रहा है। जैसा कि मैंने पहले भी बताया है इसके पीछे हमारा मकसद अपने बच्चों को क्वालिटी एजुकेशन और साईंस एजुकेशन देने का है क्योंकि इससे हम वहां पर भी अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा उपलब्ध करवा सकेंगे जहां पर टीचर्स की कमी है। (Interruption)

**PWD(B&R) Minister (Shri Randeep Singh Surjewala) :** Sir, when the Minister is answering, he has to keep patience to hear her.

**Mr. Speaker :** Majra Ji, as she has not finished her reply, let her complete her reply first.

**श्रीमती गीता भुक्कल मातनहेल :** अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं माननीय सदस्य को यह बताना चाहूंगी कि एजुसैट सिस्टम पर हमारे टोटल प्रोजेक्ट में इनवैस्टमेंट 104.59 करोड़ रुपये हुई है। जिसमें 89.96 करोड़ रुपये की फाईनैशियल इम्प्लीकेशंस इसरो के साथ हुई है और उत्कर्ष सोसायटी को 14.63 करोड़ रुपये दिये गये हैं। इसके साथ माननीय सदस्य ने यह भी पूछा है कि कई स्कूलों में हमारा यह सिस्टम खराब है। इस बारे में मैं यह कहना चाहूंगी कि इस समय शिफ्टिंग ऑफ सैटेलाइट का कार्य चल रहा है। Due to the technical and operational problem, the EDUSAT network stopped working w.e.f. 1st March, 2010. ISRO has planned to shift the entire traffic from EDUSAT to INSAT-4CR. The work of re-configuration and the re-orientation of 5232 RTOs is in progress at the level of ISRO, which has allotted the work of 5232 sites to M/s MCBS. Till date, 225 SITs and 3051 RTOs have been reconfigured and about 1124 sites have been made operational. इस समय एजुसैट के माध्यम से सभी स्कूलों में जहां पर यह शिक्षा दी जा रही है उनमें गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, महेन्द्रगढ़ में टोटल 70 जी.एस.एस.एस. आर.टी.ओज़. हैं जिनमें से 32 वर्किंग कंडीशन में हैं और 38 नॉन-वर्किंग हैं, जी.पी.एस. आर.ओ.टी. 518 हैं जिनमें से 177 वर्किंग कंडीशन में हैं और 341 नॉन-वर्किंग हैं। स्पीकर सर, जैसा कि मैंने पहले कारण बताया कि इस समय इनमें एम.सी.बी.एस. की देखरेख में इनको शुरू करने के लिए शिफ्टिंग का काम चल रहा है। इसी प्रकार से गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, झज्जर में टोटल 102 जी.एस.एस.एस. आर.ओ.टी. हैं। जिनमें से 35 वर्किंग कंडीशन में हैं और 67 नॉन-वर्किंग हैं, जी.पी.एस. आर.ओ.टी. 332 हैं जिनमें से 91 वर्किंग कंडीशन में हैं और 241 नॉन-वर्किंग हैं। इसमें भी यही कारण है कि हमारा सैटेलाइट शिफ्टिंग का कार्य चल रहा है। इसमें जी.एस.एस.एस. में 10 में से 5 वर्किंग में चल रहे हैं और 5 नॉन वर्किंग हैं। इसी प्रकार से रेवाड़ी जिले में जी.एस.एस.एस. आर.ओ.टी. कुल 66 में से 32 वर्किंग में हैं और 34 नॉन वर्किंग में हैं। जी.पी.एस.आर.ओ.टी. में कुल 518 में से 177 वर्किंग में हैं और 341 नॉन वर्किंग में हैं और हमारे एस.आई.टी. डूयल मोड में टोटल 10 हैं जिसमें से 6 वर्किंग में हैं और 4 नॉन वर्किंग में हैं। इसी तरह से जिला रोहतक में जी.एस.एस.एस. आर.ओ.टी. कुल 81 में से 37 वर्किंग में हैं और 44 नॉन वर्किंग में हैं। जी.पी.एस. आर.ओ.टी. में कुल 237 में से 97 वर्किंग में हैं और 140 नॉन वर्किंग में हैं। उसमें भी यही कारण है कि हमारे सैटेलाइट शिफ्टिंग का कार्य चल रहा है। सभी जिलों की सूचना देने के साथ-साथ मैं यह जरूर बताना चाहूंगी कि 30 जून, 2011 तक यह शिफ्टिंग ऑफ सैटेलाइट का कार्य जब पूरा हो पायेगा तो सभी जगह हमारा एजुसैट का कार्य सही तरह से चल जायेगा। जिला सिरसा में जी.एस.एस.एस. आर.ओ.टी. कुल 68 में से 13 वर्किंग में हैं और 55 नॉन वर्किंग में हैं। जी.पी.एस. आर.ओ.टी. में कुल 557 में से 82 वर्किंग में हैं और 475 नॉन वर्किंग में हैं। (विघ्न)

**Mr. Speaker :** Mr. Majra, if you ask long questions then long answers will come.

**श्रीमती गीता भुक्कल मातनहेल :** सर, इसी प्रकार से जिला सोनीपत में जी.एस.एस.एस. आर.ओ.टी. कुल 98 में से 39 वर्किंग में हैं और 59 नॉन वर्किंग में हैं। इसी तरह से जी.पी.एस.

आर.ओ.टी. कुल 444 में से 105 वर्किंग में हैं और 339 नॉन वर्किंग में हैं। जिला फरीदाबाद में जी.एस.एस.एस. आर.ओ.टी. कुल 57 हैं और 57 ही नॉन वर्किंग में हैं। जी.पी.एस. आर.ओ.टी. कुल 228 हैं और सभी नॉन वर्किंग में हैं। जिला गुड़गाँव में जी.एस.एस.एस. आर.ओ.टी. कुल 61 हैं और सभी नॉन वर्किंग में हैं। जी.पी.एस. आर.ओ.टी. कुल 385 हैं और सभी नॉन वर्किंग कंडीशन में हैं। इसी प्रकार से मेवात में जी.एस.एस.एस. आर.ओ.टी. 22 हैं और 22 ही नॉन वर्किंग में हैं और इसका भी कारण वही है कि हमारे सेटेलाईट शिफ्टिंग का कार्य चल रहा है। इसके साथ-साथ हमने जो 3 साल का सेटेलाईट को चलाने का कौंट्रैक्ट दिया था उसमें हमारी बैटरियों का बैक-अप नहीं रहा था। अब हमने इसके लिए टैंडर कॉल कर लिये हैं और जल्दी ही हम ऑर्डर दे देंगे तथा तकरीबन 14600 बैट्रीज सीनियर सेकेंडरी और प्राइमरी स्कूलों में पहुंचा देंगे। जिला अम्बाला में जी.एस.एस.एस. आर.ओ.टी. कुल 63 में से 29 वर्किंग में हैं और 34 नॉन वर्किंग में हैं। जी.पी.एस.आर.ओ.टी. में कुल 516 हैं और सभी नॉन वर्किंग में हैं। (बिघ्न)

**Mr. Speaker :** Majra Ji, I am sure you will not ask such a question again.

**श्रीमती गीता भुक्कल मातनहेल :** अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से जिला भिवानी में जी.एस.एस.एस. आर.ओ.टी. कुल 140 में से 50 वर्किंग में हैं और 90 नॉन वर्किंग में हैं तथा जी.पी.एस. आर.ओ.टी. कुल 635 हैं और सभी नॉन वर्किंग में हैं। (शोर एवं व्यवधान) ISRO is in process to allocate the work of reconfiguration and reorientation to their vendors.

**श्री राम पाल माजरा :** अध्यक्ष महोदय, 10 प्रतिशत तो फंक्शनल हैं बाकी तो नॉन फंक्शनल हैं। उनको ऑप्रेशनल करने के लिए और कितने रुपये लगायेंगे। इसमें पहले ही करोड़ों रुपये लग चुके हैं। (शोर एवं व्यवधान)

**Mr. Speaker :** The Minister has given the reasons for that.

**श्री राम पाल माजरा :** अध्यक्ष महोदय, \*\*\*

**Mr. Speaker :** Mr. Marja do not make a speech please. If you have a question, please go ahead. (Interruption) Do not make a speech. (Interruption) Do not make a speech here. (Interruption) You are giving a speech. (Interruption) Answer has come. (Interruption) You are just making a speech. (Interruption) You are not asking a question. (Interruption) Nothing is to be recorded.

**Mr. Speaker :** Mr. Marja don't make a speech. (शोर एवं व्यवधान)

#### वॉक-आउट

**श्री राम पाल माजरा :** अध्यक्ष महोदय, मेरे प्रश्न का मंत्री महोदय द्वारा ठीक तरह से जवाब नहीं दिया जा रहा है। हम इनके जवाब से संतुष्ट नहीं हैं। इसलिए हम एज ए प्रोटेस्ट सदन से वॉक-आउट करते हैं।

(इस समय इंडियन नेशनल लोकदल के सदन में उपस्थित सभी सदस्य तथा शिरोमणी अकाली दल के एकमात्र सदस्य सदन से वॉक-आउट कर गये।)

**तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरारम्भण)**

**श्रीमती गीता भुक्कल मातनहेल :** अध्यक्ष महोदय, शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए वहां पर सरकार पूरा प्रयास कर रही है। हम कम्प्यूटर के माध्यम से एजुकेशन देंगे। सरकार ने फिर से 2622 स्कूलों में दोबारा कम्प्यूटर एजुकेशन देने की बात की है। जो इन्होंने क्वेश्चन पूछा है उसका जवाब तो इससे भी ज्यादा लम्बा है।

**Mr. Speaker :** Hon'ble Minister, I am happy with your answer. Now, next question please.

**To open a Degree College**

**\*374. Smt. Kavita Jain :** Will the Education Minister be pleased to state :—

- whether there is any proposal under consideration of the Government to open a degree college in Sonapat city; and
- If so, the time by which the college referred to in part(a) above is likely to be opened?

**Education Minister (Smt. Geeta Bhukkal Matanhail) :—**

- No, Sir.
- Question dosen't arise.

**श्रीमती कविता जैन :** अध्यक्ष महोदय, सोनीपत जिला बने हुए 39 वर्ष हो गए हैं लेकिन आज भी सोनीपत शहर में एक भी डिग्री कालेज नहीं खुला है। अध्यक्ष महोदय, आप स्वयं भी इस एरिया से बिलौंग करते हैं इसलिए मेरे से ज्यादा कंसर्न आपका है। मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदया से जानना चाहूंगी कि क्या सोनीपत में रहने वाले गरीब, साधारण और पिछड़े वर्गों के बच्चों को सस्ती शिक्षा देने का कोई प्रोजेक्ट सरकार के पास है या नहीं? मंत्री महोदया ने अपने जवाब में एकदम से कह दिया कि ऐसा कोई प्रोजेक्ट नहीं है। शिक्षा मंत्री महोदया बताएं कि ऐसा क्यों नहीं हो सकता?

**श्रीमती गीता भुक्कल मातनहेल :** अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सम्मानित सदस्या को बताना चाहूंगी कि जहां तक सोनीपत जिले की बात है सोनीपत हमारे हरियाणा प्रदेश में एजुकेशन हब के रूप में उभर रहा है। माननीय भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी के नेतृत्व में हमारी सरकार का पूरा प्रयास है कि पूरे हरियाणा को ही एजुकेशन हब बनाया जाए। जहां तक माननीय सदस्या के सोनीपत जिले की बात है सोनीपत जिले में इस समय दो गवर्नमेंट कालेज हैं एक गवर्नमेंट कालेज गोहाना में है जो कि सोनीपत से 35 किलोमीटर दूर है और दूसरा गवर्नमेंट विमैन कालेज, मुरथल में है जो कि सोनीपत से 10 किलोमीटर दूर है। इनके अलावा गवर्नमेंट ऐडेड कालेजिज भी वहां पर हैं। ये हैं- सी.आर.ए. कालेज, सोनीपत, हिन्दू कालेज, सोनीपत, हिन्दू कालेज ऑफ एजुकेशन, सोनीपत, हिन्दू गर्ल्स कालेज, सोनीपत, टी.आर. कालेज ऑफ एजुकेशन, सोनीपत, गीता विद्या मंदिर के.एम.वी. सोनीपत, टी.आर.गर्ल्स कालेज, सोनीपत और कन्या महाविद्यालय खरखौदा जोकि सोनीपत का ही पार्ट है। यह 7 गवर्नमेंट ऐडेड कालेजिज सोनीपत में ही चल रहे हैं। मैं माननीय सदस्या को बताना चाहूंगी कि उत्तर भारत का पहला महिला विश्वविद्यालय खानपुर कला भी सोनीपत जिले में ही है। राजीव गांधी एजुकेशन सिटी



जिसके माध्यम से वर्ल्ड लेवल की शिक्षा देने की बात की जा रही है वह भी सोनीपत जिले में ही है। इनके अलावा सैल्फ फाईनेंसिंग बी.एड. कालेजिज भी सोनीपत में ही है। सर छोटूराम इंजीनियरिंग कालेज भी सोनीपत में ही है। इस तरह से सोनीपत जिला ऐजुकेशन प्वायंट ऑफ व्यू से सरकार की प्रॉयोरिटी में रहा है।

**श्रीमती कविता जैन :** अध्यक्ष महोदय, गरीब, साधारण और पिछड़ा वर्ग के बच्चे जो सोनीपत में रहते हैं क्या उन्हें सस्ती शिक्षा पाने का अधिकार नहीं है? गवर्नमेंट ऐडेड कालेज के अंदर बच्चों को कोई भी स्कॉलरशिप नहीं दी जाती है। सोनीपत शहर में अभी तक कोई गवर्नमेंट डिग्री कालेज क्यों नहीं है? जैसे इन्होंने मुरथल के कालेज के बारे में बताया कि वह केवल लड़कियों के लिए है। अध्यक्ष महोदय, खरखोदा तो माननीय मुख्यमंत्री महोदय जी की सुसराल है इसलिए वहां 20 फरवरी को ही मुख्यमंत्री महोदय एनाउंस करके आए हैं फिर सोनीपत शहर के साथ सौतेला व्यवहार क्यों किया जा रहा है? 39 वर्षों के बाद भी सोनीपत में गवर्नमेंट डिग्री कालेज क्यों नहीं है? गरीब एवं पिछड़े वर्ग के बच्चों के लिए वहां पर शिक्षा क्यों नहीं है। स्पीकर साहब, मेरे ख्याल से अब मेरे इत्के के लोगों को आपके पास अपने-अपने मेमोरेन्डम लेकर आने चाहिए।

**PWD(B&R) Minister (Shri Randeep Singh Surjewala) :** Speaker Sir, I will request you that there should be pointed question only.

**श्रीमती कविता जैन :** अध्यक्ष महोदय, मेरे सवाल का उत्तर नहीं आया है कि सोनीपत के गरीब बच्चों को शिक्षा देने के लिए सरकार क्या कर रही है? अध्यक्ष महोदय, सोनीपत के सेक्टर 12 में कालेज के लिए जमीन चिन्हित की गयी है।

**Mr. Speaker :** That means Government has initiated action.

**श्रीमती कविता जैन :** अध्यक्ष महोदय, सदन के पटल पर मंत्री महोदय का जवाब आया है कि प्रश्न ही नहीं उत्पन्न होता।

**Mr. Speaker :** Steps are being taken by the Government.

**श्रीमती कविता जैन :** अध्यक्ष महोदय, हमने अपने सॉर्सिज से लोगों से पता करवाया था तो पता चला कि कालेज के लिए जमीन है और जब जमीन है तो वहां पर कालेज खोलने के लिए क्वेशचन क्यों नहीं उत्पन्न होता?

**Mr. Speaker :** In Sector-12 land has been earmarked for this purpose. You know that, Madam Kavita.

**Smt. Kavita Jain :** Speaker Sir, Hon'ble Minister should give answer in positive manner not in a negative manner.

**श्रीमती गीता भुक्कल मातनहेल :** अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्या को जरूर कहना चाहूंगी कि सोनीपत जिले में यूनिवर्सिटीज के अलावा एक प्राईवेट यूनिवर्सिटी ओ.पी. ज़िदल ग्लोबल लॉ यूनिवर्सिटी भी है। जिन एस.सी., बी.सी. बच्चों के बारे में माननीय सदस्या ने चिंता जाहिर की है, उनके बारे में मैं जरूर कहना चाहूंगी कि हम हमारे एच.सी. व बी.सी. कैटेगरी के बच्चों को और बच्चियों को स्कॉलरशिप देते हैं। गवर्नमेंट कालेजिज में और गवर्नमेंट ऐडेड कालेजिज में यह

[श्रीमती गीता भुक्कल मातनहेल]

स्कॉलरशिप 11वीं कक्षा के ऑनवर्ड स्टार्ट हो जाती है। हमारी सरकार बनने के बाद वर्ष 2005 के बाद 18 नये कालेजिज हैं, जो हमने बनाये हैं। इसके अलावा, गवर्नमेंट कालेज खरकड़ा का माननीय मुख्यमंत्री जी ने शिलान्यास कर दिया है, उसका कार्य भी जल्द ही शुरू हो जाएगा। हरियाणा को जहां हमने स्कूल शिक्षा का हब बनाने की बात की है वहीं स्कूली शिक्षा के साथ-साथ जो नंबर ऑफ कालेजिज हैं, उनमें वृद्धि भी हुई है। हमारी सरकार आने के बाद शिक्षा के स्तर में सुधार भी हुआ है। सभी जिलों में सरकारी डिग्री कॉलेज खोले गए हैं। मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगी कि हमने हरियाणा प्रदेश को शिक्षा के हब के रूप में उभारा है। बहुत से नये कालेज खोले हैं। नये जॉब और रियेडिड कोर्सिज चालू किए हैं ताकि हमारे प्रदेश के बच्चों को और बच्चियों को अच्छी से अच्छी शिक्षा मिल पाए और उनका भविष्य उज्ज्वल हो सके।

श्री शेर सिंह बड़शामी : अध्यक्ष महोदय, मुझे भी इस बारे में सप्लीमेंट्री पूछनी है।

Mr. Speaker : Have I allowed you?

श्री शेर सिंह बड़शामी : अध्यक्ष महोदय, आप मेरी बात तो सुनिए।

Mr. Speaker : But I have not allowed you. (विघ्न) पहले आप ये बताओ कि आप क्या-क्या सोच कर आये हो।

तारांकित प्रश्न संख्या 385

(इस समय माननीय सदस्य श्री भारत भूषण बतारा सदन में उपस्थित नहीं थे, इसलिए यह प्रश्न पूछा नहीं जा सका।)

### Construction of Road

\*346. Sh. Parminder Singh Dhull : Will the PWD (B&R) Minister be pleased to state the time by which the construction work of the road from Kinana to Pindara is likely to be completed?

PWD(B&R) Minister Shri Randeep Singh Surjewala : Sir, the construction work is likely to be completed by 30.06.2012 subject to starting of mining activity in the State.

Sir, construction work is likely to be completed of the road from Kinana to Pindara by 30th of June, 2012 subject to commencement of mining activity which has now recently been started by an order that has been made two days back. अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सभा को बताना चाहूंगा कि यह सड़क हमारे जिले की बहुत ही मशहूर सड़क है। पूरे प्रान्त की उस स्थान के बारे में आस्था है। इस सड़क का बाया अनुपगढ़, तिरोली, रधाना, गोहाना और जींद रोड से 5 कर्म का रास्ता है। हमें इस सड़क से ही रास्ता मिल पाया है इसलिए इसी रास्ते पर यह सड़क बनाएंगे। इस सड़क के निर्माण पर 2 करोड़ रुपये की लागत आएगी। ये किनाना से रधाना बाया बिरोली अनुपगढ़ की साढ़े 6 किलोमीटर की सड़क है, ये नयी बनाएंगे और रधाना से

गोहाना 2.4 किलोमीटर लम्बी सड़क है, इसको हम रिकंस्ट्रक्ट करेंगे। गोहाना जींद होते हुए पांडु पिंडारा तीर्थ तक की सड़क पर 1.8 किलोमीटर का ऐंजिस्टिंग स्टेट हाइवे है, इसको भी रीकंस्ट्रक्ट करेंगे। टोटल 10.7 किलोमीटर की सड़क पर दो करोड़ रुपये की लागत आएगी। इसके बारे में 30 जून, 2012 तक का हमने समय दिया है लेकिन इस पर जल्दी से जल्दी निर्माण करवाने का प्रयास करेंगे।

**श्री परमिन्दर सिंह दुल :** अध्यक्ष महोदय, जैसा माननीय मंत्री जी ने बताया है उसके बारे में मैं कहना चाहूंगा कि इसी गांव में जो सड़क किनासा से निकलकर पिंडारा जा रही है। उसी के रास्ते में बीच में बिरोली गांव है। बिरोली गांव से 2.5 किलोमीटर की दूरी पर अनाज मंडी है। उसे यदि बिरोली-निदाना सड़क से जोड़ दिया जाए जो कि बहुत ही थोड़ा रास्ता है। वहां रास्ता भी उपलब्ध है और उससे कम से कम 20-22 गांवों के लोगों को शहर में नहीं आना पड़ेगा और वे डायरैक्ट मंडी में इसी सड़क से होते हुए पहुंच जायेंगे।

**श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला :** अध्यक्ष महोदय, हालांकि यह पृथक प्रश्न है लेकिन फिर भी जो माननीय सदस्य ने कहा है उनकी बात वाजिब है। हमने इस बारे में चैक भी किया था और पाया कि बिरोली से अशरफगढ़ चार कर्म का रास्ता है बल्कि 4 से भी कम है और वहां कंसोलिडेशन स्टार्ट है। जैसा मैंने शुरू में कहा था कि इस सड़क के निर्माण के लिए हमें पांच कर्म का रास्ता चाहिए। स्पीकर सर, ट्रैफिक की स्थिति में किसान कैसे उस सड़क पर चल पाएगा, इसलिए यह रास्ता चुना गया। हमने सभी आस-पास के गांवों के लोगों से और किसानों से भी बाकायदा इस बारे में राय ली। माननीय सदस्य ने इस बारे में पहले भी मांग की थी और मुझे व्यक्तिगत तौर पर कहा था और शायद पत्र भी लिखा था। हमने इनकी मांग मुख्यमंत्री जी के समक्ष रखी और मुख्यमंत्री जी ने इनकी इस मांग को मंजूर भी किया। इसके अलावा और कोई सुझाव है तो जरूर दें हम उसको ऐंजामिन करेंगे।

**श्री शेर सिंह बड़शामी :** अध्यक्ष महोदय, .....

**Mr. Speaker :** This is irrelevant. This question may not be recorded because it is irrelevant.

**श्री परमिन्द्र सिंह दुल :** अध्यक्ष महोदय, मेरा यह प्रश्न था कि इस गांव के साथ बिरोली गांव से निदाना तक चार किलोमीटर की सड़क है। अध्यक्ष महोदय अगर यह सड़क बन जाती है तो 22 गांवों को जीन्द में नहीं आना पड़ेगा। क्या मंत्री जी इस सड़क को किनासा की बजाय निदाना तक जोड़ने का काम करेंगे या नहीं?

**श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला :** माननीय सदस्य इस बारे में लिखकर मेरे काबिल दोस्त माननीय ऐंग्रीकल्बर मिनिस्टर को दे दें क्योंकि यह मार्केटिंग बोर्ड का मामला है इसको हम जरूर ऐंजामिन करेंगे, मैं उनकी तरफ से इनको आश्वासन देता हूँ।

#### To Widen Ambala-Saha Road

**\*318. Shri Anil Vij :** Will the PWD(B&R) Minister be please to state :—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to widen Ambala Saha road; and

\* वेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

[श्री अनिल विज]

(b) if so, the time by which the said road is likely to be widened?

**PWD(B&R) Minister (Shri Randeep Singh Surjewala) :-**

(a) No, Sir.

(b) Question doesn't arise. इसके अलावा मैं माननीय सदस्य की जानकारी के लिए यह भी बताना चाहता हूँ कि क्योंकि इनका प्रश्न यह था कि इस सड़क को वाईडन करने का प्रोजेक्ट है या नहीं? इस सड़क को हम 12वें वित्त आयोग के तहत 815 लाख 88 हजार रुपये की लागत से स्ट्रेंथन कर रहे हैं और इस समय इस सड़क का काम चल रहा है और 30.4.2011 तक इसका काम पूरा हो जायेगा, यह हमें उम्मीद है।

**श्री अनिल विज :** स्पीकर सर, मैंने अम्बाला से साहा की रोड की बात की है। चण्डीगढ़ से साहा और साहा से जगाधरी तक सड़क की फोर लेनिंग हो रही है। लेकिन आज अम्बाला से जगाधरी रोड पर ट्रैफिक की वजह से आप आराम से चल नहीं सकते क्योंकि सारे स्कूल और कालेज इस सड़क पर हैं। इसलिए मैंने यह प्रश्न नहीं किया कि सारी सड़कें बनायें या नहीं बनायें लेकिन क्या अम्बाला से साहा की सड़क जो स्टेट हाईवे में भी नहीं आई है इसको चौड़ा करने की बात पर पुनर्विचार करेंगे या नहीं और क्या इस सड़क को फोर-लेन करने जा रहे हैं या नहीं?

**श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला :** स्पीकर सर, हालांकि इनका प्रश्न पूरी सड़क के बारे में था फिर भी मैं माननीय सदस्य को बताना चाहता हूँ कि अम्बाला से साहा जो स्टेट हाईवे नं० 5 है इसकी कुल लम्बाई 15.40 किलोमीटर है और 4.14 किलोमीटर सड़क जो अम्बाला सिटी की सड़क है वह पहले से ही फोर-लेन है और बाकी की सड़क है उसको हम दस मीटर वाईड करने जा रहे हैं, इसलिए अम्बाला साहा का रोड है उसकी अपग्रेडेशन का प्रोसेस है। He should be happy as we have already undertaken the process to widen it. इसलिए 815 लाख 88 हजार रुपये मन्जूर करवाकर लाये हैं। अम्बाला सिटी की सड़क का जो यह काम है यह चल रहा है और 30.4.2011 तक पूरा हो जायेगा and I am making a specific assurance that we will be able to complete it.

**श्री अनिल विज :** स्पीकर सर, सड़क का स्ट्रेंथन और रिपेयर का काम तो कंटीनुअस प्रोसेस होता है। मेरा जो प्रश्न है वह यह है कि इस सड़क पर ट्रैफिक इतना बढ़ गया है और उस पर बाई-पास भी नहीं है जगाधरी का सारा ट्रैफिक इसी सड़क पर शहर में होकर आता है इसी सड़क पर एस०डी० कालेज है, ब्लाईड स्कूल है, डी०ए०वी० कालेज हैं मैंने सड़क की वाइडनिंग की बात की है।

**Mr. Sepaker :** Hon'ble Minister, is there any proposal to widen it?

**श्री अनिल विज :** अध्यक्ष महोदय, मैं स्ट्रेंथनिंग की बात कर रहा हूँ न कि वाइडनिंग की। अगर आप स्ट्रेंथनिंग के साथ-साथ वाइडनिंग भी करवा देंगे तो बहुत अच्छी बात होगी।

**श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला :** अध्यक्ष महोदय, विज साहब ने हाउस की गैलरी में शायद यह प्रश्न पहले भी रोज किया था। उसके बाद हमने इस सड़क का सर्वे करवाया था। जो आई०आर०सी० 64 गाइडलाइज for capacity of roads हैं उसमें ए., बी., सी., डी. और ई. पांच कैटेगरीज है। Depending on कि कितना ट्रैफिक है उसके मुताबिक ये गाइडलाइंस बनाई गई हैं। इस सड़क का हमने सर्वे

करवाया था जिसके अनुसार इस सड़क पर 16129 पी०सी०यूज का ट्रेफिक इस समय है। डी० ग्रेड सर्विस पर भी लगाएँ जिस पर हम आलरेडी इस सड़क को ले आएँ हैं इसकी मिनीमम लिमिट इस समय 17250 है। यह जो लेटेस्ट पी.सी. यूज का सर्वे हमने अब करवाया है यह उसके अनुसार है। I am subject to correction और विज साहब के पास अगर इससे भिन्न आंकड़े हों तो यह हमें लिखकर दे दें we are open to it लेकिन इस समय ये सड़क मैक्सिमम टू मैक्सिमम बी. ग्रेड कैटेगरी के मुताबिक आती है और उसके मुताबिक वहाँ तक पहुँचने से पहले ही हम आलरेडी स्टैंडबिग कर रहे हैं।

### Problem of Drinking water and Sewerage

\*549. Shri Ram Niwas Ghorela : Will the Public Health Engineering Minister be pleased to state :—

- whether it is a fact that the area of ward No. 13 and 14 of Hisar city which falls in Barwala constituency is a slum area and there is serious problem of drinking water and sewerage system; and
- if so, the time by which the aforesaid problem is likely to be resolved?

आबकारी एवं कराधान मंत्री (श्रीमती किरण चौधरी) :

- हां श्रीमान जी। हिसार शहर के वार्ड नं० 13 एवं 14 गन्दी बस्ती क्षेत्र हैं। इन वार्डों के 60 प्रतिशत क्षेत्रों में पेयजल की कोई समस्या नहीं है तथा बकाया क्षेत्र, जिसमें 10 प्रतिशत अनाधिकृत क्षेत्र भी है, में पेयजल की कुछ समस्या है, इन वार्डों के लगभग 50 प्रतिशत क्षेत्र में सीवरेज सुविधा भी उपलब्ध है।
- इन वार्डों के अधिकृत बकाया क्षेत्र में पेयजल तथा सीवरेज की समस्या को दूर करने के लिये जल आपूर्ति तथा सीवरेज सुविधा उपलब्ध कराने के लिये नये अनुमान बनाये जा रहे हैं तथा इन अनुमानों की स्वीकृति मिलने तथा आवश्यक धनराशि उपलब्ध होने उपरान्त ये कार्य वर्ष 2011-12 में आरम्भ किये जायेंगे।

Mr. Speaker : Hon'ble Minister may also reply in Hindi for his convenience and for everybody else.

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी ने प्रश्न पूछा है कि क्या हिसार जिले की बरवाला कांस्टीच्यूंसी के वार्ड नं० 13 और 14 स्लम एरिया में फाल करते हैं तो मैं इनको बताना चाहती हूँ कि हाँ, यह सत्य है कि ये एरियाज स्लम एरिया में फाल करते हैं। वहाँ 60 परसेंट ड्रिंकिंग वाटर की प्रोब्लम नहीं है। वहाँ थोड़ी बहुत ड्रिंकिंग वाटर की प्रोब्लम है जिसको दूर करने के बारे में हम पूरी तरह से कार्यवाही कर रहे हैं। इसके साथ-साथ वहाँ 10 परसेंट जो अनअथोराइज्ड कालोनीज हैं वहाँ पर यह काम नहीं किया जा सकता है। इसके साथ-साथ वहाँ सीवरेज का काम 50 परसेंट पूरा हो चुका है और आने वाले समय में बाकी का काम भी पूरा कर रहे हैं subject to the approval of the estimates and also subject to the availability of the funds यानी जब पैसा हमारे पास आएगा तब यह काम किया जाएगा।

## तारांकित प्रश्न संख्या-357

(इस समय माननीय सदस्य श्री देवेन्द्र कुमार बंसल सदन में उपस्थित नहीं थे  
इसलिए यह प्रश्न पूछा नहीं गया।)

**Recruitment in BBMB**

**\*450. Shri Jagbir Singh Malik :** Will the Irrigation Minister be pleased to state:—

- whether there is any Statutory Body for making recruitment in BBMB projects;
- if yes, the ratio in which the employees are recruited from different States; and
- if not, by whom the recruitments are made and salaries are paid to the employees togetherwith the ratio of salary, if given by the States?

**Finance Minister (Capt. Ajay Singh Yadav) :** A statement is laid on the table of the House.

**Statement**

- Sir, the recruitment to all categories of posts of BBMB projects falling under the Haryana share is made through statutory bodies like Haryana Public Service Commission and Haryana Staff Selection Commission. In case, certain posts remain vacant for Group C & D employees there is a provision for making direct appointment on the Cadre strength of BBMB by centralized Staff Selection Committee as may be constituted by Chairman of BBMB and such recruitments are governed by Bhakra Beas Management Board Class III & IV employees (Recruitment & Conditions of Service) Regulation, 1994 published in Part III section IV of Gazette Notification dated 08/10/1994.
- The ratio in which the employees are to be recruited in BBMB from different States is as follows:—

Sr.No.	State	Ratio
1	Punjab	42%
2	Haryana	28%
3	Rajasthan	07%
4	BBMB (recruited by BBMB)	23%

- Sir, as mentioned in reply to (a) above the expenditure of BBMB including the salaries of employees is borne by the partner States namely Punjab, Haryana and Rajasthan as per ratios given in the following tables :—

IRRIGATION WING			POWER WING		
<b>A Bhakra Project</b>			<b>A Bhakra Project (Power Wing) &amp; Unit IV of Bhakra Irrigation wing.</b>		
Rajasthan	15.22%	Unit No. 1	Rajasthan Power Utilities	15.22%	
	19.06%	Unit No. 2&3			
Punjab	60.00%	After deducting Rajasthan's Share	Punjab Power Utilities	60%	After deducting share of Raj. Power Utilities
Haryana	40%		Haryana Power Utilities	40%	
<b>B Beas Project Unit-I (Beas Satluj Link)</b>			<b>B Beas Project Unit-I (Beas Satluj Link)</b>		
Rajasthan	15%		Punjab Power Utilities	48%	
Haryana	34%		Haryana Power Utilities	32%	
Punjab	51%		Rajasthan Power Utilities	20%	
<b>C Beas Project Unit-II(Pong Dam)</b>			<b>C Beas Project Unit-II (Pong Dam)</b>		
Rajasthan	58.5%		Punjab Power Utilities	24.9%	
Haryana	24.9%		Haryana Power Utilities	16.6%	
Punjab	16.6%		Rajasthan Power Utilities	58.5%	
			<b>D Beas Transmission Lines</b>		
			Punjab Power Utilities	24.5%	
			Haryana Power Utilities	51.7%	
			Rajasthan Power Utilities	23.8%	

श्री जगदीर सिंह मलिक : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूँ कि जो परसेंटेज इन्होंने जवाब में दी है क्या उस परसेंटेज के हिसाब से हरियाणा के एम्पलाईज इन 15,00 बजे दो सेवाओं में काम कर रहे हैं या नहीं? अध्यक्ष महोदय, मैं दूसरा सवाल सुंदर नगर प्रोजेक्ट के बारे में पूछना चाहूंगा कि वहां पर चीफ इंजीनियर की पोस्ट हरियाणा के लिए रिजर्व है। क्या वहां पर चीफ इंजीनियर हरियाणा से पोस्टिड है या नहीं है?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, भाखड़ा ब्यास प्रबन्धन बोर्ड में हरियाणा के कर्मचारियों का 28 प्रतिशत शेयर है। उसमें से ग्रुप ए में 25.8 प्रतिशत, ग्रुप बी में 30.88 प्रतिशत, ग्रुप सी में 8.27 प्रतिशत और ग्रुप डी में 2.45 प्रतिशत शेयर है। अध्यक्ष महोदय, मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि हमारे यहां का स्टाफ भाखड़ा ब्यास प्रबन्धन बोर्ड में नहीं जाता था। इस बात को ध्यान में रखते हुए हमने वहां के लिए स्पेशल भर्ती हरियाणा लोक सेवा आयोग और हरियाणा

[कैप्टन अजय सिंह यादव]

कर्मचारी चयन आयोग द्वारा करवाई है। हमने 22 एस०डी०ओ० की पोस्टें स्पेशल ऐडवर्टाइजमेंट करवाकर हरियाणा लोक सेवा आयोग से भरवाई हैं जिनमें से 17 एस०डी०ओ० भाखड़ा ब्यास प्रबन्धन बोर्ड में ज्वाइन कर चुके हैं। इसके अतिरिक्त 20 एस०डी०ओ० की और भर्ती भाखड़ा ब्यास प्रबन्धन बोर्ड के लिए करने बारे रिक्वीजिशन हरियाणा लोक सेवा आयोग को 28.1.2011 को भेजी है। जल्दी ही उनको भरा भी जायेगा। इसके अतिरिक्त 21 पोस्टें जे०ई० की भाखड़ा ब्यास प्रबन्धन बोर्ड के लिए हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा भरी गई हैं जिनमें से 20 कैंडीडेट ज्वाइन कर चुके हैं। इसके अतिरिक्त 38 जे०ई० की पोस्टें भाखड़ा ब्यास प्रबन्धन बोर्ड में भरने के लिए रिक्वीजिशन हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग को भेजी हैं। जहां तक टोटल वैकेंसीज का सवाल है इस वक्त भाखड़ा ब्यास प्रबन्धन बोर्ड में हरियाणा की तरफ से ग्रुप ए में 91 पोस्टें, ग्रुप बी में एक पोस्ट और ग्रुप सी तथा डी में 1481 पोस्टें खाली हैं। हमारे एफ०सी० साहब ने इस बारे में एक लैटर भाखड़ा ब्यास प्रबन्धन बोर्ड के अधिकारियों को लिखा है कि जो भी भर्ती हरियाणा के हिस्से की होनी हैं वे भर्तियां हम ही करेंगे, वे अपने लैबल पर कोई भी भर्ती न करें। हालांकि भाखड़ा ब्यास प्रबन्धन बोर्ड भर्ती करने के लिए सक्षम है लेकिन हमने कह दिया है कि हमारे हिस्से की भर्ती हम स्वयं करेंगे। जो भी हमारी ग्रुप सी तथा डी की पोस्टें खाली हैं उनको हम जल्दी से जल्दी भरने के लिए कार्यवाही करेंगे।

**Mr. Sepaker :** Hon'ble Member want to know whether we are getting our quota in recruitment or not?

**कैप्टन अजय सिंह यादव :** अध्यक्ष महोदय, काफी वैकेंसीज खाली पड़ी हैं उनमें से काफी को भरने के लिए हमने रिक्वीजिशन भेजी हुई है और हम जल्दी से जल्दी उनको भरने के लिए कार्यवाही करेंगे। अध्यक्ष महोदय, टोटल कितनी पोस्टें हैं और कितनी खाली हैं इसकी पूरी डिटेल् में सदन के सामने रख दी है। ग्रुप सी और डी में हमारी प्रतिशतता कम है उसको भी भरने के लिए हम कार्यवाही कर रहे हैं।

**श्री जगवीर सिंह मलिक :** अध्यक्ष महोदय, मैंने माननीय मंत्री जी से यह भी पूछा है कि भाखड़ा ब्यास प्रबन्धन बोर्ड में चीफ इंजीनियर किस स्टेड से है और कितने समय से है?

**कैप्टन अजय सिंह यादव :** वहां पर चीफ इंजीनियर हरियाणा से हैं और यह जरूरी नहीं कि वह हरियाणा से ही हो।

#### Anomalies in Pay Scales

\*365. **Prof. Sampat Singh:** Will the Finance Minister be pleased to state :—

- whether it is a fact that the pay scales and financial benefits of the ICMS and Veterinary Surgeons were same before the implementation of 6th Pay Commission report;
- if so, whether there is any anomaly of pay scales etc. between the above said two services after the implementation of the report of 6th Pay Commission; and



- (c) whether the matter removing anomaly between these two services is under consideration of the Government, if so, the time by which these anomalies are likely to be settled?

**Finance Minister (Capt. Ajay Singh Yadav):—**

- (a) Yes, Sir  
(b) No, Sir  
(c) No, Sir

**प्रो० सम्पत सिंह :** अध्यक्ष महोदय, माननीय वित्त मंत्री जी ने मेरे सवाल के जवाब में कहा है कि भेडीकोज और पशु-शल्य चिकित्सकों के वेतनमान में कोई अनोमली नहीं है। इस बारे में मैं मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि एच०सी०एम०एस० तथा पशु-शल्यचिकित्सकों के वेतनमान में इनीशियल स्टेप पर अनोमली नहीं है लेकिन after 9 years service or ten years service and after 15 years service जो आप दूसरी और तीसरी ए०सी०पी० देते हैं क्या उनमें एनोमली नहीं है? एच०सी०एम०एस० में ए०सी०पी० 100 प्रतिशत को देते हैं और पशु-शल्यचिकित्सकों को थर्ड ए०सी०पी० भी नहीं दी जाती। वित्त मंत्री जी कह रहे हैं कि कोई पे-अनोमली नहीं है, यह अनोमली ही है। There is an anomaly. मैंने अपने सवाल में पे-अनोमलीज और अदर बैनीफिट्स के बारे में पूछा है।

**कैप्टन अजय सिंह यादव :** अध्यक्ष महोदय, यह बात सही है कि प्रीरिवाइज्ड स्केल इन दोनों कैटेगरीज के बराबर होते थे लेकिन हमारे प्रदेश में एच०सी०एम०एस० डाक्टरों की अवैलेबिलिटी बहुत कम हो गई थी। हालात ये हो गये थे कि 30 प्रतिशत के करीब डाक्टरों जवाइन करने के बाद नौकरी छोड़कर चले जाते थे जिसकी वजह से विशेष आधार पर इनको फायदा दिया गया है। एच०सी०एम०एस० डाक्टरों की शॉर्टेज बहुत ज्यादा है इसलिए हम इन दोनों कैटेगरीज को कम्पेयर नहीं कर सकते। एक बात तो मैं इस बारे में यह कहना चाहूंगा कि हमारे यहां डॉक्टरों की शॉर्टेज बहुत ज्यादा थी। दूसरी बात यह है कि एच०सी०एम०एस० डाक्टरों को हम वैटेनरी और आयुष डॉक्टरों के साथ कम्पेयर नहीं कर सकते क्योंकि इनकी क्वालिफिकेशन और वर्किंग नेचर में बहुत ज्यादा अन्तर है। इन बातों को ध्यान में रखते हुए हमने विशेष तौर पर उन्हें फूट दी है। उनके स्केल ए और बी कैटेगरी में तो बराबर हैं लेकिन कैटेगरी सी में 15600-39100 है जिसमें उनको 10 साल रेगुलर सर्विस के बाद 7600 का पे-बैंड दिया जायेगा। इस मामले में हमने वैटेनरी और आयुष डॉक्टरों के लिए इस समयावधि को 11 साल रखा है और 20 परसेंट की हमने लिमिट की हुई है। माननीय सदस्य को मैं यह बताना चाहूंगा कि यहां पर पे-अनोमली नहीं है। यह हमने अपने एच०सी०एम०एस० डाक्टरों को स्पेशल कंसेशन दिया है। इसके अलावा जो पे-बैंड 4 है यह हमने उनको स्पेशल तौर पर दिया है क्योंकि हमारी डॉक्टरों की रिट्यूर्मेंट नहीं हो रही थी। इस बात को मद्देनजर रखते हुए हमने यह निर्णय लिया था क्योंकि पंजाब में भी डॉक्टरों की सेलरी हमारे यहां से ज्यादा थी। एच०सी०एम०एस० डाक्टरों के लिए हमने स्पेशली तौर पर चार पे-बैंड रखे हैं। इस प्रकार की बात वैटेनरी और आयुष डॉक्टरों के मामले में नहीं हो सकती लेकिन इस बारे में हमारे पास उनकी डिमाण्डज़ आई हैं जिनके बारे में हम विचार कर रहे हैं। मैं एक बार फिर कहना चाहूंगा कि यह अनोमली का मामला नहीं है क्योंकि अनोमली तब होती है-

- (i) where there is a loss of pay in case of employee on account of revision of pay scales;

[कैप्टन अजय सिंह यादव]

- (ii) where, on promotion, an employee draws lower emoluments than what he was drawing prior his promotion and
- (iii) where the pay scales of senior employees gets fixed at lower stage as a consequences of pay revision qua a similarly situated junior employee.

इन केशिज के ऊपर पे-अनोमलीज होती हैं। इस मामले में कोई पे-अनोमली नहीं है क्योंकि यह हमने एक स्पेशल केस में डॉक्टर्ज को कंसेशन दिया है। विशेष तौर पर डॉक्टर्ज की कमी को देखते हुए हमने उनकी पे को ऊपर रखा है।

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर सर, माननीय मंत्री महोदय की यह बात मेरी समझ में नहीं आ रही है जो ये कह रहे हैं कि इस मामले में कोई अनोमली नहीं है। There stands pay anomaly. एक तरफ तो वेटेनरी डॉक्टर्ज हैं और दूसरी तरफ एच०सी०एम०एस० डॉक्टर्ज। मैंने सबसे पहले तो यह सवाल पूछा है कि क्या दोनों की पहले पे-पैरिटी नहीं थी। इस पर माननीय मंत्री जी का जवाब है 'Yes' और इसके बाद सवाल के दूसरे भाग के जवाब में मंत्री जी कहते हैं कि there is no pay anomaly. अध्यक्ष महोदय, आपने भी मंत्री महोदय का जवाब सुना है एच०सी०एम०एस० डॉक्टर्ज को तो वे 100 परसेंट दे रहे हैं और वेटेनरी डॉक्टर्ज को वे 20 परसेंट दे रहे हैं। There may be a different reason. रीजनज कुछ भी हो सकते हैं लेकिन वास्तविकता यही है कि यह बहुत बड़ी पे-अनोमली है क्योंकि कहां तो 100 परसेंट और कहां 20 परसेंट। Pay anomaly still exists. इस बारे में मंत्री महोदय का यह कहना है कि इन दोनों कैटेगरीज की क्वालिफिकेशन अलग-अलग है और वर्क ऑफ नेचर भी अलग है। जहां तक वर्क ऑफ नेचर की बात है तो वर्क ऑफ नेचर तो वेटेनरी डॉक्टर्ज की पहले भी यही थी और आज भी यही है। वेटेनरी डॉक्टर्ज की ड्यूटी तो एच०सी०एम०एस० डॉक्टर्ज से भी ज्यादा सख्त होती है क्योंकि वेटेनरी डॉक्टर्ज को तो पशुओं का इलाज करना होता है जो अपनी प्रॉब्लम को बोलकर भी नहीं बता सकते जबकि एच०सी०एम०एस० डॉक्टर्ज के मामले में ऐसा नहीं है। इसलिए मैं यह कहना चाहता हूँ कि अगर हम अपने वेटेनरी डॉक्टर्ज की कद्र नहीं करेंगे तो धीरे-धीरे हमारे हरियाणा प्रदेश से पशुओं के डॉक्टर्ज भी गायब हो जायेंगे। मैं यह कहना चाहता हूँ कि पे-अनोमलीज ऐरिजस्ट कर रही है।

कैप्टन अजय सिंह यादव : स्पीकर सर, जैसा कि मैंने पहले भी बताया है कि हम इस बात से वाकिफ थे कि अगर हम डॉक्टर्ज को इस प्रकार की सैलरी देते हैं तो इससे वेटेनरी डॉक्टर्ज और इंजीनियरर्स के पे-स्ट्रक्चर में फर्क पड़ेगा। इसलिए हमने एच०सी०एम०एस० डॉक्टर्ज के मामले में स्पेशली तौर पर एक कंसेशन दिया क्योंकि उस समय हमारे प्रदेश में एच०सी०एम०एस० डॉक्टर्ज की बड़ी भारी कमी आ रही थी। हमारे यहां डॉक्टर्ज ड्यूटी ज्वाइन नहीं कर रहे थे। इस प्रकार की दिक्कत हमें वेटेनरी डॉक्टर्ज और आयुष डॉक्टर्ज के मामले में नहीं आ रही थी। यह फैसला हमने एच०सी०एम०एस० डॉक्टर्ज को स्पेशली तौर पर कंसेशन दिया है। इस मामले में पे-अनोमली नहीं है क्योंकि पे-अनोमली के चार कारण होते हैं। जो अनोमली का रीजन होता है उसे मैं पढ़कर बता देता हूँ। पे-अनोमली चार किस्म की होती है, जो कि इस प्रकार से है :-

When the functional pay prescribed for a promotion post is lower than the functional pay scale of the feeder posts.

**प्रो० सम्पत सिंह :** स्पीकर सर, मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूँ कि दोनों डॉक्टरों के पे-स्ट्रक्चर में फर्क है या नहीं है?

**कैप्टन अजय सिंह यादव :** स्पीकर सर, मैंने अपने जवाब में स्थिति पूर्ण रूप से स्पष्ट कर दी है कि प्रदेश में एच०सी०एम०एस० डॉक्टरों की कमी को पूरा करने के लिए हमने इन डॉक्टरों को स्पेशल पैकेज दिया है ताकि हमारे पास ज्यादा से ज्यादा एच०सी०एम०एस० डॉक्टरों आये। इसके बावजूद आज भी हमारे प्रदेश में एच०सी०एम०एस० डॉक्टरों की कमी है। यह बात माननीय सदस्य को माननीय हेल्थ मिनिस्टर महोदय भी बता सकती हैं।

**Mr. Sepaker :** Hon'ble Members, now, the question hour is over.

नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

### Construction of Government College in Palwal

**\*399 Shri Subhash Chaudhary :** Will the Education Minister be pleased to state the time by which the Government College in Palwal City is likely to be constructed for which an announcement was made by the Hon'ble Chief Minister during the month of April, 2010 and 10 acre of land was allotted in Sector-12 of Palwal City together with the present stage thereof?

**शिक्षा मंत्री (श्रीमती गीता भुक्कल मातनहेल) :** श्रीमान् जी, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा सेक्टर-12, पलवल में नियमानुसार भूमि निश्चित की जा चुकी है। जैसे ही सेक्टर में मूलभूत सुविधाओं का विकास हो जाता है तथा उच्चतर शिक्षा विभाग को भूमि हस्तान्तरित कर दी जाती है, वैसे ही महाविद्यालय भवन के निर्माण हेतु कदम उठा लिए जायेंगे।

### Exemption from Toll Tax

**\*435. Col. Raghbir Singh :** Will the PWD(B&R) Minister be pleased to state:—

- (a) whether there is any proposal under consideration of the Government to exempt the soldiers and Ex-serviceman from the Toll Tax on the pattern of other States; and
- (b) if so, the time by which the said proposal is likely to implemented?

**लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) :**

- (क) नहीं, श्रीमान् जी
- (ख) प्रश्न ही नहीं उठता।

**Repair of Roads**

**\*396. Shri Krishan Kamboj :** Will the FWD(B&R) Minister be pleased to state:—

- (a) whether the Government is aware of the fact the road from Sirsa to Village Jiwan Nagar and from Village Jiwan Nagar to Village Bani is in very bad condition;
- (b) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct new roads in place of aforesaid roads; and
- (c) if so, whether the said work is likely to be completed during the current year 2010-2011 or in the next financial year 2011-12?

लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) :

- (क) श्रीमान् जी, यह ठीक है कि सिरसा से गांव जीवन नगर जाने वाली 30 कि०मी० लम्बी सड़क तथा गांव जीवन नगर से गांव बणी को जाने वाली 18.90 कि०मी० लम्बी सड़कों के कुछ हिस्सों के मजबूत करने व मरम्मत करने की आवश्यकता है।
- (ख) इन दोनों सड़कों के विभिन्न हिस्सों के सुधारीकरण का प्रस्ताव है।
- (ग) श्रीमान् जी, इन सड़कों के विभिन्न हिस्सों के सुधारीकरण का कार्य 31 मार्च, 2012 तक पूरा कर लिया जाएगा बशर्ते राज्य में खनन कार्य शुरू हो जाए।

**ITI in Village Bithmara**

**\*426/ Shri Naresh Selwal :** Will the Industrial Training Minister be pleased to state whether it is a fact that the announcement to open an ITI in village Bithmara was made by the Chief Minister during the year 2009 and the land has also been provided by the village panchayat at Surewala Chowk; if so, the time by which the construction work of said ITI is likely to be started?

शिक्षा मंत्री (श्रीमती गीता भुक्कल मालनहेल) : नहीं, श्रीमान् जी।

**Repair of Road**

**\*402. Shri Krishan Lal Panwar :** Will the Agriculture Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to repair the road from village Badar to village Kalkhan of Panipat; if so, the time by which the above stated road is likely to be repaired?

लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : हाँ, श्रीमान् जी। इस सड़क की मरम्मत 31/03/2012 तक होने की संभावना है।

### Repair of Road

**\*395 Shri Ajay Singh Chautala :** Will the PWD(B&R) Minister be pleased to state:—

- (a) whether the Government is aware of the fact that the road from Dabwali to Village Chautala is in very bad condition.
- (b) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a new road in place of the above said road; and
- (c) if so, the time by which the construction work of above said road is likely to be completed?

लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) :

- (क) श्रीमान् जी, यह सब है कि डबवाली से गांव चौटाला वाली सड़क की विशेष मरम्मत व सुधार की आवश्यकता है। इस सड़क पर सुधारीकरण का कार्य प्रस्तावित है।
- (ख) इस सड़क के कि०मी० 2.15 से कि०मी० 13.00 तक सरकार द्वारा 11.35 करोड़ रुपये का प्रस्ताव स्वीकृत किया जा चुका है। इस सड़क के शेष भाग कि०मी० 13.00 से कि०मी० 31.52 तक के सुधार के लिए 15.32 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से मामला विभाग में तत्परता से विचाराधीन है। इस तरह पूरे भाग कि०मी० 2.15 से कि०मी० 31.52 पर 26.67 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से सुधार कर दिया जाएगा।
- (ग) समय सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती, क्योंकि निर्माण का कार्य राज्य में खनन प्रक्रिया शुरू होने पर निर्भर है।

### Repair of Roads and Construction of Overbridges

**\*407. Shri Ghanshyam Saraf :** Will the PWD(B&R) Minister be pleased to state:—

- (a) whether it is a fact that the roads from Kayla to Bhiwani and Manheru to Bhiwani are in very bad condition; if so, whether there is any proposal under consideration of the Government to repair the aforesaid roads in near future; and
- (b) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct Railway Over Bridge on Bhiwani to Hisar road near Police Line and on Dinod road in Bhiwani?

लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) :

- (क) श्रीमान् जी, इन सड़कों के कुछ भाग बुरी अवस्था में हैं। भिवानी मानहेरू सड़क पर विशेष मरम्मत करवाने का प्रस्ताव है, सिवाए कि०मी० 8.80 से कि०मी० 8.925 जो जबरनी कब्जे में है।

[श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला]

(ख) श्रीमान् जी, केवल भिवानी से हिसार सड़क पर रेलवे ऊपर गाम्भी पुल के निर्माण का प्रस्ताव है।

#### Land for Grave-Yard

\*420. **Shri Dilbag Singh** : Will the Urban Local Bodies Minister be pleased to state whether it is fact that there is no grave-yard for Muslim Community on ITI to Sasauli road in Yamuna Nagar; if so, whether there is any proposal under consideration of the Government to provide land for above said grave-yard for the Muslim community?

गृह राज्य मंत्री (श्री गोपाल कांडा) : नहीं श्रीमान् जी, समुनानगर में आई०टी०आई० से ससौली रोड पर मुस्लिम समुदाय के लिए एक कब्रिस्तान है।

#### Plantation in Ferozpur Jhirka

\*467. **Shri Nasheem Ahemed** : Will the Forest Minister be pleased to state the names of the places in Ferozpur Jhirka where the plants have been planted by the Forest Department during the years 2006 to 2010 togetherwith the present condition of aforesaid plants?

बित्त मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव) : श्रीमान् जी, वन विभाग द्वारा वर्ष 2006 से 2010 तक के दौरान फिरोजपुर झिरका में किये गये पौधारोपित क्षेत्रों के नाम व उनकी वर्तमान स्थिति अनैकशचर 'ए' में अंकित है।

#### अनैकशचर-ए

स्थानों की सूची जहाँ वर्ष 2006-2010 के दौरान फिरोजपुर झिरका में पौधारोपण किया गया

वर्ष	स्कीम का नाम	स्थल का नाम	प्राप्त लक्ष्य हेक्टेयर	आर०के०एम०	रोपित पौधों की संख्या	वर्तमान स्थिति
1	2	3	4	5	6	7
2006-07	सामाजिक तथा कृषि वानिकी	अलीपुर-हबतका मार्ग कि०मी० 0-5 बायें व दायें और बाघोला पहुँच मार्ग	3	0	3300	50%
	-उक्त-	जी०ए०मार्ग से बाया सुलेला से नारीनाला मार्ग कि०मी० 0-5 बायें व दायें	3	0	3300	52%
	-उक्त-	कुलदेहड़ा से सकरस पहुँच मार्ग कि०मी० 0-3 बायें व दायें	2	0	2200	50%

1	2	3	4	5	6	7
-उक्त-	रानिका से वाया आमका पहुँच मार्ग कि०मी० 0-3 बायें व दायें		1	0	1100	50%
-उक्त-	कुलजातपुर से वाया आमका पहुँच मार्ग कि०मी० 0-3 बायें व दायें		1	0	1100	50%
मरुस्थल नियन्त्रण ए-वागिकी	उजीना ड्रेन आर०डी० 43-49 बायें व दायें		13	0	14300	70%
सामान्य मिट्टी	घाटा बन्ध आर०डी० 0-टेल		0	5	1650	57%
सरकारी भूमि पर पट्टीदार पौधारोपण	रानिका-कुलताजपुर मार्ग कि०मी० 0-5.5 बायें व दायें		0	5	2500	70%
रिज पौधारोपण	कुलताजपुर-मोहलका पहुँच मार्ग कि०मी० 0-1		0	2	1000	70%
-उक्त-	कुलदेहडा-पटकपुर-जगशाली मार्ग कि०मी० 0-1 बायें व दायें		0	2	1000	70%
रिज पौधारोपण	जगशाली से कुलताजपुर मार्ग कि०मी० 0-1 बायें व दायें		0	2	1000	70%
-उक्त-	पुन्हाना-बड़ीखोटी मार्ग कि०मी० 16-20 बायें व दायें		0	5	2500	70%
-उक्त-	जी०ए० मार्ग-पटखोड़ी पहुँच मार्ग कि०मी० 0-2.5 बायें व दायें		0	4	2000	70%
सरकारी भूमि पर पट्टीदार पौधारोपण	महोली ड्रेन आर०डी० 0-टेल बायें व दायें		0	2	660	60%
सामान्य सॉयल	अगाँ बन्ध आर०डी० 0-टेल बायें व दायें		0	13	4290	55%
-उक्त-	फिरोजपुर अिरका से बीवन मार्ग कि०मी० 2-6 बायें व दायें		0	20	6600	65%
-उक्त-	अलीपुर तिगडा-रीघड पहुँच मार्ग कि०मी० 0-3.5 बायें व दायें		0	10	3300	56%
-उक्त-	घाटा बन्ध आर०डी० 0-टेल		0	7.5	2475	56%
-उक्त-	तिगोंब बन्ध आर०डी० 0-टेल		0	13.5	4455	55%
अन्तराल पौधारोपण	जी०ए० मार्ग कि०मी० 70-95.5 बायें व दायें		0	50	8300	75%
<b>योग</b>			<b>24</b>	<b>141</b>	<b>68130</b>	<b>63%</b>
2007-08	पी०एस० पट्टीदार पौधारोपण	जी०ए०मार्ग कि०मी० 84-95 बायें व दायें जी०ए०मार्ग कि०मी० 87-89 बायें व दायें	0	18	9000	मार्ग चौड़ा करने में नष्ट हो गए

[कैप्टन अजय सिंह यादव]

1	2	3	4	5	6	7
	पट्टीदार पौधारीपण	झीर बन्ध आर०डी० 0 से टेल	0	16	5280	60%
	एस०सी० पी०एस० मरुस्थल नियन्त्रण	रावली बन्ध आर०डी० 0 से टेल	12		13200	55%
	-उक्त-	कामेदा बन्ध आर०डी० 0 से टेल	0	40	13200	60%
	-उक्त-	बनारसी वितरिका	0	10	3300	60%
	-उक्त-	जी०ए० मार्ग से नगीना मार्ग	0	3	990	50%
	-उक्त-	जी०ए० मार्ग से हेबताका मार्ग	0	10	3300	मार्ग चौड़ा करने में नष्ट हो गए
	-उक्त-	जलालपुर से नाई नगला मार्ग	0	2	660	मार्ग चौड़ा करने में नष्ट हो गए
	-उक्त-	झीर बन्ध आर०डी० 0 से टेल	0	5	1650	50%
		<b>योग</b>	<b>12</b>	<b>104</b>	<b>50580</b>	<b>43%</b>
	सरकारी भूमि पर पट्टीदार पौधारीपण	भादसा-सिकरावा मार्ग और सुल्तानपुर पहुँच मार्ग	0	25	4150	मार्ग चौड़ा करने में नष्ट हो गए
	-उक्त-	अनाज मण्डी फिरोजपुर झिरका	0	30	4980	65%
	-उक्त-	सरकारी महाविद्यालय नगीना	0	11	1828	80%
	-उक्त-	कोटला बन्ध प्रथम आर०डी० 0 से टेल	0	21	6930	88%
	-उक्त-	मुण्डाका से सकरपुरी मार्ग	0	10	3300	65%
	-उक्त-	कोटला बन्ध द्वितीय (करहेड़ा मार्ग से नोटकी मार्ग तक)	0	31	10230	85%
	-उक्त-	रीघड़ बन्ध	13	0	14300	88%
	परिभ्रष्ट वनों का पुनर्वास	घागस पी/एल. नोटकी पी/एल. नंगल भुबारिकपुर	13	0	14300	88%
	मरुस्थल नियन्त्रण	कोटला बन्ध (रजाका पुल से उमर गाँव तक)	5	0	5500	70%
	-उक्त-	बनारसी वितरिका	0	15	4950	70%
	अरावली पहाड़ियों पर संस्थाओं का पुनर्स्थापन	भौंड पी/एल	73	0	14600	60%



1	2	3	4	5	6	7
	-उक्त-	घागस पी/एल	25	0	12500	90%
	-उक्त-	कन्साली पी/एल	5	0	2500	80%
	-उक्त-	नोटकी पी/एल	12	0	6000	80%
	अनुसूचित जाति गाँव में वानिकी गतिविधियाँ	पत्तन उदयपुर पहुँच मार्ग	0	6	996	65%
	बी-खण्ड पौधारोपण	पत्तन उदयपुर पी/एल	12	0	13200	60%
	-उक्त-	सरकारी विद्यालय पत्तन उदयपुर	0		50	50%
	वानिकी और कृषि वानिकी अनुसूचित जाति घटक	पत्तन उदयपुर	6		6000	65%
2009-10	सरकारी भूमि पर पट्टीदार पौधारोपण	नोटकी बन्ध आर०डी० 0 से टेल बायें व दायें	0	19	3154	70%
	-उक्त-	बसी खंजादा बन्ध	0	24	3984	85%
	-उक्त-	बघोला बन्ध	0	12	1992	85%
	-उक्त-	लाण्डवा नाला बनारसी	0	20	6600	85%
	-उक्त-	भोंड बन्ध आर०डी० 0 से टेल बायें व दायें	0	10	3300	50%
	-उक्त-	नोटकी पंचायत भूमि	10	0	11000	65%
	-उक्त-	अगों पंचायत भूमि	16	0	17600	85%
	-उक्त-	एस०डी०एम० कोर्ट सिविल लाईन मार्ग	0	3	498	75%
	अशकली पहाड़ियों पर संस्थाओं का पुनर्स्थापन	भोंड पंचायत भूमि	25	0	5000	60%
	-उक्त-	रंगाला पी० भूमि	0	0	0	89%
	-उक्त-	रंगाला राजपुर पी/एल	10	0	5000	55%
	अनुसूचित जाति गाँव में वानिकी गतिविधियाँ खण्ड पौधारोपण	पत्तन उदयपुर	25	0	27500	68%

[कैप्टन अजय सिंह सादर]

1	2	3	4	5	6	7
	2406/102/74 केन्द्रीय प्रायोजित सभेकित वन सुरक्षा	जी०ए० मार्ग कि०मी० 83 से 89 बायें व दायें	0	7.6	7600	60%
2010-11	सामाजिक और कृषि बानिकी	भाकदोजी सैक्शन 4 व 5	35		38500	80%
	सरकारी भूमि पर पट्टीदार पौधारोपण- टाल पौधारोपण	नगीना बन्ध ईदगाह	10	0	11000	75%
	सरकारी भूमि पर पट्टीदार पौधारोपण- सामान्य पौधारोपण	फिरोजपुर से बीवन मार्ग		35	11550	85%
	सरकारी भूमि पर पट्टीदार पौधारोपण- रिज पौधारोपण	फिरोजपुर से बीवन मार्ग		10	5000	85%
	अनुसूचित जाति गाँव में बानिकी गतिविधियाँ बी-खण्ड पौधारोपण आर डी एफ	पत्तन उदयपुर गाँव	3	0	3300	75%
	अनुसूचित जाति गाँव में बानिकी गतिविधियाँ सामुदायिक भूमि पौधारोपण	पत्तन उदयपुर गाँव	5		5500	75%
	अनुसूचित जाति गाँव में बानिकी गतिविधियाँ सी-कृषि बानिकी पौधारोपण	पत्तन उदयपुर गाँव	0	0	0	75%
	मरुस्थल नियन्त्रण पौधारोपण	घयान्या बन्ध	3		3300	90%
	पीएस सामाजिक और कृषि बानिकी	जाटका किसानों की भूमि	2	0	2000	80%
	-उक्त-	नाबली किसानों की भूमि	4	0	4000	80%
	-उक्त-	अहमद बास किसानों की भूमि	1	0	1000	84%
	-उक्त-	धामला किसानों की भूमि	0.80	0	800	85%

1	2	3	4	5	6	7
	-उक्त-	थेकड़ी किसानों की भूमि	1.20	0	1200	85%
	-उक्त-	रीघड़ किसानों की भूमि	3	0	3000	85%
	-उक्त-	अखनाका किसानों की भूमि	4	0	4000	85%
	प्रतिपूर्ति पौधारोपण स्कीम/रिज पौधारोपण	जी०ए० मार्ग	0	18	9000	80%
	-उक्त-	जी०ए० मार्ग	0	7	3500	80%
	-उक्त-	जी०ए० मार्ग	0	21	10500	80%
	-उक्त-	अलीपुर हबतका मार्ग	0	18	9000	78%
	-उक्त-	अलीपुर हबतका मार्ग	0	8	4000	60%
	-उक्त-	जी०ए० मार्ग	0	32.38	16196	85%
	-उक्त-	जी०ए० मार्ग	0	10.61	5305	85%
	प्रतिपूर्ति पौधारोपण स्कीम टाल पौधारोपण	जी०ए० मार्ग	0	12	3000	85%
	प्रतिपूर्ति पौधारोपण स्कीम टाल पौधारोपण	जी०ए० मार्ग	0	10.61	2663	85%
	पृथक काष्ठ धेराबन्दी के साथ 4 मीटर की दूरी पर टाल पौधे लगाना (250 पौधे प्रति आर के एम)	जी०ए० मार्ग बायें व दायें	0	14	3500	85%
	2 मीटर x 2 मीटर के अन्तर पर रिज पौधारोपण	जी०ए० मार्ग बायें व दायें	0	10	5000	80%
<b>योग</b>			<b>72</b>	<b>211.61</b>	<b>166633</b>	<b>81%</b>
<b>कुल योग</b>			<b>345</b>	<b>741.21</b>	<b>503783</b>	<b>71%</b>

## अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर

## Community Health Centre and Primary Health Centre in Julana

50. Shri Parminder Singh Dhull : Will the Health Minister be pleased to state—

- the total number of Community Health Centres (CHC) and Primary Health Centres (PHC) in Julana;
- the total number of Government Ayurvedic Dispensaries (GAD) in Julana; and
- the details of sanctioned posts pertaining to all categories in the above mentioned medical facilities together with the posts lying vacant along with criteria for opening a new medical facility / Centre in a village?

स्वास्थ्य मंत्री (राव नरेन्द्र सिंह) :

(क) एक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा चार प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र

(ख) छः

(ग) i) सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जुलाना

(ग) i) सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, जुलाना के अमले की स्थिति

क्र० सं०	पदनाम	नियुक्ति स्थान	स्वीकृत पद	भरे हुए पद	रिक्त पद
1	2	3	4	5	6
1	वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र	1	1	0
2	चिकित्सा अधिकारी	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र	2	2	0
3	दन्तक सर्जन	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र	1	1	0
4	शल्य चिकित्सा सहायक	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र	1	1	0
5	रेडियोग्राफर	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र	1	1	0
6	औषाधिकारक	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र	1	1	0
7	प्रयोगशाला तकनीशियन (सामान्य)	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र	1	1	0
8	प्रयोगशाला तकनीशियन (मलेरिया)	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र	2	2	0

1	2	3	4	5	6
9	पब्लिक हेल्थ नर्स	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र	1	1	0
10	स्टाफ नर्स	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र	6	6	0
11	नर्सिंग सिस्टर	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र	1	0	1
12	प्रशिक्षित दाई	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र	3	3	0
13	लेखाकार	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र	1	1	0
14	स्टेनो	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र	1	1	0
15	लिपिक	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र	2	1	1
16	कम्प्यूटर	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र	1	0	1
17	खण्ड विस्तार शिक्षक	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र	1	1	0
18	चालक	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र	2	0	2
19	माली	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र	1	1	0
20	धोबी	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र	1	1	0
21	आया	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र	1	1	0
22	स्वीपर	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र	3	2	1
23	चतुर्थ श्रेणी	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र	10	10	0
24	चौकीदार	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र	1	0	1
25	मलेरिया निरीक्षक	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र	1	1	0
26	सफाई निरीक्षक	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र	1	1	0
27	बहुउद्देशीय स्वास्थ्य निरीक्षक (पुरुष)	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र	1	1	0
28	बहुउद्देशीय स्वास्थ्य निरीक्षक (महिला)	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र	1	1	0
29	बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता (पुरुष)	उप-केन्द्र, जुलाना-I	1	1	0
		उप-केन्द्र, जुलाना-II	1	1	0
		उप-केन्द्र, शादीपुर-I	1	1	0
		उप-केन्द्र, पाली	1	1	0

[राव नरेन्द्र सिंह]

1	2	3	4	5	6
		उप-केन्द्र, किलाजफरगढ़	1	1	0
30	बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता (महिला)	उप-केन्द्र, जुलाना-I	1	1	0
		उप-केन्द्र, जुलाना-II	1	1	0
		उप-केन्द्र, शादीपुर-I	1	1	0
		उप-केन्द्र, पाली	1	1	0
		उप-केन्द्र, किलाजफरगढ़	1	1	0
		उप-केन्द्र, अकालगढ़	1	1	0

(ग) ii) प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, जे जैवन्ती के अमले की स्थिति

क्र० सं०	पद संज्ञा	नियुक्ति स्थान	स्वीकृत पद	भरे हुए पद	रिक्त पद
1	चिकित्सा अधिकारी	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, जे जैवन्ती	1	1	0
2	औषधकारक	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, जे जैवन्ती	1	1	0
3	प्रयोगशाला तकनीशियन (सामान्य)	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, जे जैवन्ती	1	1	0
4	स्वीपर	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, जे जैवन्ती	1	1	0
5	चतुर्थ श्रेणी	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, जे जैवन्ती	2	1	1
6	बहुउद्देशीय स्वास्थ्य निरीक्षक (पुरुष)	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, जे जैवन्ती	1	1	0
7	बहुउद्देशीय स्वास्थ्य निरीक्षक (महिला)	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, जे जैवन्ती	1	1	0
8	बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता (पुरुष)	उप-केन्द्र, जे जैवन्ती	1	1	0
		उप-केन्द्र, भक्ता खेड़ा	0	0	0

1	2	3	4	5	6
		उप-केन्द्र, खरैन्टी	0	0	0
		उप-केन्द्र, करेला	1	1	0
		उप-केन्द्र, मालवी	1	1	0
		उप-केन्द्र, दैरड	1	1	0
9	बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता (महिला)	उप-केन्द्र, जे जैवन्ती	1	1	0
		उप-केन्द्र, भक्ता खेडा	1	1	0
		उप-केन्द्र, खरैन्टी	1	1	0
		उप-केन्द्र, करेला	1	1	0
		उप-केन्द्र, मालवी	1	1	0
		उप-केन्द्र, दैरड	1	1	0

(ग) iii) प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, निडाना के अमले की स्थिति

क्र० सं०	पद संज्ञा	नियुक्ति स्थान	स्वीकृत पद	भरे हुए पद	रिक्त पद
1	चिकित्सा अधिकारी	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, निडाना	1	1	0
2	औषधारक	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, निडाना	1	1	0
3	प्रयोगशाला तकनीशियन (सामान्य)	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, निडाना	1	1	0
4	बहुउद्देशीय स्वास्थ्य निरीक्षक (पुरुष)	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, निडाना	1	1	0
5	बहुउद्देशीय स्वास्थ्य निरीक्षक (महिला)	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, निडाना	1	1	0
6	बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता (पुरुष)	उप-केन्द्र, निडाना	1	1	0
		उप-केन्द्र, लिजवाना कलां	1	1	0
		उप-केन्द्र, लिजवाना खुर्द	1	1	0
		उप-केन्द्र, सरसा खेडी	1	1	0

[राव नरेन्द्र सिंह]

1	2	3	4	5	6
		उप-केन्द्र, नन्दगढ़	1	1	0
		उप-केन्द्र, ढिगाना	0	0	0
7	बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता (महिला)	उप-केन्द्र, भिड़ाना	1	1	0
		उप-केन्द्र, लिजवाना कलां	1	1	0
		उप-केन्द्र, लिजवाना खुर्द	1	1	0
		उप-केन्द्र, सरसा खेड़ी	1	1	0
		उप-केन्द्र, नन्दगढ़	1	1	0
		उप-केन्द्र, ढिगाना	1	1	0

(ग) iv) प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, शामिल कलां के अमले की स्थिति

क्र० सं०	पद संज्ञा	नियुक्ति स्थान	स्थीकृत पद	भरे हुए पद	रिक्त पद
1	विकित्सा अधिकारी	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, शामिल कलां	1	1	0
2	दन्तक सर्जन	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, शामिल कलां	1	1	0
3	औषधकारक	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, शामिल कलां	0	0	0
4	प्रयोगशाला तकनीशियन (सामान्य)	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, शामिल कलां	0	0	0
5	स्वीपर	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, शामिल कलां	1	0	1
6	चतुर्थ श्रेणी	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, शामिल कलां	1	1	0
7	बहुउद्देशीय स्वास्थ्य निरीक्षक (पुरुष)	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, शामिल कलां	1	1	0
8	बहुउद्देशीय स्वास्थ्य निरीक्षक (महिला)	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, शामिल कलां	1	1	0
9	बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता (पुरुष)	उप-केन्द्र, शामिल कलां	1	1	0



1	2	3	4	5	6
		उप-केन्द्र, गतौली	1	1	0
		उप-केन्द्र, गौसाई खेड़ा	0	0	0
		उप-केन्द्र, किनाना	1	1	0
		उप-केन्द्र, बुआना	1	1	0
		उप-केन्द्र, करसोला	1	1	0
10	बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता (महिला)	उप-केन्द्र, शामलो कलां	1	1	0
		उप-केन्द्र, गतौली	1	1	0
		उप-केन्द्र, गौसाई खेड़ा	1	1	0
		उप-केन्द्र, किनाना	1	1	0
		उप-केन्द्र, बुआना	1	1	0
		उप-केन्द्र, करसोला	1	1	0

(ग) iv) प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, शामलो कलां के अमले की स्थिति

क्र० सं०	सरकारी आयुर्वेदिक अधिकारी	आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी			औषधारक			प्रशिक्षित दाई		
		स्वीकृत पद	भरे हुए पद	रिक्त पद	स्वीकृत पद	भरे हुए पद	रिक्त पद	स्वीकृत पद	भरे हुए पद	रिक्त पद
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जुलाना (आयुष विंग)	1	1	0	1	1	0	0	0	0
2	आयुर्वेदिक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र ए०पी०एस०के०, लिजवाना खुर्द	2	2	0	1	1	0	1	1	0

[राव नरेन्द्र सिंह]

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
3	सरकारी आयुर्वेदिक औषधालय, लिजवाना कलां	1	0	1	1	1	0	1	1	0
4	सरकारी आयुर्वेदिक औषधालय, मालवी	1	1	0	1	1	0	1	1	0
5	सरकारी आयुर्वेदिक औषधालय, करेला	1	0	1	1	1	0	1	1	0
6	सरकारी आयुर्वेदिक औषधालय, पाली	1	1	0	1	1	0	1	1	0

(ग) vi) एक नए चिकित्सा केन्द्र खोलने बारे मानवण्ड

- 1 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र 100000 से अधिक जनसंख्या पर
- 2 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र 30000 से अधिक जनसंख्या पर
- 3 उप केन्द्र 5000 से अधिक जनसंख्या पर

#### University Grants Commission Regulations

58 Smt. Kavita Jain : Will the Education Minister be pleased to state:—

- (a) whether the University Grants Commission Regulation on minimum qualification for appointment of teachers and other academic staff in University and Colleges and measures for maintenance of standards in Higher Education 2010 have been implemented in all Universities and Colleges in Haryana;
- (b) if not, the time by which the aforesaid regulations are likely to be implemented?

शिक्षा मंत्री (श्रीमती गीता भुक्कल मातनहेल) :

(क) नहीं, श्रीमान् जी।

(ख) यह मामला सरकार के विचाराधीन है तथा इसमें शीघ्र ही उपयुक्त निर्णय ले लिया जाएगा।

**Storage of Rooms in Government College, Gohana**

**63 Shri Jagbir Singh Malik :** Will the Education Minister be pleased to state:—

- (a) whether it is a fact that some portion of the buildings of girls wing of Government College, Gohana is lying vacant while on the other side the boys wing of that College has not sufficient class rooms; if so, whether there is any proposal under consideration of the Government to shift the boys wing out of Gohana City; and
- (b) whether it is a fact that there is no ground for students of Government College, Gohana for holding annual athletics meets; if so, the action being taken in this regard ?

**शिक्षा मंत्री (श्रीमती गीता भुक्कल मातनहेल) :**

(क) हां, श्रीमान् जी।

वर्तमान में महाविद्यालय भवन को गोहाना शहर से बाहर स्थानान्तरित करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

(ख) हाँ, श्रीमान् जी।

वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता का आयोजन चौ० देवीलाल भिनी स्टेडियम गोहाना में किया जाता है जो कि सरकार की ही सम्पत्ति है तथा महाविद्यालय से 500 किलोमीटर की दूरी पर पड़ता है।

**Number of Persons Getting Old Age Pension**

**75 Shri Anil Vij:** Will the Social Justice & Empowerment Minister be pleased to state the district wise number of male and female persons getting Old Age Pension in the State as on 1st January, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010 and 2011 respectively?

**शिक्षा मंत्री (श्रीमती गीता भुक्कल मातनहेल) :** राज्य में जिलेवार एवं वर्षवार वृद्धावस्था पेंशन प्राप्त कर रहे पुरुषों एवं महिलाओं की संख्या निम्न प्रकार है:—

वर्ष	पुरुष	महिला
1 जनवरी, 2005	5,29,997	4,60,623
1 जनवरी, 2006	5,09,839	4,42,929
1 जनवरी, 2007	5,66,804	4,97,150
1 जनवरी, 2008	5,38,514	4,70,637
1 जनवरी, 2009	6,01,385	5,33,297
1 जनवरी, 2010	6,62,001	5,90,698
1 जनवरी, 2011	7,25,929	6,71,356

### To set up New Power Houses

**69 Shri Krishan Lal Panwar:** Will the Power Minister be pleased to state:—

- whether there is any proposal under consideration of the Government to set up a new 220 K.V. Power House in village Bijawa of Panipat; if so, the time by which the aforesaid Power House is likely to be set up; and
- whether there is any proposal under consideration of the Government to set up a new 132 KV Power House in village Seenk of Panipat; if so, the time by which the aforesaid Power House is likely to be set up?

बिजली मंत्री (श्री महेन्द्र प्रताप सिंह) :

- हां, श्रीमान, जिला पानीपत के गांव बिजावा में 1x100 एमवीए 220/132 केवी+1x100 एमवीए 220/33 केवी की क्षमता वाले ट्रांसफार्मर सहित एक नए 220केवी उपकेन्द्र का निर्माण करने का कार्य स्वीकृत है। यह उपकेन्द्र मार्च 2013 तक चालू होना सम्भावित है।
- जिला पानीपत के गांव सींक में 2x20/25 एमवीए, 132/33 केवी की क्षमता वाले ट्रांसफार्मर सहित एक नए 132 केवी उपकेन्द्र का निर्माण करने का कार्य स्वीकृत है। यह उपकेन्द्र मार्च 2013 तक चालू होना सम्भावित है।

### PHC at Badhra and Harodi

**64 Col. Raghbir Singh:** Will the Health Minister be pleased to state:—

- the reason for which the PHC of Badhra and PHC of Harodi in District Bhiwani have not been started so far inspite of the fact that their buildings have been constructed 2 years ago; and
- the time by which the above said PHC's are likely to start functioning?

स्वास्थ्य मंत्री (राव नरेन्द्र सिंह) :

(क) और (ख) प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र ग्राम बाढड़ा ने 1 मार्च, 2011 से अपने नये भवन में कार्य शुरू कर दिया है। जहां तक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र ग्राम हड़ौदी का सम्बन्ध है, के भवन का सिविल कार्य पूरा हो चुका है, परन्तु सीवरेज कनेक्शन, पानी एवं बिजली कनेक्शन का कार्य अभी किया जाना है। इस भवन को सही हालत में टेकओवर करने के शीघ्र उपरान्त कार्य प्रारम्भ कर दिया जायेगा।

### Construction of CHC at village Obra

**67 Master Dharmpal Obra:** Will the Health Minister be pleased to state:—

- whether it is a fact that the construction work on the proposed Community Health Centre has not been started in village Obra of District Bhiwani

despite the fact that land has been provided by the village Panchayat for this purpose; and

- (b) if so, the time by which the construction work of the aforesaid Community Health Centre is likely to be started?

स्वस्थ डंती (ररव नरेनूडर सलह) :

(क) ऑी, श्रीडरन।

(ख) इस सडड डी डुरसुतर नही है।

#### Criteria for an Ideal village

**51 Ch. Parminder Singh Dhull:** Will the Chief Minister be pleased to state the criteria being adopted by the Government for a village to be declared an Ideal village?

डुख डंती (श्री डुडुनूडर सलह डुडुडर) : श्रीडरन ऑी, ररजुड डें डररुडु डु आडरुश डररुव डुडुडर करनू डे ललर न डु डु डरनडणुड और न ही डु डु डुडुनर है।

#### Repair of Roads by Panchayati Raj Department

**76 Shri Anil Vij:** Will the Chief Minister be pleased to state the District-wise and Constituency-wise amount spent on the repair of the roads and construction of new roads by Panchayati Raj Department, Haryana from 1st April, 2005 till date year-wise?

डुख डंती (श्री डुडुनूडर सलह डुडुडर) : श्रीडरन ऑी, डरकस ँव डुडुडरत डरडरग, हररडरणर डुररर 1 अडुरैल, 2005 से आऑ डक डरुडरर हररडरणर ररजुड सडुक ँव डुल डरकस डरगड लरनरडरड डे डरधुड से सडुकु डु डरडुडत तथर नई सडुकु डे डरडरण डर डरलरडरर खरुड डु डर शरश डर डुडुरर अनुडनुड-क डर है।



1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
12.	पलवल	0	0.07	0	265.12	0	5.18	0	4.49	0	0	0	0	0	274.86
13.	फरीदाबाद	0	0	0	136.76	0	140.86	0	14.24	0	0	0	0	0	291.86
14.	मेवात	0	0	0	197.16	0	0	0	0	0	0	0	0	0	197.16
15.	रेवाड़ी	0	0	0	297.14	0	65.89	0	0	0	0	146.1	0	146.1	362.82
16.	करनाल	0	0	0	98.98	0	330.69	0	0	0	0	0	0	0	429.66
17.	पानीपत	0	0	20.55	334.21	47.2	66.7	11.5	0.35	10.2	0.05	0	0	0	401.3
18.	रोहतक	0	0	0	26.4	5.15	83.16	1.26	832.17	1546.65	331.54	447.41	0	1909.21	1274.53
19.	कैथल	0	0	0	80.68	0	337.37	362.16	68.89	24.15	0	64.57	0	450.86	486.74
20.	जीन्द	0	0	0	419.67	0	29.81	0	0	0	0	0	0	0	449.48
21.	सिरसा	0	0	0	194.69	11.24	241.99	2.07	55.62	50.07	46.04	23.13	0	84.49	540.35
	कुल	0	0.36	336.6	4428.27	658.44	2363.51	1274.6	1335.88	1620.74	470.11	807	9.34	4894.39	8600.66

इसके अतिरिक्त 82.70 लाख रुपये वर्ष 2010 में काहनीर बाईपास के लिए भूमि अधिग्रहण करने पर तथा 1985 लाख रुपये वर्ष 2007 (475 लाख रुपये), 2008 (1299 लाख रुपये), 2009 (27 लाख रुपये) तथा 2010 में (84 लाख रुपये) जीन्द में (जीन्द-नोहाना सड़क से जीन्द-खोसी सड़क तथा मौजूदा बाईपास से जीन्द-नोहाना सड़क तक) बाईपास के निर्माण पर खर्च किये गये हैं।

### Construction of Road

**60 Shri Krishan Lal Panwar:** Will the PWD (B&R) Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a new road from village Urala Kalan to village Chhichhrana of Panipat under the "Pradhan Mantri Gramin Sadak Yojna"; if so, the time by which the aforesaid road is likely to be constructed?

लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : नहीं श्रीमान जी।

### Connecting the Dhanies with City Line

**65 Col. Raghbir Singh:** Will the Power Minister be pleased to state the reasons as to whether the work connecting the Dhanies with city line of electricity has not been started so far in Badhra Assembly Constituency together-with the time by which the aforesaid Dhanies are likely to be connected with city line of Electricity?

बिजली मंत्री (श्री महेन्द्र प्रताप सिंह) : श्रीमान, राज्य में कृषि (ए.पी.) फीडरों पर पड़ने वाली ढाणियों को सिटी लाइन (फीडर) के साथ जोड़ने के लिए सरकार का कोई प्रस्ताव नहीं है इसलिए, बाढ़ड़ा निर्वाचन क्षेत्र में बिजली की सिटी लाइन के साथ ढाणियों को जोड़ने का कार्य प्रारम्भ नहीं किया गया है।

### Construction of Platform in Grain Market at Bahal

**68 Master Dharampal Obra:** Will the Agriculture Minister be pleased to state:—

- whether it is a fact that platforms have not been constructed so far by the Agriculture Marketing Board in the Grain Market of village Bahal of District Bhiwani and the basic facilities like electricity, water and sewerage etc. have also not been provided; and
- if so, the time by which the above said platforms are likely to be constructed and the facilities of electricity, water and sewerage system will be provided?

कृषि मंत्री (सरदार परमवीर सिंह) :

(क) जी नहीं श्रीमान।

अनाज मण्डी बहल में 4 व्यक्तिगत प्लेटफार्म तथा 4 सामान्य प्लेटफार्म वर्ष 1981-82 में डब्ल्यू०बी०एम०(वाटर ब्राउंड मेकेडम) स्तर तक बना दिये गये थे। अब विभाग द्वारा 4 व्यक्तिगत प्लेटफार्मों पर सीमेंट कंक्रीट डालने के लिए 82,08,000/- रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान कर दी है और कार्य पहले ही आरंभित किया जा चुका है। इस मण्डी में एक छोटा टावर लाईट और सर्विस रोड पर प्रकाश व्यवस्था का कार्य पहले भी किया जा चुका है। नलकूप आधारित पानी वितरण की सुविधा पहले ही 7,86,455/- रुपये खर्च



करके प्रदान कर दी गई है। इस मण्डी में सीवरेज व्यवस्था प्रदान करने के लिए 18,70,000/- रुपये की लागत का अनुमान तैयार किया जा रहा है।

- (ख) चारों व्यक्तिगत प्लेटफार्मों पर सीमेंट कंक्रीट डालने का कार्य 4 महीने में पूरा कर लिये जाने की संभावना है। मार्केट कमेटी बहल की आय और आमद बहुत कम है, इसको ध्यान में रखते हुए 4 सामान्य प्लेटफार्मों पर सीमेंट कंक्रीट डालने का कार्य अगले वित्त वर्ष में कराया जाना प्रस्तावित है। पानी तथा बिजली की सुविधाएं पहले से ही उपलब्ध करा दी गई है। यदि धनराशि की उपलब्धता हुई तो सीवरेज व्यवस्था का कार्य भी अगले वित्त वर्ष में करा दिया जाएगा।

### Extension of National Capital Region in Haryana

**52 Ch. Parminder Singh Dhull:** Will the Minister of State for Urban Local Bodies be pleased to state:—

- the area of Haryana which falls within the limits of National Capital Region;
- The present limit of National Capital Region in Haryana
- whether the limit referred in the part(a) above can be extended in the public Interest; and
- whether the said issue comes under the preview of Government of Haryana?

**मुख्य मंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) :**

(क) एवं (ख) : राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की अधिसूचित क्षेत्रीय योजना-2021 के अनुसार हरियाणा के पानीपत, सोनीपत, झज्जर, रोहतक, रेवाड़ी, गुडगांव, मेवात, फरीदाबाद एवं पलवल जिलों के क्षेत्र, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की परिधि में आते हैं।

(ग) एवं (घ) : राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड अधिनियम-1985 की धारा-2 (एफ.) के अनुसार केन्द्र सरकार, भागीदार राज्य सरकारों की सहमति तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड से परामर्श अनुसार, अधिकारिक राजपत्र में अधिसूचना द्वारा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की स्वीकृति अनुसूची में क्षेत्रों को सम्मिलित अथवा अलग कर सकती है।

### Repair of Roads by HSAMB

**77 Shri Anil Vij:** Will the Agriculture Minister be pleased to state District-wise and Constituency-wise amount spent on the repair of the roads and construction of new roads by the Haryana State Agriculture Marketing Board from 1st April, 2005 till date year-wise?

**कृषि मंत्री (सरदार परमवीर सिंह) :** श्रीमान जी, हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड द्वारा 1 अप्रैल, 2005 से आज तक सड़कों की मरम्मत व नई सड़कों के निर्माण पर खर्च की गई राशि का जिलावार व विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रवार विवरण अनुबन्ध क व ख पर दिया गया है।

[सरदार परमवीर सिंह]

## अनुबन्ध 'क'

1-4-2005 से 31-01-2011 तक सड़कों की मरम्मत पर खर्च की गई राशि

खर्च की गई राशि (रुपये लाखों में)

जिला	निर्वाचन क्षेत्र	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10	2010-2011 upto 31-01-2011	कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9
पंचकूला	पंचकूला	0.00	12.87	2.50	14.63	13.11	11.53	54.64
	कालका	17.59	29.97	1.63	21.30	63.03	120.81	254.33
	<b>कुल</b>	<b>17.59</b>	<b>42.84</b>	<b>4.13</b>	<b>35.93</b>	<b>76.14</b>	<b>132.34</b>	<b>308.97</b>
अम्बाला	अम्बाला कैट	38.60	11.78	1.19	0.18	26.38	16.82	94.95
	अम्बाला शहर	34.10	7.80	28.81	16.51	146.76	49.90	283.88
	नारायणगढ़	27.69	45.71	7.23	58.03	105.35	81.23	325.24
	भुलाना	52.66	66.53	1.21	46.11	62.07	149.76	378.34
	<b>कुल</b>	<b>153.05</b>	<b>131.82</b>	<b>38.44</b>	<b>120.83</b>	<b>340.56</b>	<b>297.71</b>	<b>1082.41</b>
कुरुक्षेत्र	लाडवा	55.37	50.58	152.81	282.10	253.80	201.79	996.45
	शाहबाद	23.51	32.59	140.11	147.64	34.97	179.33	558.15
	धाभेसर	17.02	5.65	51.76	198.54	245.18	254.81	772.96
	पेहवा	119.26	62.39	143.44	412.85	14.85	16.62	769.41
	<b>कुल</b>	<b>215.16</b>	<b>151.21</b>	<b>488.12</b>	<b>1041.13</b>	<b>548.80</b>	<b>652.55</b>	<b>3096.97</b>
शमुनानगर	सदौरा	37.17	91.63	33.00	31.75	132.43	153.95	479.93
	जगाधरी	4.72	24.18	11.25	1.43	13.46	3.20	58.24
	रादौर	26.03	76.23	0.59	54.55	92.39	106.36	356.15
	शमुनानगर	2.06	46.02	18.20	24.46	18.08	1.98	110.80
	<b>कुल</b>	<b>69.98</b>	<b>238.06</b>	<b>63.04</b>	<b>112.19</b>	<b>256.36</b>	<b>265.49</b>	<b>1005.12</b>
करनाल	करनाल	21.90	68.92	246.50	142.48	23.30	8.29	511.39
	नीलोखेड़ी	132.30	94.29	39.06	135.38	109.53	0.70	511.26
	इन्दी	4.04	51.28	92.60	288.62	48.51	58.29	543.34

1	2	3	4	5	6	7	8	9
	असन्ध	0.41	5.79	162.19	128.12	148.22	40.88	485.61
	घरौंडा	30.57	27.68	116.54	186.20	327.42	48.68	737.09
	<b>कुल</b>	<b>189.22</b>	<b>247.96</b>	<b>656.89</b>	<b>880.80</b>	<b>656.98</b>	<b>156.84</b>	<b>2788.69</b>
जीन्द	जीन्द	15.58	156.41	244.96	34.39	145.46	84.57	681.37
	उचाणा	3.61	11.10	9.78	36.87	53.52	32.82	147.70
	सफीधौ	47.35	2.50	202.61	122.41	153.08	146.14	674.09
	नरवाणा	31.52	158.22	96.94	98.24	324.24	15.09	724.25
	जुलाना	15.33	6.97	62.62	5.52	56.33	4.06	150.83
	<b>कुल</b>	<b>113.39</b>	<b>335.20</b>	<b>616.91</b>	<b>297.43</b>	<b>732.63</b>	<b>282.68</b>	<b>2378.24</b>
कैथल	कैथल	105.55	81.49	218.47	107.14	56.85	4.42	573.92
	गुहला	95.04	70.85	112.53	45.80	77.77	11.98	413.97
	कलाथल	26.15	112.97	108.55	114.73	133.64	3.69	499.73
	पुण्डरी	35.53	52.69	119.81	88.18	57.12	13.57	366.90
	<b>कुल</b>	<b>262.27</b>	<b>318.00</b>	<b>559.36</b>	<b>355.85</b>	<b>325.38</b>	<b>33.66</b>	<b>1854.52</b>
पानीपत	ईसराना	32.58	14.01	31.15	121.67	82.69	0.00	282.10
	पानीपत रुरल	59.05	96.63	2.23	124.88	87.22	0.00	370.01
	पानीपत शहरी	30.97	0.00	59.96	0.00	0.00	0.00	90.93
	समालखा	68.09	0.00	27.04	92.69	114.51	0.00	302.33
	<b>कुल</b>	<b>190.69</b>	<b>110.64</b>	<b>120.38</b>	<b>339.24</b>	<b>284.42</b>	<b>0.00</b>	<b>1045.37</b>
रोहतक	गढ़ी सांपला फिलोई	50.65	43.43	183.02	258.63	142.88	30.57	709.18
	रोहतक	13.50	76.74	5.93	34.13	197.27	3.52	331.09
	कलानौर	8.53	0.00	81.05	436.93	1187.02	351.44	2064.97
	महम	17.36	77.90	58.20	249.98	42.94	88.09	554.47
	<b>कुल</b>	<b>90.04</b>	<b>198.07</b>	<b>328.20</b>	<b>979.67</b>	<b>1570.11</b>	<b>473.62</b>	<b>3639.71</b>
सोनीपत	सोनीपत	3.15	0.08	0.71	0.00	0.00	0.00	3.94
	खरखीदा	56.81	33.93	0.39	72.70	4.21	0.00	168.04
	शई	19.30	0.00	0.00	45.65	148.31	50.78	264.04

[सरदार परमवीर सिंह]

1	2	3	4	5	6	7	8	9
	गन्नीर	15.27	0.00	178.90	0.00	383.32	105.78	683.27
	शोहाना	34.70	1.63	42.40	39.77	215.54	27.12	361.16
	बरोदा	56.93	2.66	19.16	134.67	273.60	89.46	576.48
	<b>कुल</b>	<b>186.16</b>	<b>38.30</b>	<b>241.56</b>	<b>292.79</b>	<b>1024.98</b>	<b>273.14</b>	<b>2056.93</b>
झज्जर	झज्जर	4.37	4.80	14.13	173.20	173.34	125.34	495.18
	बेरी	13.87	3.69	0.00	204.05	146.18	61.14	428.93
	बादली	8.93	19.60	0.00	394.72	252.61	129.76	805.62
	बहादुरगढ़	22.23	12.50	14.74	81.12	61.92	21.59	214.10
	<b>कुल</b>	<b>49.40</b>	<b>40.59</b>	<b>28.87</b>	<b>853.09</b>	<b>634.05</b>	<b>337.83</b>	<b>1943.83</b>
हिसार	हिसार	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	आदमपुर	19.60	161.54	42.15	0.00	154.28	0.00	377.57
	बरवाला	0.00	11.15	33.57	0.00	154.60	0.00	199.32
	हांसी	0.00	12.79	116.61	0.00	98.70	0.00	228.10
	नलवा	114.24	0.00	57.58	0.00	146.41	0.00	318.23
	नारनींद	17.72	31.50	70.42	0.00	189.20	0.00	308.84
	उकलाना	0.00	67.61	4.58	0.00	311.48	18.35	402.02
	<b>कुल</b>	<b>151.56</b>	<b>284.59</b>	<b>324.91</b>	<b>0.00</b>	<b>1054.67</b>	<b>18.35</b>	<b>1834.08</b>
फतेहाबाद	फतेहाबाद	88.06	120.63	86.62	232.30	154.03	132.06	813.70
	रतिया	46.39	163.15	124.85	168.22	804.80	257.46	1564.87
	टोहाना	39.33	98.18	280.01	167.94	696.47	399.08	1681.01
	<b>कुल</b>	<b>173.78</b>	<b>381.96</b>	<b>491.48</b>	<b>568.46</b>	<b>1655.30</b>	<b>788.60</b>	<b>4059.58</b>
सिरसा	सिरसा	65.96	142.67	12.44	9.47	82.74	54.88	368.16
	ऐलनाबाद	7.31	96.80	119.28	88.11	452.80	440.96	1200.26
	डबवाली	30.54	68.74	81.41	236.67	245.40	28.75	691.51
	कालांवाली	15.67	56.02	158.26	89.43	528.05	179.72	1027.15
	राभिया	29.36	82.60	148.33	82.42	355.05	178.39	876.15
	<b>कुल</b>	<b>143.84</b>	<b>446.83</b>	<b>519.72</b>	<b>506.10</b>	<b>1664.04</b>	<b>882.70</b>	<b>4163.23</b>

1	2	3	4	5	6	7	8	9
भिवानी	भिवानी	54.50	61.69	107.53	63.82	152.08	30.13	469.75
	बाढडा	20.00	23.39	32.96	4.07	0.16	1.37	81.95
	भवानी खेडा	0.21	81.26	25.00	12.23	76.22	109.25	304.17
	चरखी दादरी	5.11	63.50	104.30	11.29	0.04	15.30	199.54
	लोहाक	2.09	45.12	17.02	55.68	42.59	57.36	219.86
	तोशाम	7.25	71.19	46.93	57.15	105.36	42.29	330.17
	कुल	89.16	346.15	333.74	204.24	376.45	255.70	1605.44
गुडगांव	गुडगांव फरुख- नगर	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	पटोदी	0.50	19.11	84.28	16.28	3.97	35.66	159.80
	बादशाहपुर	6.02	19.49	133.50	183.06	0.26	0.26	342.59
	सोहना	16.33	2.86	241.07	203.85	25.62	1.09	73.43
	कुल	22.85	41.46	461.85	490.24	29.85	37.01	575.82
मेवात	पुन्हागा	1.32	9.62	4.04	4.04	20.90	10.69	53.73
	मूह	5.61	39.46	17.68	40.23	193.30	74.98	431.26
	फिरोजपुर झिरका	0.07	2.22	4.45	0.78	53.90	0.00	64.42
	कुल	7.00	51.30	89.17	48.17	268.10	85.67	549.41
फरीदाबाद	फरीदाबाद	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	एन०आई०टी० फरीदाबाद	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	बडखल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	31.55	31.55
	तिगांव	0.00	94.32	8.05	21.61	9.30	11.52	144.80
	बल्लबगढ़	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	कुल	0.00	94.32	8.05	21.61	9.30	43.07	176.35
पलवल	होडल	0.00	56.50	73.99	156.07	35.50	34.88	356.94
	पृथला	0.00	132.72	183.94	184.99	37.14	19.05	557.84
	हथीन	0.00	65.32	0.00	177.07	27.15	32.00	301.54
	पलवल	0.00	94.54	31.57	121.43	28.22	37.91	313.67
	कुल	0.00	349.08	289.50	639.56	128.01	123.84	1529.99

## [सरदार परमवीर सिंह]

1	2	3	4	5	6	7	8	9
रिवाड़ी	रिवाड़ी	3.97	25.39	44.25	16.03	27.79	0.00	117.43
	कोसली	0.00	108.03	41.73	29.25	60.56	0.00	239.57
	बावल	2.49	51.22	31.52	9.25	0.00	0.00	94.48
	<b>कुल</b>	<b>6.46</b>	<b>184.64</b>	<b>117.50</b>	<b>54.53</b>	<b>88.35</b>	<b>0.00</b>	<b>451.48</b>
महेन्द्रगढ़	महेन्द्रगढ़	0.00	1.36	9.26	64.29	68.51	0.00	143.42
	नारनौल	0.00	11.00	0.31	0.00	1.18	0.00	12.49
	अटेली	0.32	47.10	7.01	0.00	0.26	2.37	57.06
	नांगल चौधरी	0.00	12.36	25.51	0.00	0.00	0.00	37.87
	<b>कुल</b>	<b>0.32</b>	<b>71.82</b>	<b>42.09</b>	<b>64.29</b>	<b>69.95</b>	<b>2.37</b>	<b>250.84</b>

अनुबन्ध 'ख'

1-4-2005 से 31-01-2011 तक सड़कों के निर्माण पर खर्च की गई राशि  
खर्च की गई राशि (रुपये लाखों में)

जिला	निर्वाचन क्षेत्र	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10	2010-2011 upto 31-01-2011	कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9
पंथकूला	पंथकूला	0.00	0.00	0.00	0.00	10.89	3.23	14.12
	कालका	6.90	0.92	0.00	50.32	29.50	87.27	174.91
	<b>कुल</b>	<b>6.90</b>	<b>0.92</b>	<b>0.00</b>	<b>50.32</b>	<b>40.39</b>	<b>90.50</b>	<b>189.03</b>
अम्बाला	अम्बाला कैंट	81.22	71.20	50.60	22.08	58.15	20.69	303.94
	अम्बाला शहर	38.71	12.30	13.58	1.60	16.22	2.15	84.56
	नारायणगढ़	32.95	22.62	28.78	39.14	87.05	17.39	227.93
	मुलाना	59.29	98.85	214.22	99.75	49.09	5.03	526.23
	<b>कुल</b>	<b>212.17</b>	<b>204.97</b>	<b>307.18</b>	<b>162.57</b>	<b>210.51</b>	<b>45.26</b>	<b>1142.66</b>
कुरूक्षेत्र	लाडवा	19.69	0.00	25.75	40.48	12.88	0.00	98.80
	शाहबाद	50.25	78.59	82.79	69.64	20.23	18.57	320.07
	थानेसर	25.21	24.10	86.95	109.12	36.86	0.00	282.24
	पेहवा	0.00	116.76	240.38	282.16	232.59	133.49	1005.38
	<b>कुल</b>	<b>95.15</b>	<b>219.45</b>	<b>435.87</b>	<b>501.40</b>	<b>302.56</b>	<b>152.06</b>	<b>1706.49</b>
यमुनानगर	सढौरा	99.19	39.84	15.08	56.14	63.57	24.30	298.12
	जगाधरी	102.12	36.45	21.48	82.45	34.38	33.70	310.58
	रादौर	69.32	28.38	20.01	61.31	53.06	4.90	236.98
	यमुनानगर	4.48	6.32	0.00	11.58	10.53	3.95	36.861
	<b>कुल</b>	<b>275.11</b>	<b>110.99</b>	<b>56.57</b>	<b>211.48</b>	<b>161.54</b>	<b>66.85</b>	<b>882.54</b>
करनाल	करनाल	0.00	0.04	14.24	21.14	7.36	0.00	42.78
	भिलौखेड़ी	27.64	67.76	194.46	164.88	43.72	0.00	498.46
	इन्त्री	1.32	23.59	13.65	158.71	126.21	69.92	393.40
	असन्ध	4.32	15.87	52.16	288.61	238.11	80.33	679.40

## [सखरदार परमवीर सिंह]

1	2	3	4	5	6	7	8	9
	घरौंडा	0.15	24.44	41.41	158.48	53.63	19.29	297.40
	<b>कुल</b>	<b>33.43</b>	<b>131.70</b>	<b>315.92</b>	<b>791.82</b>	<b>469.03</b>	<b>169.54</b>	<b>1911.44</b>
जीन्द	जीन्द	5.13	46.11	65.22	69.72	80.93	0.00	267.11
	उबाना	43.15	26.59	61.86	421.14	217.34	68.30	838.38
	सफीदों	11.33	43.67	49.74	183.10	216.11	119.84	623.79
	नरवाना	29.44	41.74	159.75	69.35	51.28	0.00	351.56
	झुलाना	2.70	0.00	28.37	208.91	286.12	72.04	598.14
	<b>कुल</b>	<b>91.75</b>	<b>158.11</b>	<b>364.94</b>	<b>952.22</b>	<b>851.78</b>	<b>260.18</b>	<b>2678.98</b>
केथल	केथल	62.44	44.01	156.34	142.49	89.48	9.16	503.92
	गुहला	85.88	3.35	137.53	197.41	262.34	30.16	716.67
	कलायत	81.50	120.82	222.26	178.09	150.28	35.26	788.21
	पूण्डरी	142.47	85.95	113.63	99.34	88.74	10.16	540.29
	<b>कुल</b>	<b>372.29</b>	<b>254.13</b>	<b>629.76</b>	<b>617.33</b>	<b>590.84</b>	<b>84.74</b>	<b>2549.09</b>
पानीपत	ईसराणा	15.62	17.73	35.14	51.02	93.02	15.51	228.04
	पानीपत रुरल	26.84	59.55	170.47	139.93	220.40	35.22	652.41
	पानीपत शहरी							
	शमालखा	47.61	31.48	76.80	157.93	70.64	34.86	419.32
	<b>कुल</b>	<b>90.07</b>	<b>108.76</b>	<b>282.41</b>	<b>348.88</b>	<b>384.06</b>	<b>85.59</b>	<b>1299.77</b>
रोहतक	गढ़ी सांपला	54.24	442.46	360.92	225.90	134.37	45.85	1263.74
	किलोई							
	रोहतक	0.86	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	कलानौर	0.86	132.34	213.31	328.91	545.94	251.59	1472.95
	महम	6.75	158.22	261.59	211.26	231.87	114.69	984.38
	<b>कुल</b>	<b>61.85</b>	<b>733.02</b>	<b>835.82</b>	<b>766.07</b>	<b>912.18</b>	<b>412.13</b>	<b>3721.07</b>
सोनीपत	सोनीपत	0.00	18.55	0.95	23.09	0.00	0.00	42.59
	खरखोधा	8.31	34.14	75.36	64.86	222.97	55.92	461.56
	राई	35.38	65.86	29.55	15.64	94.52	40.86	281.81
	शम्नौर	59.98	68.33	88.88	42.73	260.15	41.41	561.48
	गोहाना	17.90	1.47	1.45	132.28	0.00	23.00	176.10



1	2	3	4	5	6	7	8	9
	बरीदा	20.43	56.20	21.28	41.09	0.00	133.84	272.84
	<b>कुल</b>	<b>142.00</b>	<b>244.55</b>	<b>217.47</b>	<b>319.69</b>	<b>577.64</b>	<b>295.03</b>	<b>1796.38</b>
झज्जर	झज्जर	82.21	206.87	198.04	359.84	568.941	148.76	1564.66
	बेरी	34.68	0.24	223.12	193.26	447.43	98.34	997.07
	धादली	15.40	138.21	396.62	843.60	515.27	266.91	2176.01
	बहादुरगढ़	45.50	71.10	177.74	527.21	371.73	62.43	1255.71
	<b>कुल</b>	<b>177.79</b>	<b>416.42</b>	<b>995.52</b>	<b>1923.91</b>	<b>1903.37</b>	<b>576.44</b>	<b>5993.45</b>
हिसार	हिसार	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	आदमपुर	0.00	0.00	169.78	0.00	0.00	0.00	169.78
	बरथाला	0.00	34.35	0.00	540.67	0.00	0.00	575.02
	हांसी	0.00	42.74	5.01	0.00	61.52	0.00	109.27
	भलवा	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	नारनौद	0.00	0.00	279.01	214.31	0.00	4.81	498.13
	उकलाना	0.00	0.00	264.42	0.00	0.00	0.00	264.4
	<b>कुल</b>	<b>177.79</b>	<b>77.09</b>	<b>718.22</b>	<b>754.98</b>	<b>61.52</b>	<b>4.81</b>	<b>1616.62</b>
फतेहाबाद	फतेहाबाद	26.70	41.31	36.25	258.57	793.73	495.61	1652.17
	रतिया	76.71	49.36	167.61	95.29	53.63	69.14	511.74
	टोहाना	6.11	1.31	101.87	77.69	106.22	199.60	492.80
	<b>कुल</b>	<b>109.52</b>	<b>91.98</b>	<b>305.73</b>	<b>431.55</b>	<b>953.58</b>	<b>764.35</b>	<b>2656.71</b>
सिरसा	सिरसा	25.51	13.88	1.64	0.25	86.82	22.03	150.13
	ऐलभाबाद	83.46	39.36	41.83	124.00	75.05	27.12	390.82
	डबवाली	83.44	86.63	30.85	29.82	1.73	132.20	364.67
	कालावाली	209.45	109.44	1.41	2.25	0.00	8.75	331.30
	रानिया	192.66	87.26	37.01	30.55	69.40	25.31	442.19
	<b>कुल</b>	<b>594.52</b>	<b>336.57</b>	<b>112.74</b>	<b>186.87</b>	<b>233.00</b>	<b>215.41</b>	<b>1679.11</b>
भिवानी	भिवानी	2.70	55.58	26.72	40.53	34.21	0.00	159.74
	बादड़ा	78.50	14.02	14.94	49.22	154.05	95.71	406.44
	बगानी खेड़ा	48.66	75.71	135.90	174.83	213.84	17.82	666.76
	चरखी दादरी	122.80	148.35	28.66	7.39	86.23	60.38	453.81
	लोहारू	1.17	85.06	72.85	147.74	34.23	17.67	358.72

[सरदार परमवीर सिंह]

1	2	3	4	5	6	7	8	9
	तोशाम	4.09	20.65	7.74	45.20	247.86	76.70	402.24
	<b>कुल</b>	<b>257.92</b>	<b>399.37</b>	<b>286.81</b>	<b>464.91</b>	<b>770.42</b>	<b>268.28</b>	<b>2447.71</b>
गुडगांध	गुडगांध फारुख- नगर	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	पटौदी	14.85	49.96	18.19	26.95	55.63	8.38	173.96
	बादशाहपुर	10.26	37.10	44.24	0.24	0.96	2.14	94.94
	सोहना	4.78	1.74	0.18	31.55	60.71	6.54	105.50
	<b>कुल</b>	<b>29.89</b>	<b>88.80</b>	<b>62.61</b>	<b>58.74</b>	<b>117.30</b>	<b>17.06</b>	<b>374.40</b>
मेवात	पुन्हाना	6.22	19.00	106.02	13.13	15.74	10.58	170.69
	नूँह	7.66	23.89	36.33	4.45	61.42	34.99	168.74
	फिरोजपुर झिरका	0.62	71.42	77.99	54.23	28.74	21.57	254.57
	<b>कुल</b>	<b>14.50</b>	<b>114.31</b>	<b>220.34</b>	<b>71.81</b>	<b>105.90</b>	<b>67.14</b>	<b>594.00</b>
फरीदाबाद	फरीदाबाद	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	एन०आई०टी० फरीदाबाद	0.00	0.00	20.03	30.97	22.90	29.89	103.79
	बड़खल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	सिगांव	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	बल्लबगढ़	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	<b>कुल</b>	<b>0.00</b>	<b>0.00</b>	<b>20.03</b>	<b>30.97</b>	<b>22.90</b>	<b>29.89</b>	<b>103.79</b>
पलवल	होडल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	पृथला	0.00	0.00	43.38	145.00	32.46	-	220.84
	हथीन	0.00	0.00	0.00	0.00	50.50	27.43	77.93
	पलवल	0.00	0.00	129.77	116.53	110.00	61.07	417.37
	<b>कुल</b>	<b>0.00</b>	<b>0.00</b>	<b>173.15</b>	<b>261.53</b>	<b>192.96</b>	<b>88.50</b>	<b>716.14</b>
रिवाड़ी	रिवाड़ी	0.00	21.75	42.87	132.95	129.24	32.22	359.03
	कोशली	15.78	8.20	86.60	104.00	200.35	84.71	499.64
	बावल	15.68	23.22	2.34	19.84	44.24	10.74	116.06
	<b>कुल</b>	<b>31.46</b>	<b>53.17</b>	<b>131.81</b>	<b>256.79</b>	<b>373.83</b>	<b>127.67</b>	<b>974.73</b>

1	2	3	4	5	6	7	8	9
महेन्द्रगढ़	महेन्द्रगढ़	0.00	0.00	0.00	37.78	40.24	30.13	108.15
	नारनोल	0.00	0.00	0.00	0.00	1.19	3.70	4.89
	अटेली	0.00	0.00	0.00	0.07	22.30	6.62	28.99
	नांगल चौधरी	0.00	0.00	0.00	27.20	42.82	4.68	74.70
	कुल	0.00	0.00	0.00	65.05	106.55	45.13	216.73

#### Construction of Road

**61 Shri Krishan Lal Panwar :** Will the Agriculture Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a new road from village Puthar to village Bandh of District Panipat; if so, the time by which the aforesaid road is likely to be constructed?

कृषि मंत्री (सरदार परमवीर सिंह) :

(क) जी हां, श्रीमान,

(ख) इस सड़क का निर्माण कार्य 30.06.2011 तक पूरा होने की सम्भावना है।

#### Survey for BPL

**66 Col. Raghbir Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to conduct a fresh survey of the BPL families; if so, the time by which the fresh survey is likely to be conducted?

मुख्य मंत्री (भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) :

श्रीमान,

हरियाणा सरकार के पास बी०पी०एल० परिवारों का नया सर्वेक्षण करवाने का, इस स्तर पर, कोई प्रस्ताव नहीं है।

#### Consolidation Work at village Mandoli Kalan

**69 Master Dharam Pal Obra :** Will the Revenue and Disaster Management Minister be pleased to state the present status of the consolidation work conducted in village Mandoli Kalan, Sub Tehsil Bahal, Tehsil Loharu, Distt. Bhiwani together-with the reasons for which the said work is not being conducted currently alongwith the time by which the consolidation staff will be appointed and the consolidation work is likely to be started?

राजस्व मंत्री (श्री सतपाल सांगवान) : गांव मंदौली कलां का चकबंदी कार्य प्रगती पर है तथा इस गांव की चकबंदी स्कीम तैयार की जा रही है। तीन पटवारी, एक कानूनगो, एक सहायक चकबंदी अधिकारी, एक चकबंदी अधिकारी तथा एक बन्दोबस्त अधिकारी की टीम बनाकर गांव मंदौली कलां का कार्य पूर्ण करने हेतु उन्हें सौंपा गया है।

### Criteria for Distribution of Canal Water

53 Ch. Parminder Singh Dhull : Will the Irrigation Minister be pleased to state :—

- the criteria being adopted for the distribution of canal water in the Julana Constituency;
- the arrangements made through the distributaries and minors of canals;
- the names of the distributaries and minors in which the water is being supplied togetherwith the quantum thereof;
- whether the water is reaching upto the tails; and
- whether the strength of the officers working in the Julana Sub Division is sufficient?

वित्त मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव) :

- श्रीमान जी, जुलाना निर्वाचन क्षेत्र में नहरी पानी का वितरण सरकार द्वारा स्वीकृत रोटेशनल कार्यक्रम के अनुसार किया जाता है।
- श्रीमान जी, वर्तमान में नहरी पानी की आपूर्ति चार समूहों में जुलाना निर्वाचन क्षेत्र की प्राथमिकता के अनुसार की जा रही है और नहरों में पानी 32 दिनों में से 8 दिन रजबाहों तथा माइनरों द्वारा चलाया जाता है।
- श्रीमान जी, जुलाना विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र में पड़ने वाली विभिन्न रजबाहों एवं माइनरों की पानी की निकासी का वितरण निम्नानुसार है :-

#### विवरण

क्रमांक	चैनल का नाम	निकासी क्यूसिक्स में रबी/खरीफ
1	2	3
1.	सुन्दर सब ब्रांच (सीधा मोघा)	8.82/10.61
2.	लुदाना माईनर	24/30
3.	ढीगाना माईनर	8/10

1	2	3
4.	किला जफरगढ़ माईनर	32/38
5.	शादीपुर माईनर	6/6
6.	रामकली माईनर	42/50
7.	रामकली सब माईनर	3/4
8.	पधाना सब माईनर	3/4
9.	करसोला माईनर	92/109
10.	जुलाना सब माईनर	10/10
11.	राजगढ़ माईनर	5/5
12.	कमास खेड़ा माईनर	7/7
13.	बराड़ खेड़ा माईनर	40/47
14.	बुआना सब माईनर	4/4
15.	1-एल बराड़ खेड़ा माईनर	10/11
16.	जामनी खेड़ा माईनर	21/26
17.	कानी खेड़ी माईनर	8/11
18.	भकलाना माईनर	13/13
19.	एम०एस०एल० माईनर (माली सेमान लिंक चैनल)	23/25

(घ) हों श्रीमान जी।

(ङ) हों श्रीमान जी।

#### Posts of Teachers Lying Vacant

**78 Shri Anil Vij :** Will the Education Minister be pleased to state :—

The District-wise and subject wise/post wise number of posts of teachers, lying vacant; if any, in the schools in the State together-with the time by which the said posts are likely to be filled up?

**Education Minister (Smt. Geeta Bhukkal Matanhail) :** Sir, a statement is laid on the Table of the House. The vacancies are likely to be filled in 2011-12.

[श्रीमती गीता भुक्कल मातमहेल]

The detail of District wise and subject wise/post wise number of teachers lying vacant is as under:-

Sr. No.	Name of the Post/Subject	Ambala	Bhiwani	Faridabad	Fatehabad	Gurgaon	Hisar	Jhajjar	Jind	Kathal	Karnal	Kurukshetra	Mahendergarh	Mewar	Palwal	Panchkula	Panipat	Rewari	Rohatak	Sirsa	Sonapat	Yamuna Nagar	Total
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24
	Principal	30	27	8	12	12	11	34	18	40	23	13	23	9	12	3	20	10	17	14	21	14	371
	Head Master	48	60	25	70	16	71	15	63	43	68	21	1	41	33	11	25	24	11	60	20	33	759
	Lecturer	91	148	47	45	55	81	127	89	82	50	60	84	59	50	40	70	89	94	90	85	54	1590
1	Biology	3	0	0	1	10	3	1	1	1	2	2	3	0	2	2	1	2	0	1	1	1	37
2	Chemistry	1	7	3	5	0	3	5	8	3	3	2	1	5	5	1	1	8	2	3	1	1	68
3	Commerce	4	3	8	0	4	4	1	9	4	1	0	6	3	3	0	4	0	7	1	4	1	67
4	Computer Science	11	11	7	10	11	11	12	13	15	11	13	13	5	6	11	9	10	12	13	10	10	224
5	Economics	11	35	5	3	1	7	35	17	5	5	8	15	2	1	1	21	9	21	15	20	7	244
6	English	8	6	2	1	6	1	16	10	1	3	4	3	2	0	2	0	7	1	4	6	2	75
7	Fine Arts	1	0	1	0	1	0	0	0	1	0	1	0	1	0	1	2	0	1	1	0	1	12
8	Geography	7	1	2	1	3	0	1	4	6	4	5	1	2	0	2	2	2	3	4	1	1	52
9	Hindi	8	12	4	3	4	10	14	4	7	5	5	8	5	6	3	4	12	16	14	7	7	158
10	History	3	21	0	3	2	20	9	10	11	3	0	4	6	2	3	7	1	2	9	11	5	132
11	Home Science	3	4	1	3	1	1	2	1	1	2	3	2	0	0	1	2	0	1	0	1	1	30

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24
12 Mathematics	5	11	1	5	2	2	3	1	7	3	4	3	10	8	3	3	9	10	3	1	2	96		
13 Music	2	0	2	1	2	0	1	1	1	1	1	1	0	1	1	0	0	1	3	2	1	1	22	
14 Physical Education	1	1	0	0	1	0	0	0	1	0	1	1	1	0	2	0	1	1	1	0	1	13		
15 Physics	4	7	1	6	1	1	0	3	4	3	3	1	2	3	0	2	0	8	3	1	1	54		
16 Political Science	11	22	7	0	1	17	25	8	10	2	8	5	4	6	3	9	18	3	6	14	8	187		
17 Psychology	1	0	0	0	1	1	0	1	1	0	0	1	1	0	1	1	1	1	0	1	1	1	13	
18 Public Administration	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1	3	
19 Punjabi	0	0	0	1	0	0	0	0	3	0	1	1	0	0	0	1	0	0	0	5	1	1	14	
20 Sanskrit	1	4	1	1	3	0	2	1	0	1	0	10	7	6	2	1	6	2	4	4	1	57		
21 Sociology	6	3	2	1	1	0	0	2	4	0	0	6	2	1	1	1	2	0	0	0	0	32		
22 Urdu	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
.....	239	291	79	158	71	176	95	123	462	233	277	107	494	165	44	165	109	66	103	96	530	4083		
1 Agriculture	0	0	0	6	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	8	
2 Commerce	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	2	
3 DPE	41	40	12	11	13	18	53	21	46	43	10	25	18	27	11	29	42	38	4	50	19	571		
4 Fine Arts	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	2	
5 Home Science	2	7	1	3	1	1	1	0	4	3	5	2	7	2	2	1	2	0	3	0	2	49		

[श्रीमती गीता भुक्कल मालनहेल]

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24
6	Mathematics	44	62	6	39	12	47	20	22	107	48	22	18	37	26	2	33	17	5	28	17	39	646	
7	Music	4	2	1	1	2	2	2	0	1	1	1	1	3	0	0	2	2	0	2	1	2	30	
8	Science	64	115	29	78	12	54	5	41	147	86	147	6	257	49	16	41	16	9	46	19	220	1456	
9	Social Studies	84	65	30	20	31	53	14	38	157	51	92	55	169	59	13	59	35	12	21	9	247	1314	
10	Urdu	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	3	2	0	0	0	0	0	0	0	5	
	<b>C&amp;V</b>	<b>220</b>	<b>195</b>	<b>93</b>	<b>147</b>	<b>112</b>	<b>117</b>	<b>97</b>	<b>76</b>	<b>135</b>	<b>191</b>	<b>209</b>	<b>107</b>	<b>278</b>	<b>131</b>	<b>73</b>	<b>45</b>	<b>82</b>	<b>84</b>	<b>158</b>	<b>56</b>	<b>241</b>	<b>2847</b>	
1	Cutting & Tailoring	2	1	1	1	2	1	2	1	0	2	0	0	0	4	0	0	0	2	0	1	5	25	
2	Drawing	29	38	10	40	10	8	6	5	36	28	53	60	14	22	1	6	20	9	23	1	18	437	
3	Hindi	6	57	10	18	12	39	51	10	18	36	30	2	22	5	0	6	7	35	13	15	2	394	
4	PTI	142	52	22	54	68	63	32	43	48	92	68	31	14	33	45	22	40	27	67	29	97	1089	
5	Punjabi	2	1	0	3	0	1	0	0	5	1	1	0	0	0	4	4	0	1	7	1	2	33	
6	Sanskrit	39	46	50	31	20	5	6	17	28	32	57	14	228	67	23	7	15	10	48	9	117	869	
	<b>JBT</b>	<b>22</b>	<b>00</b>	<b>28</b>	<b>37</b>	<b>12</b>	<b>40</b>	<b>14</b>	<b>22</b>	<b>16</b>	<b>08</b>	<b>116</b>	<b>40</b>	<b>00</b>	<b>00</b>	<b>33</b>	<b>58</b>	<b>06</b>	<b>25</b>	<b>48</b>	<b>105</b>	<b>43</b>	<b>673</b>	



**Repair of Roads**

**62 Shri Krishan Lal Panwar :** Will the Agriculture Minister be pleased to state :—

- (a) whether there is any proposal under consideration of the Government to repair the following roads of district Panipat :—
- (i) from village Allupur to village Ahar;
- (ii) from N.C. Engineering College main road Israna to village Balana;
- (iii) from village Madlauda to village Shera; and
- (b) if so, the time by which the above said roads are likely to be repaired?

कृषि मंत्री (सरदार परमवीर सिंह) :

- (क) (i) जी नहीं, श्रीमान्।  
 (ii) जी हां, श्रीमान्।  
 (iii) जी नहीं, श्रीमान्।

(ख) सरकार के निर्णयानुसार हरियाणा राज्य कृषि विपणन मण्डल की सभी सड़कें, जिनकी चौड़ाई 6 करन या उससे अधिक है, 944 अन्य सड़कों के साथ क्रम संख्या (i) व (iii) पर दर्शाई गई सड़कें लोक निर्माण (भवन व सड़कें) विभाग को स्थानान्तरित कर दी गई हैं। इसलिए, इन दो सड़कों की मरम्मत का काम, ऐसी सभी स्थानान्तरित सड़कों की मरम्मत की प्राथमिकता तय करने के बाद लोक निर्माण (भवन व सड़कें) विभाग द्वारा किया जाएगा।

- (ii) इस सड़क की मरम्मत हरियाणा राज्य कृषि विपणन मण्डल द्वारा की जानी है और मरम्मत का कार्य 31.07.2011 तक पूरा होने की संभावना है।

**Government College in Badhra**

**73 Col. Raghbir Singh :** Will the Education Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to open a new Government College in Badhra, district Bhiwani; if so the time by which the said College is likely to be opened?

शिक्षा मंत्री (श्रीमती गीता भुक्कल मातमहेल) : नहीं, श्रीमान् जी, वर्तमान में बाढ़ड़ा जिला भिवानी में नया राजकीय महाविद्यालय खोलने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है।

**Restoration of Bus Service**

**70 Master Dharampal Obra :** Will the Transport Minister be pleased to state:—

(a) whether it is a fact that the bus service of Hisar depot plying from Hisar to Dhani Sheelawali via Siwani-Gurera has been discontinued for a long time; and

(b) if so, the time by which the abovesaid bus-service is likely to be restored?

परिवहन मंत्री (श्री ओम प्रकाश जैन) :

(क) नहीं, श्रीमान जी। यह ध्यक्त किया जाता है कि हिसार से ढाणी शीलावाली बाया सिवानी-गुरेरा तक बस सेवा अगस्त, 2008 से नियमित तौर पर चल रही है सिवाय 17-12-2010 से 29-12-2010 तक, जब अमले की कमी थी।

(ख) प्रश्न पैदा नहीं होता।

**नियम 64 के अधीन वक्तव्य**

**Mr. Speaker :** Hon'ble Members, now the Parliamentary Affairs Minister will make a statement.

श्री अनिज विज : अध्यक्ष महोदय, मैंने एक ध्यानाकर्षण प्रस्ताव दिया था। (शोर एवं व्यवधान)

**Mr. Speaker :** I will tell you about your motion, let the Parliamentary Affairs Minister make a statement. Resume your seat.

भवन तथा सड़कें मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : अध्यक्ष महोदय, नवम्बर, 1984 में रिवाड़ी के होंद चिल्हड़ गाँव में हिंसक घटना में अनेक सिक्ख भाइयों की मृत्यु हो गई थी और उनकी सम्पत्ति भी नष्ट हुई थी। इस घटना के सम्बन्ध में जाँच की मौँग विभिन्न संगठनों, मीडिया और जनसाधारण के विभिन्न वर्गों द्वारा गत कुछ दिनों से जाँच जा रही थी। हरियाणा सिक्ख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी के भी कई सदस्यों का एक प्रतिनिधि मण्डल और कई और लोग भी इस बारे में माननीय मुख्य मंत्री जी से मिले थे। राज्य सरकार इस दुःखद घटना और इसकी जाँच और सार्वजनिक महत्त्व के प्रति पूरी तरह से संवेदनशील और सचेत है। राज्य सरकार ने गाँव होंद चिल्हड़ की हिंसा की दुःखद घटना की जाँच के लिए 5 मार्च, 2011 को जाँच आयोग अधिनियम 1952 के अन्तर्गत एक जाँच आयोग गठित किया है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश श्री टी.पी. गर्ग इस घटना की जाँच करेंगे और 6 महीने के अन्दर रिपोर्ट सौंप देंगे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, मैं इस बारे में कुछ कहना चाहता हूँ।

**Mr. Speaker :** Please don't make any interruption. Mr. Arora, the statement has been made under Rule 64. (Interruption)

**Shri Randeep Singh Surjewala :** Speaker Sir, the Parliamentary Affairs Minister can make a statement at any time in the House. My learned friend does not know the parliamentary procedure. It is the Government's authority to make a policy and a statement can be made at any point on time.

**Mr. Speaker :** He has just made a statement. He can make a statement under Rule 64.

श्री अनिल विज : सर, मैंने काम रोकने का प्रस्ताव regarding corruption in fraudulent land acquisitions in the State दिया था उसका क्या हुआ? ऐसे कैसे चलेगा, सर आप मुझे अपनी बात कहने दीजिए? (शोर एवं व्यवधान)

**Mr. Speaker :** You cannot tell me how to run the House.

श्री रामपाल माजरा : सर, जमीनों का अधिग्रहण करके, बड़ी-बड़ी कम्पनियों को फायदा पहुंचाया जा रहा है। हमारा भी एक काम रोकने का प्रस्ताव था regarding selective release of land from the process of land acquisition and allotment of land in the State. उसका फेट बता दीजिये। (शोर एवं व्यवधान)

**Mr. Speaker :** I am coming to that. Let me first answer.

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, सरकार भूमि अधिग्रहण की नीति ..... (शोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को रूलज ऑफ प्रोसीजर एण्ड कंडक्ट ऑफ बिजनेस इन हरियाणा लैजिसलेटिव असेम्बली का रूल 64 पढ़कर सुनाना चाहता हूँ। "A statement may be made by Minister..."

**Mr. Speaker :** Mr. Surjewala, he is satisfied.

**Shri Randeep Singh Surjewala :** I do not know Sir. He is perpetually dissatisfied.

**Mr. Speaker :** Mr. Surjewala, have you completed your statement?  
(Interruption)

**Shri Randeep Singh Surjewala :** Yes Sir.

**Mr. Speaker :** O.K. Please listen to me. I am talking about you (Interruption)

#### स्थगन प्रस्तावों की सूचना

**Mr. Speaker :** Respected Members, I have received an Adjournment Motion under Rule 66 from Shri Anil Vij, MLA. The adjournment motion has been disallowed. The reasons thereof have been given. I have also received an Adjournment Motion from Shri Ajay Singh Chautala, and fourteen other MLAs, that adjournment motion has also been disallowed and the reasons have been given thereof. Respected Members, Calling Attention Notices under Ruls 73..... (noise & interruption) if you will all sit down, I tell you the reasons also, otherwise, I am not bound. I will give you the reasons. (noise & interruption) Don't make speeches. (noise & interruption)

श्री अनिल विज : सर, मुझे अपनी बात तो कहने दीजिए। (शोर एवं व्यवधान)

**Mr. Speaker :** Your Adjournment Motion was not in conformity with Rule 66, so it has been disallowed. I have disallowed it. Please take your seat. (noise & interruption) I have disallowed it. (noise & interruption)

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, आपने ही तो उसको एडमिट किया था और अब आपने ही उसको डिसअलाऊ कर दिया है। ऐसा कैसे हो सकता है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : मैंने कर दिया है। I have already done it. (noise & interruption) I cannot review my order. I have disallowed it.

श्री रामपाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, आई.एम.टी. के नाम पर किसानों को उजाड़ा जा रहा है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : मैं आपका दर्द भी जानता हूँ और किसानों का दर्द भी जानता हूँ। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अनिल विज : स्पीकर सर, \*\*\*\*\* (शोर एवं व्यवधान)

**Mr. Speaker :** As the Adjournment Motion has been disallowed, nothing is to be recorded. (noise & interruption)

**Shri Randeep Singh Surjewala :** Sir there is a Calling Attention Motion only from my learned friend. (noise & interruption)

#### ध्यानाकर्षण प्रस्तावों की सूचनाएं

**Mr. Speaker :** Shri Aftab Ahmed MLA, has moved a Calling Attention Motion regarding acute shortage of teaching staff in Government Schools in Mewat District. The Calling Attention Motion has been admitted for discussion on 8th March, 2011. Shri Aftab Ahmed, MLA has also moved a Calling Attention Motion regarding damage of crops due to heavy rainfall in Mewat District and this has been disallowed. (Interruption) I am talking about your Calling Attention Motion. (Interruption) Hon'ble Members, Shri Ajay Singh Chautala, MLA and three other MLAs have given a Calling Attention Motion regarding poor health of Women and Children in the State. I have sent the same to the Government for comments within 48 hours. (Interruption)

(At this stage, Shri Ram Pal Majra, Member of Indian National Lok Dal and Shri Anil Vij, Member of Bhartiya Janta Party came to the well of the House and insisted to allow them to read out Calling Attention Motion No. 9.)

**Mr. Speaker :** Hon'ble Members, I have received a Calling Attention Motion from Shri Ashok Kumar Arora, MLA regarding water of Yamuna River being polluted due to the contaminated water discharged from residential areas and industries etc., the same has been disallowed. (Interruption) Mr. Arora your Calling Attention Motion has been disallowed. (Interruption) Mr. Arora, your Calling Attention Motion No. 6 has been admitted. You may read out your Calling Attention Motion. (Interruption)

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, मैं तो अपना नोटिस पढ़ने के लिए तैयार हूँ पहले आप इनको सीट्स पर तो बैठाएं। (शोर एवं व्यवधान)

**Mr. Speaker :** Mr. Arora, now please read your notice (Interruption). I think you are not serious about this notice. If you are serious, then read it out. (Interruption) You are the President of your Party. Please read your notice. You tell them. (Interruption) Mr. Arora, read out your motion. If you will not read out your motion, we will be moving to the next agenda. (Interruption)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, यह तो बड़ा अजीब नज़ारा है कि इनकी पार्टी के सदस्य अपनी ही पार्टी के प्रेजिडेंट की बात नहीं मान रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, इनकी पार्टी को कौन लीड करेगा?

**Mr. Speaker** : O.K. Mr. Arora, is reading out his Calling Attention Motion. (Interruption) Let him read. Let your Party President read. (Interruption)

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, आप पहले इनको अपनी सीट्स पर तो बेटाओ तभी तो मैं अपना नोटिस पढ़ूँगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्री रामपाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, आप हमारी बात तो सुनिये।

**Mr. Speaker** : Mr. Majra, you do not listen to your own Party President. (Interruption) Mr. Arora want to read out his notice. (Interruption) Please read. Nothing is to be recorded.

श्री रामपाल माजरा : स्पीकर साहब, \*\*\*

श्री अनिल विज : स्पीकर साहब, \*\*\*

**Mr. Speaker** : As Mr. Arora is reading his notice so, please sit down (Interruption) Mr. Arora can't you tell your party men that you are reading? (Interruption) Then read it out. (Interruption) Will you keep quite? All Members may please resume their seats. (Interruption) You do not allow your own Party President to read out his Calling Attention Motion notice. (Interruption)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, यह तो बड़ा अजीब नज़ारा है कि पार्टी का प्रेजिडेंट अपना नोटिस पढ़ना चाह रहा है लेकिन उसकी पार्टी के सदस्य उसकी बात ही नहीं सुन रहे हैं। (Interruption)

**Mr. Speaker** : What is this? This is most indisciplined manner. (Interruption) Shri Ram Pal Ji, you are a very senior Member of this House. Your Party President has moved a Calling Attention Motion but you do not want him to read it out. (Interruption)

श्री अनिल विज : स्पीकर साहब, \*\*\*

**Mr. Speaker** : Mr. Vij, do not waste the time of the House. He is reading out a very important motion. (Interruption) Mr. Arora, you may read your Calling Attention Motion Notice. (Interruption) Mr. Arora is reading out. (Interruption) Mr. Anil Vij, please resume your seat. I know that you are a very talented MLA and if you can let this House function, you can make a lot of contribution. I have deepest regard for you. (Interruption) Mr. Arora is reading a Calling Attention Motion. We are here to transact a very serious business. (Interruption) I have already given my rulling on that.

वाक-आउट

श्री अनिल विज : स्पीकर साहब, आप हमारी बात तो सुनिए। \*\*\*

\* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर साहब, आप पहले हमारे काम रोको प्रस्ताव पर चर्चा करवाएं। \*\*\*

**Mr. Speaker :** Nothing is to be recorded. As the adjournment motion has been disallowed. Nothing is to be recorded. Let Mr. Arora speak up. Mr. Majra, I am totally baffled to know that you do not like your own Party President to speak.

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर साहब, आप हमारी बात तो सुन लीजिए।

श्री अध्यक्ष : आप अपनी सीट पर बैठिए (शोर एवं व्यवधान)

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर साहब, आप हमारे काम रोको प्रस्ताव पर चर्चा करवाने के लिए तैयार नहीं हैं इसलिए हम इसके विरोध में वाक आउट करते हैं।

(इस समय इंडियन नेशनल लोकदल के सदन में उपस्थित सभी सदस्य (श्री अशोक कुमार अरोड़ा को छोड़कर) तथा शिरोमणि अकाली दल के एक मात्र सदस्य सदन से वाक आउट कर गए।)

#### ध्यानाकर्षण प्रस्ताव—

गांवों के निकट ढाणियों/डेरो में रह रहे लोगों के लिए बिजली का प्रबन्ध न करने संबंधी

**Mr. Speaker :** Hon'ble Members, I have received a Calling Attention Motion from Shri Ashok Kumar Arora, MLA and 2 other MLAs regarding non-provision of electricity for the people residing in Dhanis and Deras located near villages I have admitted it. Shri Ajay Singh Chautala and Shri Krishan Lal Panwar, MLAs who are co-signatories, can also raise the supplementaries. Shri Ashok Kumar Arora may read out his notice. (Interruption)

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, मैं और मेरी पार्टी के दो (अजय सिंह चौटाला और कृष्ण लाल पंवार) अन्य सदस्य एक आवश्यक और सार्वजनिक महत्व के मामले की ओर इस सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं कि वर्तमान समय में गांव के नदजीक बसी ढाणियों/डेरो में रहने वाले लोगों के लिए बिजली का कोई प्रावधान नहीं है। परिमावस्वरूप इन लोगों में अन्य लोगों की तुलना में भेदभाव होने पर गुस्सा और असंतोष है, जबकि ये लोग अन्य लोगों के समान सरकारी भुगतान अदा कर रहे हैं। यहां तक कि ढाणियों में बिजली प्रावधान के लिए हाल ही में घोषित नीति संतोषजनक नहीं है इसके अलावा ढाणियों और डेरो में रह रहे लोगों का जीवन दूभर हो जाता है जब ढाणियों/डेरो के क्षेत्रों में भारी वर्षा होती है या जब फसलों को काटा जाता है।

आवासीय/वाणिज्यिक क्षेत्रों, स्कूल और कॉलेजों आदि के आसपास उच्च दबाव और लटकती तारों की समस्या उपरोक्त क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के जीवन के लिए गम्भीर खतरा बन रही है। सार्वजनिक सम्पत्ति के नुकसान की घटनाएं जिसमें मानव जीवन और पशु धन शामिल है, के नुकसान की घटनाएं राज्य में निरन्तर बढ़ रही हैं। यहां तक कि बार-बार अभ्यावेदन के बाद भी बिजली वितरण कम्पनियों से कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हुई है। इन गम्भीर समस्याओं के दृष्टिगत सरकार को इस सम्बन्ध में सदन के पटल पर एक वक्तव्य प्रस्तुत करना चाहिए।

## वस्तुव्य-

## बिजली मंत्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्षण संबंधी

**बिजली मंत्री (श्री महेन्द्र प्रताप सिंह) :** अध्यक्ष महोदय हरियाणा सरकार द्वारा बिजली तथा डेरों के निवासियों की बिजली आपूर्ति के मुद्दों के बारे में पूरी तरह जागरूक है। इसको ध्यान में रखते हुए हरियाणा राज्य में एक योजना शुरू की जा चुकी है जिसमें 11 या इससे अधिक व्यक्तियों की आबादी वाली गांवियाँ तथा डेरों को 50:50 के समानुपात की लागत पर अपने कृषि (नलकूप) फीडर से अपने बिजली कनेक्शन को ग्रामीण घरेलू फीडर में परिवर्तित करवा सकते हैं। इस योजना के अनुसार आधी लागत उपभोक्ता द्वारा और आधी लागत सरकार द्वारा वहन की जानी है। इस योजना के अन्तर्गत राज्य में वर्तमान कुल 6833 (डी.एच.बी.वी.एन. 3482 + यू.एच.बी.वी.एन. 3351) गांवियों को शामिल किया जाना है।

ग्रामीण घरेलू और कृषि उपभोक्ताओं को बेहतर गुणवत्तापरक और पर्याप्त मात्रा में बिजली आपूर्ति सुनिश्चित और बोस्टेज में सुधार करने के लिए 647.22 करोड़ रुपये की लागत से 1226 (डी.एच.बी.वी.एन. 535 + यू.एच.बी.वी.एन. 691) नये फीडर स्थापित करके कृषि तथा ग्रामीण घरेलू लोड को अलग-अलग किया गया था। लोड को अलग-अलग करने के साथ बिजली के घंटों की संख्या में बढ़ी हुई आपूर्ति केवल कृषि उपभोक्ताओं को ही नहीं बल्कि ग्रामीण घरेलू उपभोक्ताओं को भी दी जा रही है। इसके परिणामस्वरूप ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली उपभोक्ता काफी हद तक संतुष्ट है। लोड अलग-अलग करने के बाद हालांकि कुछ गांवियों/डेरों ए.पी. फीडरों से जुड़े हुए हैं और कृषि की बिजली आपूर्ति के निर्धारित समय अनुसार बिजली आपूर्ति प्राप्त कर रहे हैं। ऐसे उपभोक्ताओं को उपरोक्त योजना में शामिल किया जा रहा है।

अब तक, 94 गांवियों के निवासियों (डी.एच.बी.वी.एन. 30 + यू.एच.बी.वी.एन. 64) ने अपनी बिजली आपूर्ति ट्यूबवेल से ग्रामीण घरेलू फीडर पर स्थानांतरित करने के लिए अनुमानित लागत की अपेक्षित राशि निगम के पास जमा करवा दी है। 54 गांवियों (डी.एच.बी.वी.एन. 6 + यू.एच.बी.वी.एन. 48) का कार्य पूरा कर लिया गया है और शेष 40 गांवियों का कार्य प्रगति पर है।

भारत सरकार की राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना (आर.जी.जी.वी.वाई.) के अन्तर्गत राज्य में गांवियों को भी विद्युतीकृत किया जा रहा है। इस योजना के अनुसार 100 या इससे ज्यादा की आबादी वाली गांवियों को विद्युतीकृत किया जा रहा है। विद्युतीकरण की लागत को केंद्र सरकार द्वारा वहन किया जा रहा है।

जो गांवियाँ उपरोक्त योजना में शामिल नहीं हैं, ऐसे उपभोक्ता एच.ई.आर.सी. (हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग) के मार्गदर्शनों के अनुसार उनकी अपनी लागत पर कनेक्शन प्राप्त कर सकते हैं।

जहां तक आवासीय/वाणिज्यिक क्षेत्र, स्कूल और कॉलेज आदि के आसपास उच्च दबाव वाली लटकती तारों से सम्बन्धित मुद्दे का संबंध है, यह प्रस्तुत किया जाता है कि लाईनों के निर्माण के समय मार्ग इस तरीके से तय किया जाता है कि तार किसी भी निर्मित घर/स्कूल/पार्क के ऊपर से न गुजरे। नई लाईनों/तारों को बिछाने/निर्माण करने में बिजली अधिनियम-2003 के प्रावधान का सख्ती से पालन किया जा रहा है। उच्च दबाव तार की समस्या ज्यादातर उस समय आती है जब लाईन बिछाए जाने

[श्री महेन्द्र प्रताप सिंह]

के बाद निर्माण किया जाता है। इस तरह के मामलों में, उपभोक्ता की लागत पर लाईन स्थानांतरण करने की नीति का प्रावधान उपलब्ध है बशर्ते कि तकनीकी सम्भाव्यता हो। ऐसी लाइनों को निर्धारित प्रभारों के साथ अनुरोध की प्राप्ति के बाद 45 दिनों के अन्दर स्थानांतरित किया जाता है।

हालांकि 'वितरण कम्पनियों' द्वारा लाल झोरा के अधिकार क्षेत्र में आने वाले सरकारी स्कूलों, तालाबों, धार्कों तथा क्षेत्र के ऊपर से गुजरने वाली लाईनों का स्थानांतरण निगम के खर्च पर करवाने की सुविधा प्रदान की गई है। यदि स्थानांतरण तकनीकी रूप से सम्भव नहीं है तो ए.बी.सी. (एरियल बंचड केबल) वर्ष 2009 में जारी किए गए निर्देशों के अनुसार निशम की लागत पर इस प्रकार के क्षेत्रों में प्रदान की जाती है। पिछले वर्ष में ऐसी 214 लाइनों को स्थानांतरित किया गया है।

लटकती हुई / ढीली तारों की खिंचाई एक निरन्तर प्रक्रिया तथा यह कार्य नियमित रूप से फीडर प्रभारी द्वारा दोगों वितरण निगमों में पूरा किया जा रहा है। इस संबंध में किसी भी शिकायत पर तुरन्त ध्यान दिया जाता है। लटकती हुई / ढीली तारों की खिंचाई सहित प्रत्येक फीडर का मुख्य अनुरक्षण कम से कम 1 वर्ष में एक बार किया जाता है तथा इस कार्य की देख-रेख उच्चतर प्रबंध द्वारा नियमित रूप से मासिक समीक्षा बैठकों में की जाती है।

**श्री अशोक कुमार अरोड़ा :** स्पीकर सर, मंत्री जी जवाब देने के लिए खड़े ही हुए थे जवाब पढ़े बगैर ही कई माननीय सदस्यों ने तालियां पीट दीं। माननीय मंत्री जी ने यह कहा है कि 50 फीसदी खर्च डेरे और ढाणियां वाले वहन करेंगे और 50 फीसदी खर्च सरकार द्वारा वहन किया जायेगा।

**Mr. Speaker :** Are you going to ask a supplementary?

**श्री अशोक कुमार अरोड़ा :** स्पीकर सर, माननीय मंत्री जी ने दर्शाया है कि टोटल 6833 डेरे और ढाणियां हैं केवल 94 ने दक्षिणी हरियाणा बिजली वितरण निगम और उत्तरी हरियाणा बिजली वितरण निगम में इसके लिए एप्लाइ किया है। स्पीकर सर, यह मामला बहुत गम्भीर भसला है। मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि इस स्कीम का लाभ आम आदमी को नहीं मिल रहा है। क्या इस पर पुनः विचार करके जो आपने 11 आदमियों से अधिक वाली ढाणी और डेरे होने चाहिए और 50 प्रतिशत खर्च ढाणी और डेरे द्वारा वहन करने वाले जो शर्त लगाई है इसको सरकार हटायेगी?

**श्री महेन्द्र प्रताप सिंह :** अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो सवाल उठाया है यह सही है कि यह समस्या वैसी है इसमें कोई सन्देह नहीं है। तालियों की बात माननीय सदस्य ने की है यह समस्या आज की नहीं है यह समस्या निरन्तर चली आ रही है बिजली की जरूरत थी, खपत भी और आधादी जिस प्रकार से बढ़ रही है। लेकिन कोई भी योजना जनहित में सरकार द्वारा पहल करके शुरू की जाती है तो उसके लिए सत्ता पक्ष को ही नहीं बल्कि विपक्ष को भी ताली पीट देनी चाहिए कि सरकार ने पहल तो की है। अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य यह भी जानते हैं कि यह जायज है। अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी भी जानते हैं कि पिछले सालों से सग्रीगेशन का काम, किसान और गांवों के डोमैस्टिक फीडर को अलग करने का काम मौजूदा सरकार ने किया है यह बहुत बड़ा काम है। इस पर बहुत बड़ा खर्चा भी हुआ है और जिसके कारण निगम को काफी बोझ भी सहना पड़ा है। पहले किसानों को बिजली तकरीबन 8 घण्टे दी जाती थी और गांव भी तकरीबन उसी लाईन से जुड़े हुए थे। सग्रीगेशन से इतना फायदा हुआ है कि गांवों को 12 घण्टे और खेती को 8 घण्टे बिजली ज्यादा सप्लाई



हुई है लेकिन उससे यह बात जरूर हुई है कि जो 6800 के करीब ढाणियों हैं उनकी समस्या वैसी ही बनी रह गई है। उसके लिए सरकार ने फैसला किया है कि भारत सरकार की जो राजीव गांधी बिजली विद्युतीकरण योजना है उसमें 100 आदमियों तक जिस ढाणी की आबादी है वहां इसके द्वारा उनको तो यह सुविधा उपलब्ध कराई जाए लेकिन सरकारी स्तर पर, अधिकारी स्तर पर और मिनिस्टर स्तर पर स्वयं मुख्यमंत्री जी ने भारत सरकार से कई बार रिक्वेस्ट की है कि हमें 100 आदमियों की ढाणियों की बजाये 25 आदमियों तक की ढाणियों को इस स्कीम में शामिल किया जाए लेकिन उस स्कीम में इसको शामिल नहीं कर सके क्योंकि इस वजह से उसमें आर्थिक स्थिति की कई समस्यायें पैदा हो सकती हैं। लेकिन सरकार ने और मुख्यमंत्री जी ने यह फैसला किया है कि जिस ढाणी या डेरे में जहाँ 11 आदमी हैं, 10 से 100 तक आबादी वाली ढाणियों या डेरा की जो बीच की कैटेगरी हैं इसको उसमें शामिल करके इस स्कीम का बेंनीफिट उन लोगों को दिया जाये। निगम इस भार को उठाने में सक्षम नहीं है क्योंकि पिछली स्कीम के माध्यम से निगम पर भार पड़ा है। निगम की आर्थिक स्थिति को देखते हुए सरकार ने अपने खजाने से 50 प्रतिशत तक खर्च को किसानों के लिए वहन करने का फैसला लिया है। यह एक अच्छी पहल है लेकिन यह बात सही है कि इससे बहुत ज्यादा लोग बेंनीफिट इसलिए शायल नहीं उठा सके क्योंकि इस स्कीम को इतनी पब्लिसिटी नहीं मिली। अभी इस स्कीम का पता बहुत कम लोगों को है इसके लिए हमने दोबारा से कोशिश की है। (विघ्न) आप सुनें तो सही जो मैं कहना चाहता हूँ। अच्छी बात है कि लोगों को इसका पता है लेकिन फिर भी इसका ज्यादा बेंनीफिट नहीं मिल रहा। यह बात स्वयं मुख्यमंत्री महोदय और सरकार के संज्ञान में है कि कैसे इसका लाभ लोगों को दें। इस स्कीम का दोबारा सर्वे कराने की आवश्यकता है कि इस पर कितना खर्च आएगा और कैसे क्या-क्या होगा? भविष्य में हम हर सम्भव प्रयास करेंगे कि इस समस्या का समाधान कर सकें।

**श्री अशोक कुमार अरोड़ा :** अध्यक्ष महोदय, सदन में बैठे जितने सदस्य हैं सबको लोगों ने बुनकर भेजा है। लोगों की दिक्कत सबकी दिक्कत है और यह बात नहीं होनी चाहिए कि यह विपक्ष की दिक्कत है और सत्ता पक्ष की नहीं है। अध्यक्ष महोदय, यह ठीक है कि सरकार कोई स्कीम लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए बनाती है परंतु इस स्कीम का लोग फायदा नहीं उठा पाए। हम मुख्यमंत्री जी ने अनुरोध करेंगे कि लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए बनाती है परंतु इस स्कीम का लोग फायदा नहीं उठा पाए। हम मुख्यमंत्री जी से अनुरोध करेंगे कि लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए कोई इस प्रकार की घोषणा करेंगे ताकि डेरों और ढाणियों में रहने वाले लोग भी आम व्यक्ति की तरह जीवन व्यतीत कर सकें।

**Mr. Speaker :** Minister has already given the reply.

**श्री अशोक कुमार अरोड़ा :** अध्यक्ष महोदय, ये कोई ऐसी घोषणा कर दें क्योंकि यह तो सबकी जिम्मेवारी है। सबसे ज्यादा दिक्कत तो चट्टा साहब को है। (विघ्न)

**श्री महेन्द्र प्रताप सिंह :** मैंने अभी कह तो दिया ही है। (विघ्न)

**डॉ० अजय सिंह चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी सारी समस्या को समझते भी हैं और उनकी मंशा भी है इसलिए ये बराब मेहरबानी करके अपने नेता से बात करके इस पर पुनर्विचार की बात कह दें। (विघ्न)

श्री महेन्द्र प्रताप सिंह : मैंने अभी कह तो दिया है। (विष्णु)

**Mr. Speaker :** We have a Minister in place.

श्री महेन्द्र प्रताप सिंह : अध्यक्ष महोदय, ये तो मैंने कह ही दिया है। इसकी चिंता से सरकार पहले ही चिंतित है कि यह एक समस्या है। इस स्कूल का शाब्द लोगों को पता नहीं लगा। (शोर एवं व्यवधान) और फिर भी अगर रिस्पोस नहीं मिलता और स्थिति ऐसे ही रहती है तो हम थोबारा सर्वे जरूर करवाएंगे ताकि भविष्य में इस समस्या का सामाधान जन-हित में जल्दी से जल्दी किया जाए। (विष्णु)

**Mr. Speaker :** Mr. Chautala, are you ready to send your suggestions in writing or you want to speak?

डॉ० अजय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने इसके साथ-साथ रिहायशी इलाकों में, स्कूलों में, कमर्शियल एरियाज में हाई टेंशन वायर्स की प्रोब्लम के बारे में भी उल्लेख किया है। यह बड़ा गम्भीर मसला है। कई जगह तो इस तरह के हालात हैं कि एक्सीडेंट्स भी होते हैं और रोजाना इस तरह की खबरें अखबारों में छपती हैं। मंत्री महोदय केवल जवाब देकर संतुष्ट करने की बजाय कुछ करवा कर संतुष्ट करवाए तब तो तसल्ली होती है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से गुजारिश करूंगा कि ये बतायें कि कितने समय में इन सारी समस्याओं का समाधान करवा देंगे।

श्री महेन्द्र प्रताप सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैंने इन तारों की समस्या का भी अपने जवाब में बताया है कि यह समस्या विशेष तौर पर इसलिए ज्यादा हुई है क्योंकि ये तारें पुरानी खिंची हुई हैं। उन तारों के नीचे चाहे अनअथोराइज्ड डिबैल्पमेंट हो या और दूसरी डिबैल्पमेंट हो या वहां लोगों ने नए मकान बना लिए हों वहां यह समस्या स्वाभाविक है। पुराने प्रावधान के मुताबिक सरकारी स्कूल, पार्कस और आबादी देय के साथ जो लाइनें हैं उनको निगम अपने खर्च से हटवा सकते हैं। हमारे पास जो फीगर्ज हैं उसके अनुसार हमने 781 लाइनें ऐसी आइडेंटिफाई की हैं जिनमें से 214 लाइनों को बदला जा चुका है और बाकी को जितनी जल्दी हो सकेगा आने वाले समय में हम बदल देंगे। जहां तक दूसरे एरियाज में इस प्रकार की लाइनों का ताल्लुक है जिसके बारे में मैंने जिक्र किया कि जहां लाइनें निगम या कम्पनीज द्वारा पहले खिंची हुई हैं और उनके नीचे आबादी बढ़ गई है। इस प्रकार की लाइनों के नीचे मकान बनाने का प्रावधान तो है लेकिन जहां तक सम्भव हो सके अलाइनमेंट और दूसरी कोई दिक्कत पैदा न हो। इस पर होने वाला खर्च जमा करवाकर इन लाइनों को ठीक करवाया जा सकता है। लटकती तारों की भी बहुत पुरानी समस्या है। लटकी हुई तारें पुरानी भी हैं और काफी नीची भी हैं। जहां-जहां आवश्यकता होती है इन तारों को बदलते हैं। इन तारों का हम सर्वे करते रहते हैं जोकि कंटीन्यूस प्रोसेस है और उसकी समीक्षा भी की जाती है। यदि कहीं इस तरह की समस्या माननीय सदस्य की जानकारी में है तो ये मुझे लिखकर भिजवा दें उस पर कार्यवाही की जायेगी।

श्री कृष्ण लाल पंवार : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने अपने जवाब में बताया है कि 6833 ढाणियां जिनमें 3482 डी.एच.बी.वी.एन. और 3351 यू.एच.बी.वी.एन. की शामिल की गई हैं। इस बारे में मैं मंत्री जी से पूछना चाहता हूँ कि कितनी ढाणियों की एप्लीकेशन सरकार के पास आई और उनको किस क्लासिफिकेशन के तहत रिलैक्ट किया गया है? अध्यक्ष महोदय, मेरा दूसरा सवाल यह है कि सर्वे करते समय कुछ ट्रांसफार्मर नीचे जमीन में लगे हुए मिले होंगे उनकी संख्या कितनी है?

श्री महेन्द्र प्रताप सिंह : अध्यक्ष महोदय, ट्रांसफार्मर्स के आंकड़े अभी मेरे पास नहीं हैं। जहाँ तक 6833 ढाणियों की बात है। ये वे ढाणियाँ हैं जो सप्लेगेशन के माध्यम से अलग की गई हैं। उनमें अधिकतर के पास एग्रीकल्चर के लिए बिजली है और वे चाहते हैं कि उनको डोमेस्टिक बिजली अधिक मात्रा में मिले। कहीं ऐसा हो सकता है कि एक-एक या दो-दो घर की ढाणियाँ हैं जहाँ बिजली न हो और वे फ्रीजर अलग हैं।

श्री कृष्ण लाल पंवार : जो ये ढाणियाँ शामिल की गई हैं इनको किस क्राइटेरिया के तहत सिलेक्ट किया गया है और कितनी एप्लीकेशंस आई थीं?

श्री महेन्द्र प्रताप सिंह : अब तक 94 ढाणियों के निवासियों ने निगम के पास अनुमानित लागत की अपेक्षित राशि जमा करवा दी है। इसका क्राइटेरिया बिलकुल सीधा सा है कि जिस ढाणी में दस से ज्यादा की आबादी है यदि वे एप्लाइ करेगे तो उनको इस स्कीम में शामिल किया जा सकता है। इसमें आधा खर्च उनको देना होता है और आधा खर्चा सरकार देती है। इसके अतिरिक्त जिस ढाणी/डोरे में 100 आदमियों या उससे ज्यादा की आबादी है वे दूसरी स्कीम में कवर होती हैं।

**Mr. Speaker :** Hon'ble Minister when this scheme has been introduced?

श्री महेन्द्र प्रताप सिंह : सर, यह स्कीम सन 2011 में इंट्रोड्यूश की है।

**Mr. Speaker :** You mean to say that there was no such provision before this scheme.

श्री महेन्द्र प्रताप सिंह : जी सर।

श्री कृष्ण लाल पंवार : यदि कंजूमर ने ही पैसा देना है तो ये सेल्फ फाईनेंस स्कीम हो गई?

#### नियम 121 के अधीन प्रस्ताव

**Mr. Speaker :** Now, the Parliamentary Affairs Minister will move the motion under Rule 121 for the suspension of Rules 231, 233, 235 and 270 of Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly.

**PWD(B&R) Minister (Shri Randeep Singh Surjewala) :** Sir, I beg to move—

That the provisions of Rules 231, 233, 235 and 270 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly in-so-far as they relate to the constitution of the:-

- (i) Committee on Public Accounts;
- (ii) Committee on Estimates;
- (iii) Committee on Public Undertakings; and
- (iv) Committee on the Welfare of Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Backward Classes,

for the year 2011-2012 be suspended.

Sir, I also beg to move-

[श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला]

That this House authorizes the Speaker, Haryana Vidhan Sabha, to nominate the Members of the aforesaid Committees for the year 2011-2012, keeping in view the proportionate strength of various parties/groups in the House.

**Mr. Speaker:** Motion moved—

That the provisions of Rules 231, 233, 235 and 270 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly in-so-far as they relate to the constitution of the:-

- (i) Committee on Public Accounts;
- (ii) Committee on Estimates;
- (iii) Committee on Public Undertakings; and
- (iv) Committee on the Welfare of Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Backward Classes,

for the year 2011-2012 be suspended.

and

That this House authorizes the Speaker, Haryana Vidhan Sabha, to nominate the Members of the aforesaid Committees for the year 2011-2012, keeping in view the proportionate strength of various parties/groups in the House.

श्री रामपाल माजरा (कलायत) : अध्यक्ष महोदय, आपने जो कमेटीज के लिए प्रस्ताव पेश किया है इस बारे में मेरा सुझाव यह है कि लीडर ऑफ दि अपोजीशन और दूसरी पार्टीज के लीडरज से भी सलाह मशिवरा करके कमेटीज के मेंबर बनाये जायें। अध्यक्ष महोदय, कई बार जो मेंबर किसी कमेटी में बहुत कुछ कंट्रीब्यूट कर सकते हैं वे बंचित रह जाते हैं इसलिए सभी से सलाह मशिवरा करके ही कमेटीज के मेंबर बनाये जायें।

**Mr. Speaker :** Question is—

That the provisions of Rules 231, 233, 235 and 270 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly in-so-far as they relate to the constitution of the:-

- (i) Committee on Public Accounts;
- (ii) Committee on Estimates;
- (iii) Committee on Public Undertakings; and
- (iv) Committee on the Welfare of Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Backward Classes,

for the year 2011-2012 be suspended.

and

That this House authorizes the Speaker, Haryana Vidhan Sabha, to nominate the Members of the aforesaid Committees for the year 2011-2012, keeping in view the proportionate strength of various parties/groups in the House.

*The motion was carried.*

भूतपूर्व उपाध्यक्ष का अभिनन्दन

**PWD(B&R) Minister (Shri Randeep Singh Surjewala) :** Speaker Sir, I want to seek your permission to inform the House that Shri Gopi Chand Gahlot, former Deputy Speaker of the Haryana Legislative Assembly, is sitting in the V.I.P. Gallery. I welcome him on behalf of the House.

श्री अनिल विज : स्पीकर सर, मैंने एक कालिंग अटेंशन मोशन दिया था।

**Mr. Speaker :** The Minister has already made a statement regarding your Calling Attention Motion and I am satisfied with it. (Interruption)

**Shri Anil Vij :** But I am not Sir.

**Mr. Speaker :** But he has already made a statement.

श्री अनिल विज : सर, यह तो गलत है ऐसा आज तक नहीं हुआ।

**Mr. Speaker :** The Government has already constituted a Commission of Enquiry and the Minister has made a statement thereto.

श्री अनिल विज : सर, ऐसे कैसे स्टेटमेंट दे सकते हैं?

**Mr. Speaker :** He had made a statement under Rule 64. You may kindly read Rule 64.

**Shri Randeep Singh Surjewala :** Sir, I have made a statement under Rule 64 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly in the House.

श्री अनिल विज : सर, यह कैसे हो सकता है।

**Mr. Speaker :** You came in the well of the House. I did not know what you are saying.

श्री अनिल विज : सर, पहले तो आप हमें हाउस से बाहर कर देते हो फिर उसको पास कर देते हो।

श्री अध्यक्ष : मैंने तो आपको बाहर नहीं किया आप तो हाउस के अन्दर खड़े हो।

**Shri Randeep Singh Surjewala :** Sir, a Commission of Enquiry has been Constituted under the Commission of Enquiry's Act 1952.

श्री अनिल विज : स्पीकर सर \*\*\*

\* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

**Mr. Speaker :** No, nothing is to be recorded on this. As the Minister has already made a statement and there is no further discussion, required on that issue. Please resume on your seat.

**Shri Randeep Singh Surjewala :** Sir, once a Commission of Enquiry has been constituted under the Commission of Enquiry's Act 1952 and a Learned Judge of the Hon'ble High Court has been appointed to give his report within six months, more discussion can't be held in the House as per the Parliamentary practice. (Interruption)

**Mr. Speaker :** Hon'ble Members, there cannot be a discussion because an Enquiry Commission has been appointed and the Government has come up with an Ordinance on that issue and you cannot have a discussion here.

श्री अनिल विज : स्पीकर सर, (विघ्न)

**Mr. Speaker :** No, no, Mr. Vij, this is a very serious issue. Mr. Vij, you never satisfied but I am telling you one thing. (Interruption) When I called you, you started shouting. (Interruption) You started shouting. No discussion is required when ruling has come. (Interruption) O.K. I have already said what I wanted to say Hon'ble Members, now we will start discussion on the Governor's Address. Shri Venod Sharma, MLA may move the motion.

**Shri Venod Sharma :** Speaker Sir, (interruption)

श्री अनिल विज : स्पीकर सर, (विघ्न)

**Mr. Speaker :** Mr. Vij, I have given you lot of opportunities to speak.

श्री अनिल विज : स्पीकर सर, (विघ्न)

**Mr. Speaker :** Mr. Vij, you are a very talented MLA. Please be seated. Mr. Vij, I do not want that you shout. I will give you an opportunity to make your speech. Your time is complete now, please take your seat. Please sit down.

श्री अनिल विज : स्पीकर सर, मैंने इस बारे में एक कॉलिंग अटेंशन मोशन दिया था (शोर एवं व्यवधान) उसे आपने अलाऊ किया है। (शोर एवं व्यवधान)

**Mr. Speaker :** Mr. Vij, I have disallowed it. As the Minister has made a statement, now no question can arise. I think this is a very serious matter which needs to be investigated by the Commission of Enquiry and the Government's concern is very genuine. Before you came with the Calling Attention Motion the Minister had made a statement. Now, no further discussion is required on that issue. Before this could be taken up, Minister had made a statement. It dies on its death.

श्री अनिल विज : स्पीकर सर, आप खुद ही कॉलिंग अटेंशन मोशन को अलाऊ करते हैं और फिर खुद की डिस-अलाऊ कर देते हैं।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर सर, मेरे कॉबिल दोस्त को यह मालूम होना चाहिए कि कमीशन ऑफ इन्क्वायरी एक्ट there is no discussion possible now in the House because a High Court Judge is going to enquire into the issue.

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : स्पीकर सर, ऐसी बात नहीं है कि किसी मामले के सम्बंध में कमीशन की नियुक्ति हो जाने पर उस मामले पर थहां इस सदन में डिस्कशन नहीं हो सकती। (शोर एवं व्यवधान)

**Mr. Speaker :** No, no. A report will come and then we will discuss it. Let the report come. High Court judge is looking into this matter. (Interruption)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर सर, जब इन्क्वायरी एक्ट में हाईकोर्ट जज से इन्क्वायरी करवाने का डिस्मिशन लिया गया है तो उस कमीशन की रिपोर्ट आने से पहले क्या चर्चा हो सकती है? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अनिल विज : स्पीकर सर, इस प्रकार से हाउस नहीं चलेगा। (शोर एवं व्यवधान)

**Mr. Speaker :** Mr. Vij, you are such a seasoned Parliamentarian. If we discuss this matter in the House then what is the use of enquiry commission.

श्री अनिल विज : सर, मैंने अन-स्टार्ट क्वेश्चन दिये थे उनके रिप्लाय भी मुझे नहीं मिले हैं।

श्री अध्यक्ष : विज जी, मैं आपके क्वेश्चन देने के बाद स्पीकर बना हूँ और आज मेरा दूसरा दिन है। Now, please be seated.

श्री अनिल विज : स्पीकर सर, आपने लिस्ट किया है, मैं कुछ नहीं जानता, आपने लिस्ट किया है। (शोर एवं व्यवधान)

**Mr. Speaker :** Before that the Minister had made a statement. (Interruption) There is Rule 64 under which the Minister had made a statement and no further discussion is required on that issue because the matter has already been referred by the Government.

श्री अनिल विज : सर, यह तो षडयन्त्र होगा। (शोर एवं व्यवधान)

**Mr. Speaker :** In every thing you see a "Sadyantar". (Interruption) You are a very intelligent man. You are a very-very intelligent man and you do not want to waste the time of this House (Interruption)

श्री अनिल विज : स्पीकर सर, पहले आपने ही एडमिट किया था और अब आप ही अपना फेसला रिवर्स कर रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

**Mr. Speaker :** Mr. Vij, I do not expect that a good man like you do such things. (Interruption) Go back to your seat. I will give you so much time to ventilate you. (Interruption)

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, आप मेरी बात सुनिये।

**Mr. Speaker :** No discussion is required. Nothing is to be recorded. (Interruption)

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, \*\*\*

\* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

## राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा

**Mr. Speaker :** Shri Venod Sharma ji, please move the motion on Governor Address.

**Shri Venod Sharma (Ambala City) :** Hon'ble Speaker Sir, I beg to move—

That the Members of the Haryana Vidhan Sabha assembled in this Session are deeply grateful to the Governor for the Address which he has been pleased to deliver to the House on 4th of March, 2011 at 2.00 P.M. (Interruption)

**Mr. Speaker :** Vij Ji, Mr. Sharma has already started speaking. You will be given full opportunity. (Interruption) We will give you opportunity. (Interruption) आपको मौका मिलेगा। (विघ्न) कमीशन ऑफ इन्क्वायरी की रिपोर्ट आएगी तब देखेंगे। मि० अरोड़ा जी कह तो दिया कि आपको बोलने का मौका मिलेगा। (विघ्न)

**श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला :** अध्यक्ष महोदय, इनको हाई कोर्ट के जज के द्वारा करवाई गई इन्क्वायरी पर विश्वास है या नहीं? (शोर एवं व्यवधान)

**Mr. Speaker :** No, No. Please resume you seat. (Interruption) The Government had made a statement through his Minister. (Interruption) Mr. Vij please sit. Mr. Venod Sharma carry on, please.

**Mr. Venod Sharma :** Speaker Sir, Hon'ble Governor while addressing the Vidhan Sabha on 4th of March, 2011 in his Address has given complete pictures of the achievements of the Government of Haryana. In his Address, he has touched the policies of the Haryana Government. (Interruption)

(इस समय श्री अनिल विज और श्री रामपाल माजरा सदन की बैठक में आ कर बोलने लगे।)

**Mr. Speaker :** The discussion on the Governor's Address has started. Please resume your seat. (Interruption) Mr Vij please resume you seat. (Interruption) I think, the matter has already been settled. (Interruption).

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** आपने ही तो अलाऊ किया है और आप ही डिसअलाऊ कर रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

**Mr. Speaker :** This has not happened. The Minister had given the statement.

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अगर आपने किया है तो आप अपना फैसला कैसे बदल रहे हैं? आपका अपना फैसला है। (शोर एवं व्यवधान)

**Shri Randeep Surjewala :** Sir, High Court Judge enquire कर रहे हैं उनकी रिपोर्ट डिस्कस हो जाएगी। (शोर एवं व्यवधान)

**Mr. Speaker :** Will you kindly hear me? I expect you to hear. (Interruption) You do not want to hear me.

**श्री अशोक कुमार अरोड़ा :** अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी कह रहे हैं कि डिसकशन नहीं हो सकती। हम तो सिर्फ यह पूछना चाहते हैं कि डिस्कशन हो सकती है या नहीं हो सकती। (शोर एवं व्यवधान)



श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर सर, जब मामला कमीशन ऑफ इन्क्वायरी एक्ट, 1952 के अन्दर चला गया..... (शोर एवं व्यवधान)

**Mr. Speaker :** Mr. Vij, you do not want to hear my answer. (Interruption) You do not want to hear me. (Interruption) You had resumed your seat but now what happened again? What happened again, Mr. Vij? (Interruption)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, हाउस की वेलमें खड़े होकर माननीय सदस्य स्पीकर की चेयर को इस तरह से एट्रैस नहीं कर सकते। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आप सभी अपनी सीट पर जाइये। Go back to your seats. Rule 64 clearly states that a Minister has a power to make a statement and he has already made a statement that Government is going to constitute an Inquiry Commission and is looking into all aspects of this incident and thereafter no further discussion could be allowed. Therefore, if any, Calling Attention Motion was allowed, that is not required to be taken up now.

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, हाउस की वेल के अंदर खड़े होकर ये कुछ नहीं कह सकते। (शोर एवं व्यवधान)

**Mr. Speaker :** Once the ruling has come, it is not required to be taken up more.

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, आपने मेरा कॉलिंग अटेंशन मोशन लिस्टेड किया है या नहीं?

**Mr. Speaker :** Yes.

श्री अनिल विज : सर, क्या आप अपने ही फैसलों को रिवर्स करेंगे? (शोर एवं व्यवधान)

**Mr. Speaker :** Yes, I can because व्यवस्था आ गयी है। माननीय बौटाला जी, व्यवस्था आ गयी है। मिनिस्टर ने अंडर रूल 64 अपनी स्टेटमेंट दे दी है। इन्क्वायरी कमीशन कांस्टीच्यूट करने की इजाजत दे दी गयी है। अब हाई कोर्ट के रिटायर्ड जज इस मामले को देखेंगे। गवर्नमेंट ने इसको कितना सीरियसली लिया है अब यह क्लियर हो गयी है इसलिए अब इसके बाद इस मामले पर हाउस में डिस्कशन नहीं करनी चाहिए। Therefore, it is irrelevant.

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : अध्यक्ष महोदय, आपकी रूलिंग आ गयी है इसलिए अब इस पर डिस्कशन की जरूरत नहीं है।

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, फिर आपने मेरा यह मोशन आज के लिए लिस्टेड क्यों किया? (शोर एवं व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, क्या ये स्पीकर की रूलिंग को भी ऑनर नहीं करेंगे? अगर ये ऐसा नहीं करेंगे तो फिर हाउस कैसे चलेगा? मैं पहली दफा देख रहा हूँ कि स्पीकर की रूलिंग आने के बाद his ruling is being questioned that is not required. अध्यक्ष महोदय, यह मैं पहली दफा देख रहा हूँ कि स्पीकर की रूलिंग पर क्वेश्चन हो रहा है। पहले हाउस में इस तरह की बात नहीं होती थी।

**Mr. Speaker :** The Leader of the House is speaking. Please take your seats.

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, इस पर डिस्कशन रिक्वायर्ड है या नहीं, इसकी आप रूलिंग दे दें। आपकी रूलिंग पर कोई क्वेश्चन नहीं है।

**Mr. Speaker :** Already my ruling has come. No discussion is required.

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, इतने बेगुनाह मारे गए और सरकार इस मामले पर चर्चा तक नहीं करने देना चाहती है। (शोर एवं व्यवधान) ये इस मामले को दबाना चाहते हैं। ये डिसकशन नहीं होने देना चाहते।

**Mr. Speaker :** Do you want to question my ruling ?

श्री अनिल विज : आपने मेरे कालिंग अटेंशन मोशन को लिस्ट किया है and you have admitted it. क्या मनमर्जी चलेगी? (Interruption)

**Mr. Speaker :** Mr. Arora, you have been in this Chair. You should respect for the Chair. (Interruption) Mr. Barshami, you are such a learned person, please sit down. My ruling has come. Please resume your seats. (Interruption) Mr. Vij, you are compelling me to name you. (Interruption) You are defying the Speaker. My ruling has come. You want to question my ruling. (Interruption) You say that.

**Shri Bhupinder Singh Hooda :** Speaker Sir, nobody can question your ruling. You have already given the ruling. Further no discussion is required now. (Interruption)

**Mr. Speaker :** No further discussion is required. Please resume your seats. It is a very important matter. A retired High Court Judge will look into it. Mr. Vij, please resume your seat. I will talk to you separately. Please take your seat.

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी सीट पर चला जाऊंगा लेकिन आप मुझे अपनी बात तो कहने दें।

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, मिनिस्टर साहब ने कहा है कि इस पर डिसकशन नहीं हो सकती। हम आपकी व्यवस्था चाहते हैं। अगर मिनिस्टर रॉंग स्टेटमेंट देगा तो क्या ठीक है ?

**Mr. Speaker :** Alright, do you want my Vayavastha?

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, मिनिस्टर रॉंग स्टेटमेंट दे रहे हैं और उस पर आम हमारी बाल भी नहीं सुन रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : मेरी सभी माननीय सदस्यों से प्रार्थना है कि वे अपनी-अपनी सीटों पर चले जाएं। सदन में व्यवस्था बनाए रखें। (शोर एवं व्यवधान)

#### वाक आउट

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, आप इस विषय पर बार-बार अनुरोध के बावजूद हमारी बात नहीं सुन रहे हैं इसलिए हम ऐज ए प्रोटेस्ट सदन से वाकआउट करते हैं।

(इस समय इंडियन नेशनल लोकदल के सदन में उपस्थित सभी सदस्य एवं शिरोमणि अकाली दल के सदस्य श्री चरणजीत सिंह रेवाड़ी के गांव हॉट चिल्लड़ में सिखों के हत्याकांड संबंधी श्री अनिल विज द्वारा दी गई ध्यानाकर्षण सूचना संख्या 9, जो 7.3.2011 के लिए स्वीकृत कर ली गई, को पढ़ने की उन्हें अनुमति न दिये जाने के अध्यक्ष महोदय के निर्णय के विरोध में सदन से वाकआउट कर गए।)

**Mr. Speaker :** Now, listen to me. (Interruption) Mr. Vij is not going with you. मिस्टर विज ये सारे चले गये और आप रह गए। वे क्या कर रहे हैं और आप क्या कर रहे हो ?

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, यह एक व्यवस्था का प्रश्न है। आप इस बारे में व्यवस्था दें।  
(शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आप उनके साथ नहीं हैं क्या? (विघ्न) Alright, you may resume your seat.  
Mr. Vij, resume your seat. Mr. Venod Sharma, please carry on.

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, आप इस विषय पर हमारी बात नहीं सुन रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : विज साहब, आप अपनी सीट पर बैठ जाएं।

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, रिपीटेड रिक्वेस्ट के बावजूद हमारी बात नहीं सुनी जा रही है इसलिए हम सदन से ऐज ए प्रोटेस्ट वाकआउट करते हैं।

(इस समय भारतीय जनता पार्टी के सदन में उपस्थित सभी सदस्य रेवाड़ी के गांव होंद चिल्लड़ में सिखों के हत्याकांड संबंधी श्री अनिल विज द्वारा दी गई ध्यानाकर्षण सूचना संख्या 9, जो 7.3.2011 के लिए स्वीकृत कर ली गई, को पढ़ने की उन्हें अनुमति न दिये जाने के अध्यक्ष महोदय के निर्णय के विरोध में सदन से वाकआउट कर गए।)

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भण)

**Shri Venod Sharma :** Speaker, Sir, the policies of our Government have been mentioned in the Hon'ble Governor's Address. I will briefly touch the policies of the Government in regard to Agriculture, Land Administration, Power, Rural Development, Education, Sports, Welfare of Scheduled Castes and Backward Classes, Industry and Commerce. Quite briefly, I will go through this. But to begin with, I will compliment the Government for achieving the status of No.1 State by Haryana. Though the Opposition Members, part of Haryana, are unable to digest it, at many occasions, they call it that Haryana is not No.1. But it is not me who is saying it. I will just quote from the Governor's Address—

“As per the latest research study report of National Council of Applied Economic Research (on Per Capita Net State Domestic Product) for major States at constant price of 1999-2000” Haryana ranks at No.1. The per capita domestic product of the State ₹ 59008 at prices of 2007- 2008 has been adjudged the highest among the State.”

It is not the compliment from myself, but the Prime Minister of the country has also written a letter to the Chief Minister saying—

“I have received your letter of 15th February, 2011 about the study report of the National Council for Applied Economic Research. I take the opportunity to congratulate you and your team of officers for ensuring highest per capita GSDP in the country while delivering equitable distribution of wealth.”

Now, I think this will clear the mists from the minds of the people sitting on the Opposition Benches and I think we should all be proud of it. I will call upon my

[श्री विनोद शर्मा]

hon'ble friends from Opposition Benches that they should also give a little thumping to his message. (Interruption) Thank you so much.

I would further go that there are policies which make a State as front-runner. And those policies, if adhered to properly and with dedication and sincerity, will bring the State to No.1 and that is what has been happening in the past six years. Some of the policies like Agriculture Policy of the Government, the Agriculture Policy of the State of Haryana is one amongst the best. It is not less than any other State. I would just quote a few sentences which have been addressed by the Hon'ble Governor—

“The Government has taken a number of effective steps for sugarcane cultivation. The State Advised Price for sugarcane of early, mid and late maturing varieties has been fixed at ₹ 220, ₹ 215 and ₹ 210 per quintal respectively.”

16.00 बजे It is not only the sugarcane but other commodities also. In the past whenever there was a need, the Government has come to the rescue of the farmers. Lately, when there were floods in the State many areas of many districts covered by the water and the farmers had to suffer damage to their crops, the Government had taken immediate steps and sent their officers to see what is the extent of damage to the crops because of the floods. After ascertaining the damage to the crops, immediate steps were taken for distribution of money to the farmers who had lost their crops because of the floods. It had never happened in the history of Haryana. Earlier a meagre amount used to be given to the farmers as compensation. Sometimes it was in few rupees per acre, sometimes it was hundred rupees per acre, sometimes it was two rupees per acre, given by the previous Government to the farmers as compensation. This time more than five thousand rupees per acre have been given for crops which were damaged during the floods.

Speaker Sir, Government is duly concerned about the marketing facilities for the farm produce. I want to make stress on this point especially for the vegetables that are produced by the farmers, are not getting the remunerative price. When the farmers take vegetables to the mandis, the people sitting there in the mandis get more price than the farmers. If a price is fixed by a farmer, it gets doubled in the mandis. The product which has been sold for two rupees by the farmers, it again sells for four rupees in mandis and then it sells for ten rupees in the market. To ensure that the market prices are to be given to the farmers, the Government has taken steps. The Centre of Excellence for Vegetables has recently been established at Gharaunda in Karnal. A similar centre is being set-up for fruits in Sirsa. These two Indo-Israel projects have been sanctioned by Government of India under the National Horticulture Charan Singh Haryana Agricultural University, Hisar. Further, Government is duly concerned with these matters and a State-of-the-art Terminal Market is being set up at Gannaur in Sonapat district on about 500 acres of land with an investment of ₹ 800 crore. The mandi will have modern facilities of grading, sorting and packaging etc. This will, to some extent solve the problems of the farmers because their produce will

be graded and they will be getting remunerative price. They will not be in hurry to sell their produce with a fear that it may not get damaged.

Speaker Sir, as policy of land acquisition is concerned, my learned friends have been clamouring about the policy of the land acquisition, the land reforms and the land management. I will take little more time on this. The policy of land acquisition is not a new policy. Policies are formulated by the Government; and the previous Government had also formulated it. There are some amendments in the policies at a given point of time. The policies which were formulated earlier while acquiring land in lieu of the acquisition compensation paid to the farmers, is a big question today. It is the question in the minds of the Opposition Members. I am not questioning what they want to know? I would like to clear to them. May be they do not understand the policy in its right perspective, may be they are not well informed about the policy. I would like to bring this to the notice of my friends. I would like to tell them what is the policy and what happened during that time and what is happening today. The policy of Haryana has been widely clean than other States. Many leaders and many luminaries of this country have said "Haryana's Acquisition Policy is one of the best in the country." I will give few figures about this policy. Speaker Sir, while talking about acquisition of land policy, I will go back in the year 2003, 2004 and 2005. I will just bring out through you certain aspects of this policy.

The present Government inherited a legacy in respect of land acquisition where the notification had been issued indiscriminately, without any sensitivity to the built up structures or commitments already made by way of grant of CLUs before issue of Section 4 Notifications. The present Government is still engaged in litigation arising out of some of such acquisition initiated by the INLD Government. Speaker Sir, one of the first steps taken by the present Government in this regard soon after assuming office, was the prescription of fixing of minimum floor rates in different areas while acquiring the lands. I give you a table about the urbanization areas in Gurgaon. In the beginning, on 28th of April, 2005, the Government had prescribed the rates. Unurbanisable area of Gurgaon basic minimum floor rate was ₹ 15 lacs solatium was 30%, interest as per law for 2.5 years was ₹ 4.5 lacs and total amount was ₹ 24 lacs. Similarly in other areas the ratio was fixed. But while looking into the difficulties, the Government came up with another policy effective from 7th of September 2010 which has been hailed as a model policy at the national level also. This is indicative of gross amount of compensation amount payable to the farmers as per the latest policy. I will just read it out.

(i) Land situated within the notified limits of Gurgaon area Municipal Corporation ₹ 40 lacs. (ii) Solatium 30% that is well back amounts under Section 23(IA) for 30 months is ₹ 12 lacs and (iii) No litigation incentive i.e. @ 20% of the Floor Rate is ₹ 8 lacs. It comes to ₹ 72 lacs per acre.

Now, I will just not go in details. I would like to compare some of the acquisitions made by the previous Government in regard to Bahadurgarh, Narwana, Saha and Manesar. In 2003-2004, 710 acres of land was acquired in Bahadurgarh @ of ₹ 8,60,000 per acre, whereas the present Government has acquired land 176

[श्री विनोद शर्मा]

acres of land in 2007- 2008 @ ₹ 24 lacs of rupees per acre. In Narwana 108 acres of land was acquired in 2004-2005 @ ₹ 3,90,000 per acre. And whereas the present Government when Narwana is not there--I am sorry. But in Saha 410 acres of land was acquired by the previous Government at ₹ 2.94 lac per acre whereas by the present Government, the land has been acquired in 2008-09 before the due policy has come up in 2010 and the rate was ₹ 14,68,000 per acre. In IMT Manesar 256 acres of land @ 6 lacs per acre was acquired in the year 2003. It is pertinent to mention here that what is the increase in rates of the land. If I carefully go into it, I would see that the land acquired for IMT Manesar in 1997, the rate was ₹ 6,59,000 per acre. But in phase-II in 2003, 6 years later, the same land in the same place was acquired @ ₹ 6,35,000 per acre not increasing the money to be given to the farmers but decreasing by twenty four thousand rupees. In 6 years' time the previous acquisition of the land was at a rate which was higher than the land acquired 6 years late. So, this is how the Government was functioning at that time? Now, there is no place where we can say today if we are paying ₹ 72 lacs of rupees in Gurgaon, whereas, at that time in Manesar, only @ ₹ 6 lacs were being paid. As a matter of fact the Government has acquired about 3770 acres of land for KMP express highway also.

**Mr. Speaker :** Mr. Sharma you are talking about KMP Expressway. At what rate it was acquired?

**Shri Venod Sharma :** I will come to that. About 3,770 acres of land has been acquired for the KMP Expressway. The compensation paid for about 18 acres of land acquired in December 2004(near Kundli, Sonapat) was only ₹ 11.00 lakh per acre. That is a specific land. Since the balance acquisition was completed during the tenure of the present Government, the average gross compensation was paid at ₹ 19.19 lakh per acre for the entire stretch. (Interruption)

**Mr. Speaker :** Are you aware what was the total benefit to the farmers?

**Shri Venod Sharma :** Yes. It covered entire... (Interruption) Now, looking into this policy of Haryana, as a trend-setter policy, some of the Governments in other parts of the country like Uttar Pradesh have been following this policy. Some of my friends have been saying that their (Uttar Pradesh) policy is good. If there was a difference and their policy is good, I would have admitted it but I would not have said, "It is not." because I would always see that the Government has to look into the interests of the farmers. Government has to look into the interests of its subjects, may be a farmer, may be a labourer, may be a student, may be anybody. They have to look into their interests. Now, I give a small comparison of Uttar Pradesh's policy or Haryana's policy. The much stated annuity being announced by Uttar Pradesh - No. We had announced the annuity into 2007-08 and the Uttar Pradesh has announced annuity now in 2010. Now, what they are doing? They have just followed the model of Haryana. They are following the policy of the Haryana as far as land acquisition is concerned. The State of UP has provided for grant of annuity amounting to ₹ 20,000/- per acre per annum for a period of 33 years with a fixed increase ₹ 6000/- every year, where in Haryana annuity amounting to ₹ 21,000/- per acre per annum payable

for a period of 33 years with a fixed annual increase of ₹ 750/- which in some cases is more also. This is what maximum they are giving. But in some cases it is more. The Haryana Government does not acquire the land for private companies. However, wherever any such acquisition is found absolutely justified for the purposes of contiguity of projects. The Haryana policy provides for payment of annuity at the double rates i.e. ₹ 42,000/- per acre per annum with a fixed annual increase of ₹ 1500/- and the annuity to be paid to the farmers every year. The increase will be payable for a period of 33 years in the shape of payment to the farmers. This is a difference. (Interruption.) I am coming to that also. Even the possible Jobs (Interruption) I will come to the point that how many residential plots... (Interruption)

**Mr. Speaker :** Let him carry on. (Interruption)

**Shri Venod Sharma :** Likewise UP policy, the utilization of land acquired for 'residential scheme', 17.5% of the residential plots in such scheme shall be reserved for the affected farmers. Some of the plots are being reserved for the affected farmers in 'residential scheme' as in residential zone for residential purposes and so has been done by the Haryana Government. At the larger scale, the percentage of reservation of areas is more than what the UP Government is giving. Then there is a policy of rehabilitation. Plot sizes in Haryana State Government - the plot sizes they are giving only about 100 yards of plots. But in Haryana, the plot sizes vary from 90 sq. mtrs. to 450 sq. mtrs. linked with the size of land acquired. For instance, in case of a co-sharer whose acquired land is more than one acre, he is entitled to a residential plot of 450 sq. mtrs. Whereas in the case of land owner whose share of acquired land is upto 500 sq. yards, he is entitled to a residential plot of 90 sq. mtrs. Further, each of the co-sharers in a landholding is entitled to this facility. Thus, the Haryana policy ensures allotment of a residential plot to each and every co-sharers. If there are many co-sharers in a particular block of land, every co-sharer has the right to get a plot in lieu of the land which has been acquired by the Government. While the residential plots in the case of land acquired for the purpose of Government development projects e.g. land acquired for the roads, canals, water works etc. these are allotted on the cost basis. But the residential plots in land acquired for HUDA, HSIIDC and HSAMB. There are to be allotted at 20% lower than the general allotment price whatever is the general allotment price, for everybody in the State. These people have to be allotted plots at 20% less than that. Sir, I will not be wasting the time of the House by going into details because there are so many things which will take about two hours to compare all the aspects of the policy. But this is a known fact that the policy promulgated by the Haryana Government, brought into existence by the Haryana Government. I must compliment the Chief Minister and his Government for taking these decisions and bringing these policies which are farmer- friendly and which are people- friendly also, that I would like to add to it. The Chief Minister has said somewhere and I know him. I and the way, he conducts himself. He has said that if still there is any problem, if there is any need to amend the policy, if something has to be done to look into the problems which are being faced by the farmers today, he is not running up. He is agreeing to that if there is a need to do something, we will certainly do it which will make it a more comprehensive policy for the benefit and

[श्री विनोद शर्मा]

upliftment of the people of Haryana. It is not a rigid policy. It is not a policy which is once made and it is continuing for all the times to come. This policy can be considered. My friends can give their suggestions. The Haryana Government, the Chief Minister, is always agreed to the suggestions given by the hon'ble friends from the Opposition. (Interruption) Sir, in the last Session, the Government had come out because there was a burning question at that time. You were also sitting here in these Treasury Benches. At that time you were not the Speaker. You raised one question for the people of Haryana and that was more concerned about those people who were given lands like Dholdars, Bhondedars etc. They were owning lands gifted to them for the services rendered by them to the society. But they were, in fact, not owners in the revenue records. So, the Bill was passed here which has become an Act and assent has come from the Hon'ble President of India. I will compliment and congratulate the Government on bringing and looking into the difficulties being faced by 42,000 families in Haryana and more than 40,000 acres of land which they were owning for centuries together but were not able to call it own land because they could not have dispensed with the land. (Interruption) जिसने भी खरीदी है उसका नाम आप लाईए और उसके ऊपर जो भी एक्शन होता है को करवाईए। (विघ्न) I am saying जिसने खरीदी है उसके ऊपर एक्शन हो। हमें कोई एतराज नहीं। (विघ्न) थोसा चना बोले घना। जो ज्यादा बोलता है शायद वही बना रहा होगा। (विघ्न) I am saying it here. Before or after you are at liberty to come out with it and if you come out with it, I promise you . . . (Interruption) but do not make remarks which are not sustainable. Your remarks are not sustainable.

**Mr. Speaker :** Mr. Barshami do not make running commentaries while you are in seat. Please, it doesn't look nice.

**Shri Venod Sharma :** Please don't give remarks which are not sustainable. Yours remarks are not sustainable. Please do not mislead the House.

**Mr. Speaker :** Mr. Sharma, you may continue your discussion.

**Shri Venod Sharma :** Sir, we congratulate you for that and now there are two three issues, which have been bothering the people of Haryana particularly the power. The previous Governments did not take care of the power situation in the State. Had they done it? If they had done it, we would not have faced these difficulties. But thanks to the present Government. The Government was alive to the problems of the people as far as the power is concerned. I would like to tell you that in previous six years the generation capacity of 5000 M.W. in public and Private sectors has been initiated which will be part of the grid in the near future. At present, an average daily basis, 903 lacs units of power are being supplied against 578 lacs units earlier supply. So, my friends do call it. Power situation in the State is back. They say that the farmers are not getting regular supply. But the figures are with me. There is difference between 578 lac units and 900 lac units. So let's call 600 lac units or 900 lac units. So, 1.5 times more power is being supplied today in the Haryana in comparison to the previous Government. I can say that and we can accept that it is not sufficient but the Government is doing its utmost to bring more power to the State. Government has been buying



more power at very high rate when it is required during the months at the rate which is mind-blowing so that the farmers of Haryana shall not suffer as they had suffered in previous Governments. This is their endeavour to see that whatever possible can be done to supply power to the people, they will do. Now, there are several units of power which are available. All the generation projects are progressing well. Both the units of 1200 MW Rajiv Gandhi Thermal Power Project at Khedar, Hisar were commissioned in April 2010 and October 2010. I think there was a time when in the six years time not even 1200 MW have been added to the grid, but here we are adding 5000 MW power. So, being in Opposition doesn't mean we are supposed to oppose everything. You are welcome to oppose on an issue which is supposedly where it needs your opposition but where we are coming out with constructive programme, I expect from you that you also come along with us. While building Haryana, we all should join hands, we should all work for building of Haryana.

**श्री कृष्ण लाल पवार :** अध्यक्ष महोदय, आन ए प्वायंट ऑफ आर्डर सर। जैसा कि माननीय सदस्य पवार जनरेशन के बारे में बड़े बुलंद दावे कर रहे हैं तो मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि जब माननीय मुख्य मंत्री जी महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण का जवाब दें तो यह भी बतायें कि फरीदाबाद थर्मल पावर प्लांट की 3 यूनिट बन्द कर दी है, उसका क्या कारण है?

**Mr. Speaker :** Mr. Sharma, he wants to know something.

**Shri Venod Sharma :** Sir, he can put this question in question hour so that reply could come. I am not supposed to give reply on this.

**श्री कृष्ण लाल पवार :** अध्यक्ष महोदय, मैं फरीदाबाद थर्मल पावर प्लांट की बंद की गई यूनिटों के बारे में पूछना चाहता हूँ।

**Mr. Speaker :** Are you sure that this is a point of order? (Interruption)

**Shri Venod Sharma :** I will not cross my limits. (Interruption)

**Mr. Speaker :** O.K. Mr. Sharma you may continue your speech.

**Shri Venod Sharma :** Rural Development is a very interesting subject for everybody. In Rural Development, I will touch briefly three points. 3.40 lac families of Scheduled Castes, Backward Classes and BPL families have been added under the Mahatama Gandhi Gramin Basti Yojana and free residential plots of 100 square yards have been allotted to them. This work of allotment of such plots to the remaining eligible families is also in progress. Under the Indira Awaas Yojana, 10476 houses have been constructed and 10132 houses are under construction.

Sir, education is a sensitive subject and I am not going into the figures. I think the most important is education for any country or may be for any State. In many fields we have excelled. There are some educational hubs for education. Some universities are being built in the State. Thousands of teachers have been recruited. The Government wants to impart education but at the same time the Government is looking for avenues with technical education which can be provided to many students so that after acquiring education they should not be looking here and there for jobs.

[श्री विनोद शर्मा]

So, education meaning has changed now. As far as I remember when we were in schools and college we used to say "Let's go to the college to become a graduate". It was a thought in common that it is to be enough that I have become a graduate. And even in villages, matriculation was considered to be an education that, "I am a matriculate." At the best we go to the universities, If I get good marks, I will be joining some good courses, if the marks used to be less than 50%. Today, you get admission into a law college, If you get more than 70% marks and during those days if you get less than 50% marks you should be there and get a chance of admission in Law College. My friend is laughing on me. He is laughing over it but it is a truth. But what I want to bring forth is that time have changed. Everything is becoming global. The competition is there and in coming years the competition is going to increase. We must go for technical education. Technical education makes us learn to work by hands. It is a property of India. People used to say that there are so many people in India. I think there are 110 crore people in the country. At one point of time, it was sought that population is more. Today if we put them into some work, if we can use those 220 crore hands then possibly we will achieve our target of becoming one of the greatest economies of the world. While country is moving forward towards that side, the States must also go towards that side. Look into the another factor which is also there. Speaker Sir, the boy comes from a village, he had an education from a Government School. He finds it difficult when he goes for interview. He finds it difficulty when he goes for written exam for competitions because there are two different kind of education systems in cities and villages. The uniform education system must be there and a level playing field for all children must also be there so that they can have an access to all the knowledge which is available to other person. It should be available to everybody. I think Government will also look into it and I am sure with the progressive mind Government like today's Government, this will not be a difficult task. Sir, I would straight way come to the point. I think, I have taken a lot of time. I would straight way come to a particular question which has been agitating in the minds and I must compliment the Government and the Chief Minister and congratulate him on appointing an Enquiry Commission to go into the incident of Chillar Village in District Rewari. It will agitate any sane person's mind. Nobody has a right to do such an act. 20 people killed, 11 missing, it is such a dastardly act which shows the barbarian mind set of the people who did it. I am sure that the commission will come out with its findings. I do not want to discuss it. I do not want to go into the depth. I am only saying that this was an inhumane act which put us to shame. This should not have happened. This shall never happen. Thank you very much.

श्री आफताब अहमद (गृह) : स्पीकर साहब, मैं सबसे पहले राज्यपाल महोदय द्वारा दिनांक 4 मार्च, 2011 को दिये गये अभिभाषण पर आप प्रस्ताव को संकेण्ड करता हूँ। हरियाणा की हिंदुस्तान के राज्यों में जब गिनती और श्रेणी की बात आती है तो उसमें हम ये बात गर्व से कह सकते हैं कि उसमें हरियाणा का स्थान बहुत ऊँचा है। (विघ्न) जो स्टेट ग्रॉस डोमैस्टिक प्रोडक्ट हैं उसमें 9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इसके साथ-साथ जो पर-कैपिटा इंकम के मामले में अन्य राज्यों की तुलना में अधिक वृद्धि दर आई है वह 7.2 प्रतिशत है। इसी तरह से हम रेवेन्यू रिसीट्स को अगर देखें तो

उसमें भी 23.7 प्रतिशत की वृद्धि दर 2010-11 में दर्ज हुई है, जो कि वर्ष 2009-10 में 13.8 प्रतिशत की दर से थी। यह डेटाज ये दर्शाते हैं और इन्हीं के बल पर हम यह दावे करते हैं कि हरियाणा प्रदेश विकास और तरक्की के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। हरियाणा प्रदेश में कांग्रेस की सरकार लगातार छह वर्ष पूरे करने जा रही है। मैं इस पर आदरणीय मुख्यमंत्री जी को बधाई देता हूँ। पांच मार्च, 2005 को हमारी सरकार का गठन हुआ था और 7 मार्च, 2011 है। यह हमारी नीतियों का ही परिणाम है कि हरियाणा की जनता ने हमें फिर से जनमत दिया है और हम फिर से सत्ता में आए हैं। हमारा किसी अन्य दल से गठजोड़ नहीं है। हम संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी के प्रगतिशील मार्गदर्शन और प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के कुशल नेतृत्व में हरियाणा प्रदेश को तरक्की और खुशहाली के रास्ते पर आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। चाहे वह कृषि का क्षेत्र हो, चाहे शिक्षा का क्षेत्र हो या स्वास्थ्य का क्षेत्र हो, बिजली का क्षेत्र हो, ऊर्जा का क्षेत्र हो या सिंचाई का क्षेत्र हो, हर क्षेत्र में हरियाणा प्रदेश आगे बढ़ रहा है। हरियाणा एक कृषि प्रधान प्रदेश है और कृषि की ओर हमारी सरकार का विशेष ध्यान रहता है। उसी का नतीजा है कि किसानों से संबंधित जो समस्याएं हैं उनके लिए एक कृषि वैज्ञानिक की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री महोदय ने किसान आयोग का गठन करने का फैसला किया है। यह किसानों की समस्याओं के हल की दिशा में एक बहुत ही लाभकारी कदम साबित होगा। इसी तरह से हमारे प्रदेश में गन्ने की खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। गन्ने की फसल का सबसे ज्यादा दाम हमारे हरियाणा प्रदेश की सरकार द्वारा किसानों को दिया जाता है। इसके अतिरिक्त हमारे हरियाणा प्रदेश में किसान जो अन्य जिस बोते हैं जैसे चावल, गेहूँ या बाजरा की फसल बोते हैं, उनको भी पूरे देश की तुलना में सबसे ज्यादा दाम दिया जाता है। इसी के साथ-साथ सहकारी क्षेत्र में जो केन्द्र का आम बजट पेश हुआ है उसमें सारे देश में हमारे हरियाणा की तर्ज पर ब्याज की दर से 4 प्रतिशत की है जो सबसे पहले हरियाणा ने लागू की थी। इसी तर्ज पर केन्द्र सरकार ने उसका अनुसरण करते हुए और हमारी इस नीति को सराहते हुए पूरे देश में इसे लागू किया है। यह अपने आप में एक मिसाल है और दर्शाता है कि सरकार किसानों को ऋण सबसे कम दर पर देना चाहती है। इसके साथ-साथ हमारी सरकार ने सिंचाई के मुद्दे पर भी काफी ध्यान दिया गया है। जैसे कौशलया डैम, यमुना नदी पर रेणुका, किशाऊ और लखवार ब्यासी डैम और हमारे जिले मेवात में फीडर कैनाल परियोजना को पूरा करने के लिए सरकार प्रयास कर रही है। हम उम्मीद करते हैं कि हमारे कृषि प्रधान प्रदेश में सिंचाई की पूरी व्यवस्था सुनियोजन करने के प्रयास किये जा रहे हैं। जिससे हरियाणा में पानी की व्यवस्था तमाम इलाकों में पूरी तरह से समुचित कर सके। इसके साथ-साथ जो जल संरक्षण की बात है। मुख्य जलाशयों का जीर्णोद्धार करने का सरकार का प्रस्ताव है जिनमें कुरूक्षेत्र की बीबीपुर झील, सिरसा की ओटू झील, रेवाड़ी के मसानी बैराज का जलाशय, झज्जर की भिण्डावास झील और मेवात की कोटला झील को विकसित करने की बात हो। हम भी चाहते हैं कि जल्दी से जल्दी इन जलाशयों को विकसित करके किसानों को जितने पानी की आवश्यकता है वह उनकी पूरी कराई जाए। उसी तरीके से पण्डित जी ने बहुत विस्तार पूर्वक बताया है। जहाँ तक लेण्ड एक्विजीशन पॉलिसी के बारे में हाउस में बताया। इसके बारे में मैं तो एक उदाहरण बताना चाहता हूँ कि पिछली सरकार ने हमारे यहाँ 135 किलोमीटर का के.एम.पी. बनाना था यह पाँच जिलों सोनीपत, झज्जर, गुड़गांव, मेवात और पलवल में से होकर जाना था। उसके लिए पिछली सरकार लोकदल की सरकार ने एक्विजीशन करने के लिए कम्पन्सेशन देने का प्रोजेक्ट बनाया था जो इन पाँच जिलों के किसानों को मिलने वाली राशि थी वह सिर्फ 150 करोड़ रुपये थी लेकिन हमारे

[श्री आफताब अहमद]

मुख्यमंत्री जी की सरकार आने के बाद इस जमीन का भाव 150 करोड़ रुपये की बजाए 600 करोड़ रुपये किया गया यह अपने आप में एक रिकार्ड की बात है। इस सरकार के समय में किसानों को लैण्ड एक्विजीशन की सबसे ज्यादा राशि मिली है। इसी के साथ शिक्षा के क्षेत्र में हमारे प्रदेश में जो ऊंचाईयां हुई हैं और हमारे मुख्यमंत्री जी के कुशल नेतृत्व में जो अभूतपूर्व कदम उठाया है। चाहे ईट भट्टे, निर्माण स्थल और स्टोन क्रेशर पर काम करने वाले कामगारों के बच्चों को कार्य स्थल पर शिक्षा प्रदान करने की बात हो, चाहे मिड डे मिल स्कीम जो पहली कक्षा से पांचवी कक्षा तक थी उसे अब पहली कक्षा से आठवीं कक्षा तक करने का प्रावधान किया गया है। वर्ष 2010 में 13000 स्कूली शिक्षकों की भर्ती करने का काम अपने आप में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है जो यह दर्शाता है कि यह सरकार स्कूली शिक्षा गरीब बच्चों को देना चाहती है और उसको कितना आगे बढ़ा रहे हैं। उसको और मजबूत करने की सोच रहे हैं। तकनीकी क्षेत्र में पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप में जो हमने नई आई.टी.आई.ए. खोली है उनसे आनेवाली पीढ़ी को रोजगार के नये अवसर मिलेंगे। जैसा कि औद्योगिकरण हो रहा है उससे वे नौकरी के लिए तकनीकी शिक्षा हासिल करके अपने जीवन में आगे बढ़ सकेंगे। इसके साथ-साथ हम हरियाणा की खेल नीति का उल्लेख करें बिना हम नहीं रह सकते क्योंकि हरियाणा में वर्ष 2010 में चाहे कॉमन वेल्थ गेम्ज हों और चाहे एशिया गेम्ज हों उसमें हमारे खिलाड़ियों का प्रदर्शन देखें तो उसमें हमें गर्व होता है। हरियाणा में जिस तरह की खेल नीति का हमारी सरकार ने अनुसरण किया है और खिलाड़ियों को जिस प्रकार की फेसीलिटीज प्रोवाइड करवाई गई हैं उससे हरियाणा का नाम देश में ही नहीं बल्कि विश्व में अग्रणी हुआ है। हमें गर्व है कि हम खेलों के मामले में इतना आगे बढ़ सकें। अध्यक्ष महोदय, इसी तरीके से चिकित्सा की बात करें तो हमारा जिला पिछड़ा हुआ जिला है। हमारे यहां 678 करोड़ रुपये के मेडीकल कालेज की स्थापना हमारे मुख्यमंत्री जी के प्रयासों से ही हुई है जिसके लिए हम मुख्यमंत्री महोदय को मुबारकबाद देते हैं। इसके साथ-साथ करनाल का मेडीकल कालेज हो, सोनीपत का खानपुर मेडीकल कालेज हो या अन्य चिकित्सा सुविधाओं को मजबूत करने की बात हो तो हरियाणा पहल कर रहा है ताकि गरीबों को और असहायों को बेहतर से बेहतर मेडीकल फेसीलिटीज मिल सके। अध्यक्ष महोदय, हमारे जिले में पीने के पानी की समस्या बहुत पुरानी है। राजीव गांधी पेयजल योजना के तहत 245 गांवों को ट्यूबवेल सौगमेंट के तहत और 258 गांवों को रेनीवल स्कीम के तहत 300 करोड़ रुपये की राशि से हमारे जिले को पीने का पानी दिया गया है। यह अपने आप में एक ऐसा कदम है जिसके लिए हम सरकार की सराहना करते हैं। अध्यक्ष महोदय, महेन्द्रगढ़ जैसे जिले में भी इस तरह की योजना अनुमानित हो चुकी है। अध्यक्ष महोदय, जहां पीने के पानी की कमी है वहां सरकार का जो प्रयास है उसके लिए हम सरकार की सराहना करते हैं। अध्यक्ष महोदय, समाज कल्याण की बात करें तो हमारी केंद्र सरकार ने हमारे बुजुर्गों के लिए 65 साल की बजाय 60 की उम्र का क्राइटेरिया वृद्धावस्था पेंशन लेने के लिए तय किया है। यह क्राइटेरिया हरियाणा में पहले ही हो चुका है। सेंटर ने अपने बजट में हरियाणा के इस बिन्दु को सराहते हुए कहा है कि जो 60 साल की उम्र का क्राइटेरिया हमने किया है उसे हरियाणा पहले ही कर चुका है। समाज कल्याण की बात करें तो हमारी सरकार पेंशन पर 1557 करोड़ रुपये की राशि खर्च करती है। यह अपने आप में एक ऐतिहासिक कदम है। मुख्यमंत्री जी ने समय-समय पर जो सम्मान पेंशन को बढ़ाया है वह भी एक सराहनीय कदम है। अध्यक्ष महोदय, श्रमिकों के कल्याण की बात हो, ट्रॉमा सेंटर को सेंट अप करने की बात हो, चाहे कन्यादान के तौर पर 31 हजार रुपये की वित्तीय सहायता देने की

बात ही, विधवाओं और उसके आश्रितों को मिलने वाली 50 हजार रुपये की राशि की बात हो, छात्रों को छात्रवृत्ति देने की बात हो, मासिक वेतन की बात हो इन सबमें हरियाणा सबसे अग्रणी रहा है। देश में सबसे ज्यादा राशि खर्च अगर किसी प्रदेश द्वारा की जाती है तो उसमें हमारे प्रदेश का नाम आता है। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ-साथ मैं अपने प्रदेश की सरकार की जो अन्य नीतियां हैं उनके बारे में बात करना चाहूंगा। उद्योग एवं वाणिज्य क्षेत्र की बात करें तो हरियाणा में नई निवेश नीति 2011 आई है जिसमें पिछड़े क्षेत्रों के विकास पर बल दिया गया है। जिसमें सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों के महत्व को समझते हुए विभिन्न औद्योगिक वर्गों के समूह को विकसित करने की बात कही गई है। इसी तरीके से खान और खनन की बात करें तो यह अपने आप में एक बड़ा मुद्दा बन गया है। पिछली सरकार में खनन को जिस तरीके से चलाया जा रहा था उसको देखते हुए न्यायालय ने उस पर पाबंदी लगा दी थी। अब सरकार के प्रयासों से सही तरीके से प्राकृतिक संसाधनों का इस्तेमाल करने से इस पाबंदी को खोल दिया गया है। हम उम्मीद करते हैं कि आने वाले समय में खनन कार्य को पूरी तरह खोला जाएगा जिससे लाखों लोगों को रोजगार तो मिलेगा ही और साथ ही साथ जो दूसरी सामग्री है जिनके बाजारी मूल्य बढ़ गए हैं उसको भी कम कर सकेंगे। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से हम सड़क तंत्र को मजबूत करने की बात करते हैं। मानसून में अप्रत्याशित भारी वर्षा के कारण काफी मुकसान हुआ। बाढ़ से भी काफी नुकसान हुआ। सड़कों की मरम्मत के लिए और उसके साथ-साथ सड़कों का जाल बिछाने के लिए हमारी सरकार द्वारा काफी पैसा खर्च किया गया है। हमारे मेवात जिले की बात करें तो यहां एक हजार करोड़ रुपये की राशि सड़कों के निर्माण पर हमारी इस सरकार द्वारा खर्च की गई है जो अपने आप में एक रिकार्ड है।

**श्री नसीम अहमद :** अध्यक्ष महोदय, मेवात की बात हो रही है। (विघ्न)

**Mr. Speaker :** Have you taken permission from the Chair?

**श्री रणदीप सिंह चुरजेवाला :** अध्यक्ष महोदय, नसीम अहमद जी सदन में पहली बार चुनकर आये हैं इन्हें आप बोलने का अवसर जरूर देना।

**Mr. Speaker :** Nasim Ahmed Ji, you are a new Member of this House like me and you will be given big opportunity to speak.

**श्री आफताब अहमद :** अध्यक्ष महोदय, गरीबों के लिए चाहे पीले कार्ड बनाने की बात हो या दूसरी सुविधाएं देने की बात हो इसके लिए हम अपनी सरकार की सराहना करते हैं। आर्थिक सुधार और व्यवस्थित सरकार के लिए जो सुधार किए गए हैं उसके लिए भी मैं सरकार को मुबारकबाद देता हूँ। अध्यक्ष महोदय, हम इस बात को भी मानते हैं कि वर्ष 2005 से पहले जो लोकदल पार्टी का राज था उस समय प्रदेश में भय, आतंक और अशांति का माहौल था। उस समय पूरे प्रदेश में एक्सटोरशन हो रहा था और हमारे प्रदेश से फैक्ट्रीज तथा बिजनेस का प्लायन हो रहा था। उस समय फकीराबाद को फकीराबाद के नाम से पुकारा जाने लगा था। हमारी सरकार आने के बाद प्रदेश में उद्योग बंधे वापस आ रहे हैं और व्यापारी फल-फूल रहे हैं। इसकी वजह यह है कि आज प्रदेश में अमन और शांति का माहौल है। अध्यक्ष महोदय, आज के दिन प्रदेश में वारों तरफ विकास कार्य हो रहे हैं और हर तरफ अमन और शांति का माहौल है। यदि बोखलाहट कहीं है तो वह विपक्ष के भाईयों में है। ये लोग कहते हैं कि हरियाणा में जंगल राज है, कानून व्यवस्था नहीं है। ये लोग कहते हैं कि प्रदेश में सब कुछ चौपट हो रहा है लेकिन चौपट कुछ नहीं हो रहा है। इनको तो केवल बोखलाहट इस बात की है कि

[श्री आफताब अहमद]

हमारे मुख्यमंत्री जी को लगातार दूसरी बार जनमत मिला है। (इस समय मेजें थप-थपाई गई) अध्यक्ष महोदय, इतना ही नहीं हमारी सरकार आगे भी प्रदेश के लोगों के हित में काम करेगी और तीसरी बार चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी मुख्यमंत्री बनकर हेट्टीक मारेंगे तथा प्रदेश के लोगों की आगे भी सेवा करेंगे। अध्यक्ष महोदय, अंत में, मैं आपका धन्यवाद करते हुए गवर्नर महोदय के अभिभाषण का समर्थन करता हूँ। धन्यवाद।

**Mr. Speaker :** Motion moved—

That an address be presented to the Governor in the following terms—

“That the Members of the Haryana Vidhan Sabha assembled in this Session are deeply grateful to the Governor for the Address which he has been pleased to deliver to the House on the 4th March, 2011 at 2.00 P.M.”

श्री ओम प्रकाश चौटाला (ऊचाना कला): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे गवर्नर महोदय के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूँ। गवर्नर महोदय के अभिभाषण में प्रस्तावक और अनुमोदक दोनों ने बड़े बुलंदबाग दावे किए कि कृषि क्षेत्र में हरियाणा प्रगति कर रहा है। जबकि गवर्नर महोदय के अभिभाषण के पेज 4 के कॉलम 8 पर लिखा गया है कि— “चालू दशक में खाद्यान्न उत्पादन सा तो घटा है या स्थिर हो गया है। यह एक गंभीर चिंता का विषय है। इसलिए दूसरी हरित क्रांति लाने की आवश्यकता है। यह क्रांति गतिशील दृष्टिकोण, केन्द्रित नीतियों और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के नये साधनों के अनुप्रयोग से लाई जा सकती है। मृदा के स्वास्थ्य में गिरावट, भूमि जोतों का घटता आकार, उर्वरकों का असंतुलित प्रयोग, गुणवत्तापरक बीजों की अपर्याप्त उपलब्धता, कम मशीनीकरण, जल संसाधनों का क्षय, ज्ञान अंतर और प्रौद्योगिकियों का कम प्रचार आदि कृषि क्षेत्र में कम उत्पादकता के लिए मुख्य रूप से उत्तरदायी हैं।” अध्यक्ष महोदय, यह मैं सरकार का लिखा हुए पढ़ रहा हूँ। यह बात हम निरंतर कहते आये हैं कि हरियाणा प्रदेश एक कृषि प्रधान प्रदेश ही नहीं है बल्कि इस प्रदेश ने समूचे देश के लोगों को अन्न मुहैया करने में भी अहम भूमिका निभाई है। लेकिन आज हरियाणा प्रदेश की स्थिति यह है कि न किसानों को पानी मिल रहा है और न ही बिजली मिल रही है। बीज नकली मिल रहे हैं, डी.ए.पी. खाद लेने के लिए राशन कार्ड लेकर डी.डी.ओ. के ऑफिस के आगे लाईन में खड़ा होना पड़ता है और यूरिया खाद ब्लैक में खरीदी जाती है फिर भी किसानों को उसकी फसल का लाभप्रद मूल्य नहीं मिलता। उसका लागत मूल्य निरंतर बढ़ रहा है। इस सरकार के गठन के बाद पांच मर्तबा डीज़ल और पेट्रोल के दाम बढ़े हैं, कोयले के दाम बढ़े हैं जिसकी वजह से बिजली का उत्पादन कम हुआ है। दूसरी तरफ हरियाणा प्रदेश की सरकार ने किसान की ज़मीन कौड़ियों के भाव में अधिग्रहण करके करोड़ों के भाव में बड़े-बड़े बिल्डर्स और डेवेलपर्स को बेचने का काम किया है। (शोर एवं व्यवधान)

लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : स्पीकर सर, ऑन ए प्वायंट ऑफ आर्डर पर मैं यह कहना चाहता हूँ कि विपक्ष के नेता का यह कहना है कि हरियाणा सरकार ने ज़मीन एक्वायर करके बिल्डर्स को दी है। Will he stand by this statement. विपक्ष के नेता का यह कहना है कि हरियाणा सरकार ने ज़मीन एक्वायर करके बिल्डर्स को कौड़ियों के भाव दी है यह सरासर असत्य है, झूठ है और इस हाउस की कंटेंट है। (शोर एवं व्यवधान) स्पीकर सर, इस मामले

जी जांच के लिए आप आज ही हाउस की एक कमेटी बना दें वह यह जांच कर ले कि अगर एक एकड़ जमीन भी किसी बिल्डर को हरियाणा की सरकार ने दी हो तो फिर मेरा इस्तीफा ले लें और अगर यह गलत हो तो चौटाला जी का इस्तीफा ले लें। मेरी आपसे रिक्वेस्ट है कि आप इस मामले की जांच के लिए हाउस की एक कमेटी बनायें।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदेश में 96 एस.ई.जैड. सैंक्शन हुए और उन 96 एस.ई.जैड. के लिए लगभग साढ़े 76 हजार एकड़ उपजाऊ भूमि अधिग्रहण की गई।

**मुख्य मंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) :** स्पीकर सर, चौटाला जी द्वारा यह कहकर हाउस को गुमराह किया जा रहा है। इन्होंने अभी कहा है कि साढ़े 76 हजार एकड़ भूमि एस.ई.जैड. के लिए एक्वायर की गई यह सरासर गलत है। केवल एक जगह को छोड़कर और कोई भी भूमि एस.ई.जैड. के लिए एक्वायर नहीं की गई। जो भूमि एक्वायर की गई वह भी श्री चौटाला जी की सरकार के समय में ही नोटीफाई हुई थी। इसके अलावा और कोई भूमि एक्वायर नहीं हुई है। दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूँ कि जो संसदीय कार्य मंत्री ने कहा है मैं दावे के साथ कह सकता हूँ कि ये एक एकड़ जमीन की बात को छोड़ दें अगर एक इंच भूमि भी एक्वायर करके किसी बिल्डर को दी हो तो उसे ये साबित कर दें। रिलायंस में हम पूरे प्रोजेक्ट में इक्विटी पार्टनर हैं जिसके लिए टर्म एण्ड कंडीशंस हैं और एम.ओ.यू. भी साईन हुआ है। हरियाणा सरकार की तरफ से एच.एस.आई.आई.डी.सी. उसमें पार्टनर है। इसके अलावा अगर एक इंच जमीन भी एक्वायर करके किसी डेवेलपर को दी हो तो मैं सदन को छोड़ जाऊंगा और अगर ऐसा न हुआ हो तो श्री चौटाला सदन को छोड़ जायें।

**Mr. Speaker :** Hon'ble Members, this is the august House and we should digest from speaking anything which is untrue. Therefore, any statement that is made on the floor of the House from this side or that side, should be well-understood, well spoken and should not be away from the truth otherwise valuable time of this House will be lost. A very healthy debate is being initiated and I expect from the Members with lot of experience in this House to restrict themselves to the facts and circumstances and not speak outside the facts.

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, सरकार ने सरकार द्वारा अधिकृत की हुई एच.एस.आई.आई.डी.सी. की लगभग 1400 एकड़ जमीन रिलायंस कम्पनी को गुडगांव में दी है। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला :** स्पीकर सर, ऑन ए प्वायंट ऑफ आर्डर। मैं विपक्ष के नेता को यह कहना चाहता हूँ कि ये हाउस को मिसलीड नहीं कर सकते। (शोर एवं व्यवधान) किसी व्यक्ति को यह अख्तियार नहीं है। Nobody can mislead the House.

**Mr. Speaker :** Mr. Chautala, are you making a statement on fact?

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, मैं स्टेटमेंट दे रहा हूँ।

**Mr. Speaker :** Which may be untrue?

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, जो कुछ भी सदन में कहा जाता है वह सही कहा जाता है। अगर इसके लिए कोई गलत कहता है तो उसके खिलाफ प्रिविलेज मोशन आ सकता है जो आप लाने वाले हैं। (शोर एवं व्यवधान)

**Mr. Speaker :** You are a former Chief Minister and now the Hon'ble Leader of the Opposition. If you are making a statement which is not true then you judge yourself. (Interruption)

**श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला :** अध्यक्ष महोदय, अब ये 76 हजार एकड़ से एक भिन्ट में 1400 एकड़ पर आ गये हैं और यह 1400 एकड़ भी श्री ओम प्रकाश चौटाला जी की सरकार के समय एक्वायर हुई थी। I am making a statement on the floor of the House. For the Speical Economic Zone, he acquired this land, Sir. (Interruption)

**Mr. Speaker :** Alright, one moment please.

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, मुझे अपनी बात कहने का मौका तो मिले, यह सरकार की जिम्मेवारी है कि उसका रिप्लाय मंत्री दे या मुख्य मंत्री दे। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** यह मेरी जिम्मेवारी है कि हैल्दी डिस्कशन हो पर चौटाला साहब, मान लीजिए कोई सदस्य, आप जैसा सीनियर आदमी जिनसे मुझे बहुत उम्मीद है। आपसे तो हम भी सीखते हैं। अगर कोई बात जो इनकी समझ से गलत है और उस पर वे कोई एक्सप्लेनेशन देना चाहते हैं तो मुझे दोनों की ही बात सुननी पड़ेगी कि नहीं। आप कुछ भी कहिए मुझे कोई प्रॉब्लम नहीं है लेकिन अगर कोई उधर से अपनी एक्सप्लेनेशन देना चाहता है तो वह भी मुझे सुननी पड़ेगी। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, उनका जब जवाब देने का समय आयेगा तब वे दे देंगे। (शोर एवं व्यवधान)

**Mr. Speaker :** Just to put the record straight हम यह एक्सपैक्ट करते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा :** अध्यक्ष महोदय, पूरा सदन यहाँ पर बैठा है और अभी तक यह रिकॉर्ड की बात है आप निकलवा सकते हैं। विपक्ष के नेता ने कहा है कि 76 हजार एकड़ जमीन एस.ई.जैड. के लिए सरकार ने एक्वायर की है। इस बात को क्या ये सत्य कह रहे हैं? ये खुद ही बता दें या तो आप रिकॉर्ड निकलवा कर देख लें। इसमें अगर इनकी बात सच है तो जो भी आप फेसला करेंगे हमें मंजूर है। दूसरी बात इन्होंने रिलायन्स की चर्चा की है। उस बारे में मैं कह चुका हूँ कि 1400 एकड़ या जितनी भी जमीन एक्वायर हुई है वह इनके समय में हुई थी और इनके समय में ही एस.ई.जैड. बनाने का फैसला लिया गया था तथा सेक्शन 4 के नोटिस हुये थे। एच.एस.आई.आई.डी.सी. और रिलायन्स का स्वेट इक्विटी पर फैसला हुआ था। अजजर में रिलायन्स ने 7 हजार एकड़ जमीन एक्वायर की थी। एक बहुत बड़ा एस.ई.जैड. बनाने का उनका फैसला था। उसमें पूरे में स्वेट इक्विटी में एच.एस.आई.आई.डी.सी. का हिस्सा था। वह उसके पार्ट का एम.ओ.यू. है जो उस फैसले के अनुसार रिलायन्स के साथ हुआ था। इसके अलावा अगर यह जो 76 हजार एकड़ जमीन की बात कर रहे हैं, अगर एक एकड़ भी हमने डिपैटर्स के लिए एक्वायर की है तो मैं कह चुका हूँ कि या तो ये इस्तिफा दे दें या मैं पद छोड़ दूंगा। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** चौटाला साहब, जो स्टेटमेंट आप दे रहे हैं वह सच है या नहीं?



**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, मुझे अपनी बात कहने का अधिकार है। सरकार की तरफ से जो अधिकारी उसका जवाब देगा वह दे दे। अध्यक्ष महोदय, मैंने यह कहा है गुडगांव के मानेसर में रिलायन्स कम्पनी को लगभग 1400 एकड़ जमीन एच.एस.आई.आई.डी.सी. द्वारा लगभग 400 करोड़ रुपये में दी गई थी। जबकि गुडगांव जिले के ही मानेसर में ही एक ही पार्ट में 4 एकड़ जमीन एच.एस.आई.आई.डी.सी. द्वारा ओपन ऑक्शन में लगभग 289 करोड़ रुपये में निलाम की गई है। (शोर एवं व्यवधान)

**Mr. Speaker :** Chautala Sahib, in the last Assembly Session also यह बात सामने आई थी जिसके बारे में मामला अभी पेंडिंग है।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, यह तो मेरा अधिकार है कि मैं अपनी बात यहाँ पर कह सकूँ और इस सदन को अधिकार है, स्पीकर को अधिकार है जो कोई एक्शन लेना चाहे ले लें। मेरे अधिकार पर बिल्कुल आक्षेप करने की कोशिश न करें। आप सत्ता पक्ष के लोगों को भी यह बात कहें कि जब वे बोलते हैं तो हम बीच में टोका-टाकी नहीं करते तो वे भी बीच में टोका-टाकी न करें। हाउस के सभ्य को बर्बाद करने की चेष्टा न की जाये। अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार से यह जो जमीन मुख्य मंत्री जी ने जैसा कहा कि शायद 25000 एकड़ जमीन रिलायन्स को एस.ई.आई. के नाम पर दी है। (शोर एवं व्यवधान)

**Mr. Speaker :** Mr. Saini, your leader is speaking. Please have respect for him.

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अभी एक ओर, \*\*\* भी बीच में बोल रहे हैं उनको भी तो टोक दिया करो। (शोर एवं व्यवधान)

**Mr. Speaker :** You can't use this word. Everybody should keep the decorum of the House. When Leader of the Opposition is speaking, no running commentary is allowed in the House. (Interruption)

**श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला :** सर, चौटाला साहब ने जो शब्द वह कहा है यह सदन की कार्यवाही से निकाल दिया जाए।

**श्री अध्यक्ष :** ठीक है यह शब्द कार्यवाही से निकाल दिया जाये।

**17.00 बजे** **श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, यह तो मैंने चार तारीख को ही कहा था कि आप पुरानी परम्परा को मत रखें। काटने बढ़ने की बात अच्छी नहीं रहेगी। अध्यक्ष महोदय, मुझे आपसे बहुत उम्मीद है।

**श्री अध्यक्ष :** चौटाला साहब, मुझे बड़ी निराशा होती है कि जब आप बोल रहे थे तो उधर से बिशन लाल सेनी बैठे-बैठे बोल रहे थे, उनको साइलेंट रहना चाहिए। मुझे यह देखकर बड़ी निराशा होती है कि जब आप बोलते हैं तो और कोई क्यों बोलते हैं?

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, हमारी तरफ से कोई नहीं बोलेगा। अध्यक्ष महोदय, यह ठीक है कि इन्होंने कहा है कि उन्होंने अपने लेवल पर भी जमीन खरीदी है। झज्जर में खरीदी

\* चेंबर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

हैं और 22 लाख रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से किसान से खरीदी गयी है। एस.ई.जेड. जब सेंक्शन किये गये थे तो उस समय हरियाणा प्रदेश के लोगों को आश्वासन दिया गया था कि तुम्हें रोजगार के अवसर प्रदान किये जाएंगे। जो जमीन उनको दी गयी थी तो उस पर उनसे न स्टेम्प ड्यूटी ली गयी थी और न किसी प्रकार का कोई टैक्स लिया गया था। ईवन इन्कम टैक्स तक की छूट दी गयी थी लेकिन अब फिर तबदीली करने का काम किया है।

**श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला :** अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। मैं उनको ऑबस्ट्रैक्ट नहीं कर रहा हूँ बल्कि मैं आपके माध्यम से सदन को और माननीय विपक्ष के नेता को केवल इतना बताना चाहता हूँ कि स्पेशल इकोनॉमिक जोन ऐक्ट हिन्दुस्तान की संसद के द्वारा पारित किया गया है। शायद श्री अजय सिंह चौटाला जी अब यहाँ पर नहीं हैं लेकिन वे उस समय राज्य सभा के सांसद थे, उस ऐक्ट के अंदर इन्कम टैक्स एग्जम्पशन, स्टेम्प ड्यूटी एग्जम्पशन और अन्य प्रावधान हिन्दुस्तान की संसद के द्वारा किए गए थे।

**Mr. Speaker :** Supply a copy of that to Mr. Chautala.

**श्री अशोक कुमार अरोड़ा :** अध्यक्ष महोदय, इसमें प्वायंट ऑफ आर्डर की जरूरत तो नहीं थी।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, ये समय बर्बाद कर रहे हैं। अब मैं दूसरी बात कहने जा रहा हूँ। उसके बाद रोजगार के नाम पर तो यह कहा गया था कि लाखों बच्चों को रोजगार मिलेगा लेकिन रोजगार के नाम पर किसी एक बच्चे को भी रोजगार नहीं दिया गया। अब उसमें एक चेंज और की गयी है। झज्जर में एस.ई.जेड. के नाम पर जो जमीन ली गयी थी वह आठ हजार कुछ एकड़ है जिसको मुख्यमंत्री जी शायद पांच हजार कुछ एकड़ बता रहे थे। उन्होंने आठ हजार कुछ एकड़ जमीन अपने लेवल पर खरीदी है और वह 22 लाख रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से खरीदी गयी है। अब उसको एस.ई.जेड. की जगह एम.आई.टी. बनाकर उसके उद्देश्य को ही चेंज कर दिया गया है। वह जो कह रहे हैं तो अब वह बात भी समाप्त हो गयी है। अब उस जमीन को जो किसानों से 22 लाख रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से खरीदी गयी थी, उसको डेढ़ या दो साल के अर्से के बाद ढाई करोड़ रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से किसानों के सामने बेचा जा रहा है और \* \* \*

**Mr. Speaker :** Please do not mention a person who is not the Member of this House.

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, यह पर्सनल नहीं है।

**श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला :** अध्यक्ष महोदय, उनके नाम की चर्चा इस सदन के अंदर नहीं की जा सकती।

**Mr. Speaker :** Expunge the remarks made by Shri Chautala. Anybody who is not the Member of this House, may not be discussed here.

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, आप मेरा भावार्थ समझने की कोशिश करें।

**Mr. Speaker :** I understand what you want to say.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं जो कह रहा हूँ वह समझने की बात है। इस प्रकार से जो सरकार यह कह रही है कि हमने कुछ नहीं किया, ठीक नहीं है क्योंकि इस सरकार के जो सरगना हैं वह उन कम्पनियों को जिनको जमीन बेची गयी है, वहाँ जाकर उनकी आधारशिला रख रहे हैं। इस तरह से आज यह हालात हैं। उस किसान के जख्म के ऊपर और नमक छिड़का जा रहा है।

**Shri Randeep Singh Surjewala :** Speaker Sir, with your permission on a point of order. Sir I want to say that मुझे नहीं मालूम कि क्यों लोकदल के नेता और इनकी पार्टी के सदस्यों को पूरी दुनिया की कम्पनियों को हरियाणा में आकर निवेश करना अच्छा नहीं लगता। एक समय था जब कम्पनियों के दरवाजों के आगे खाईयाँ खुदवायी जाती थीं और एक समझ यह है कि दुनिया की कम्पनियाँ यहाँ पर आकर निवेश और रोजगार पैदा कर रही हैं। लेकिन इसमें भी इनको ऐतराज है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, क्या यह प्वायंट ऑफ आर्डर है? यह वैसे ही अपना भाषण देना शुरू कर देते हैं। जब इनको अपनी बात कहने का अवसर मिले तो उस वक्त ये खुलकर बोल लें।

श्री नरेश शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है।

श्री अध्यक्ष : मि० नरेश, आप बैठें।

श्री नरेश शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मेरा एक मिनट बोलना जरूरी है क्योंकि यह बादली विधान सभा से जुड़ा हुआ प्रश्न है। मैं बीच में टीका टिप्पणी नहीं कर रहा हूँ। मुझे पता है कि यह मेरे ऊपर ऊंगली उठाएंगे लेकिन जब मैं बोलूंगा तो ये रुकेंगे नहीं ये भागेंगे। सर, यह बादली विधान सभा से जुड़ा हुआ प्रश्न है। ये बार-बार झज्जर का नाम ले रहे हैं। झज्जर में एस.ई.जेड. के नाम पर एक इंच भी जमीन नहीं ली गयी है, बादली विधान सभा क्षेत्र में जमीन ली गयी है। मैं इनका ध्यान दिलाना चाहता हूँ कि ये उसी जमीन को किस भाव में ले रहे थे। इन्होंने उसको लेने के लिए दफा चार का नोटिस भी किया था। ये उस जमीन को दो लाख साठ हजार रुपये में ले रहे थे। ये उस जमीन को दिल्ली वालों को कूड़ा करकट डालने के लिए देना चाहते थे। अध्यक्ष महोदय, यह किसानों से जुड़ा हुआ प्रश्न है बादली विधान सभा से जुड़ा हुआ प्रश्न है। ये बार-बार झूठ बोले जा रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं भी इस बारे में बात कहना चाहता हूँ।

**Mr. Speaker :** Please resume your seat. I am on my legs. (Interruption) I am on my legs. (Interruption) मि० अभय चौटाला, आपको हाउस में किसी मेंबर को धमकाना नहीं चाहिए। (शोर एवं व्यवधान) I have expunged his remarks (Interruption) I have expunged his remarks. (Interruption) Mr. Abhay Chautala just a moment. One should not be threatening another in the House. It is not fair (Interruption) Let Mr. Chautala Speak.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आपकी जिम्मेदारी है सदन के सदस्यों को सीमा में रखने की। (शोर एवं व्यवधान)

**Mr. Speaker :** Mr. Chautala, difficulty is that if a false allegation is levelled, then somebody will feel agitated.

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, उनको अवसर मिलेगा तब वे उस पर बोल लेंगे। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** बोलने का अवसर मिलेगा या नहीं मिलेगा यह मैंने देखना है। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, किसी सदस्य को बीच में बोलने की जरूरत तो तब है जब मैं किसी पर पर्सनल आक्षेप करूँ। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** ये पर्सनल ही था। You cannot be personal.

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी पर भेरी ओर से कोई पर्सनल आक्षेप नहीं था, मैंने तो यह कहा था कि पार्लियामेंट का सदस्य इस सदन के लीडर का बेटा है और उसका इसलिए जिक्र किया था कि उसने आधारशिला रखी थी। (विध्वंस)

**Mr. Speaker :** Hon'ble Leader of Opposition, we want to hear a good debate from you.

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** क्या गवर्नर साहब के ऐड्रेस में सोनिया गांधी का नाम दर्ज नहीं किया गया। (व्यवधान) सीमा में सब को रहना पड़ेगा।

**Mr. Speaker :** No running commentaries. Let him speak. (Interruption) There should be no reference to Mrs. Sonia Gandhi please.

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** हमारी सरकार के वक्त में मानेसर के अंदर औद्योगिक (शोर एवं व्यवधान) श्रमिकों के आवास के लिए हमने 912 एकड़ जमीन अधिग्रहण की थी ताकि उन श्रमिकों के आवास के लिए व्यवस्था की जा सके। उस वक्त हमारे सदन के आज जो नेता हैं वे विपक्ष में होते थे और इन्होंने उसका बड़ा ऐतराज किया था, परन्तु जब वर्ष 2005 में इनकी सरकार बन गई और धारा-6 के अन्तर्गत 688 एकड़ भूमि के बारे में अधिसूचना जारी की गई, धारा-6 के अन्तर्गत जारी अधिसूचना की अवधि के समाप्त होने के मात्र एक दिन पूर्व दिनांक 24 अगस्त, 2007 को समूची भूमि की अधिग्रहण प्रक्रिया को विद्वल कर लिया गया। जबकि विद्वाल से पहले भूमि अधिग्रहण के लिए दी जाने वाली लगभग 50 करोड़ की राशि संबंधितों को देने के लिए भेज दी गई थी। इस संदर्भ में इतना बताना भी आवश्यक है कि गुडगांव के मानेसर में वर्ष 2004 में 4 एकड़ भूमि का एक प्लॉट लगभग 289 करोड़ रुपये में बेचा गया था और बाकि जमीन प्राइवेट बिल्डर्स, कॉलोनाइजर्स और सरकार के चहेते लोगों को आने-पौने दामों में बेच दी गई थी, छूट दे दी गई थी। हरियाणा प्रदेश में यहाँ तक भी हुआ है कि सैक्शन-4 के नोटिस दिये जाते हैं और जब किसी किसान की जमीन उसमें एक्वायर होती है और उसे यह पता लगता है कि जिस जमीन के उसे 20 लाख रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से दाम मिल रहे हों और कोई ओर आकर उसे कहने लगे कि मैं आपको इस जमीन के 25 लाख रुपये दूंगा तो वह 25 लाख रुपये में बेचेगा या नहीं बेचेगा। (व्यवधान)

**Mr. Speaker :** Yes, Mr. Surjewala, what do you want to say?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय विपक्ष के नेता को केवल यह बलाना चाहता हूँ कि यह जो लैंड रिलीज की पॉलिसी थी वह 13.8.96 को बनी थी (शोर एवं व्ययधान) अध्यक्ष महोदय, चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी भी वोट से घुनकर आए हैं और मैं भी वोट से घुनकर आया हूँ। इनके पास ज्यादा वोट नहीं हैं और मेरे पास कम वोट नहीं है। मैं भी इस सदन का सदस्य हूँ और ये भी माननीय सदस्य हैं। मैं इनको आदर से बोलता हूँ। अध्यक्ष महोदय, मैं तो सम्मान से इनका नाम लेता हूँ ये मुझे उसके कहकर बोलते हैं।

श्री अध्यक्ष : आप बोलिये आप क्या कहना चाह रहे हैं?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : सर, 13 अगस्त, 1996 को जो लैंड रिलीज पॉलिसी थी वह डिस्कन्टीन्यू हो गई। उसके बाद चौटाला जी की सरकार आई, श्री चौटाला जी मुख्यमंत्री बने। 6.1.2000 को उस समय श्री चौटाला जी मंत्रिमण्डल की अध्यक्षता कर रहे थे और इन्होंने यह पॉलिसी (विघ्न) Sir, they do not want to hear this क्योंकि इनकी पोल खुल जायेगी।

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, क्या यह प्लायट ऑफ आर्डर है?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, ये पॉलिसी लेकर आये जिसमें यह कहा कि अगर सेक्शन 4 का नोटिफिकेशन हुआ है तो वह लैंड रिलीज की जा सकती है।

Mr. Speaker : Mr. Surjewala, who brought this policy?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : सर, श्री ओम प्रकाश चौटाला जी मुख्यमंत्री थे और इनके मंत्रिमण्डल में इनकी अध्यक्षता में ये वह नीति लेकर आये जो नीति डिस्कन्टीन्यू हो गई थी। मैंने यही बताया कि 13.8.1996 को सरकार ने निर्णय किया कि हम जमीन एक्विजीशन से रिलीज नहीं करेंगे। कुछ समय बाद श्री बंसीलाल जी जी सरकार को बदलकर ये मुख्यमंत्री बने थे और 6.1.2000 को काउंसिल ऑफ मिनिस्टर्स में जिसकी अध्यक्षता श्री चौटाला जी कर रहे थे उसमें ये पहली बार यह नीति लेकर आये कि किसी जमीन की सेक्शन 4 के तहत अगर कहीं नोटिफिकेशन हुई है तो उस जमीन को रिलीज करके उसका लाईसेंस सी.एल.यू. के लिए दे सकते हैं।

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : स्पीकर सर, ये अपने आप ही बोल रहे हैं। (विघ्न)

Mr. Speaker : It is a very serious matter.

Shri Randeep Singh Surjewala : Sir, he is misleading the House. सर, मैं प्लायट ऑफ आर्डर पर बोल रहा हूँ और ये हाउस को बरगला रहे हैं मैं केवल तथ्य सामने रख रहा हूँ कि यह नीति है। मैं इनके खिलाफ कोई सीरियस आक्षेप नहीं लगा रहा।

Mr. Speaker : This is a very serious matter. Please continue. I want to hear what he wants to say?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, 7.3.2000 को दो महीने में ही श्री चौटाला जी ने अपने द्वारा बनाई हुई नीति को फिर से बदल दिया। फिर उस नीति को काउंसिल ऑफ मिनिस्टर्स में ये लेकर आये उसमें इन्होंने कहा कि हुडा के पास कोई पैसा नहीं है। Resources of HUDA have been reduced and acquisition activity and development of residential sectors have become a costly affair and a time consuming affair. That is why the Council of

[श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला]

Ministers assigned a greater role of private sector. Council of Ministers with a view to avoid procedural delay decided that the land purchased by a colonizer before section-4 should also be released. इनको इतने से भी तसल्ली नहीं हुई और फिर 4.2.2004 को चौटाला जी द्वारा उस नीति में फिर से संशोधन किया गया।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, क्या यह प्वायंट ऑफ आर्डर है? यह तो भाषण दे रहे हैं।

**Shri Randeep Singh Surjewala :** Sir, he is misleading the House. He has changed the policy time and again.

**Mr. Speaker :** Mr. Surjewala, please conclude fast.

**श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला :** सर, 4.3.2004 में श्री चौटाला जी की अध्यक्षता में फिर तीसरी बार उस नीति के अन्दर संशोधन किया और यह कहा कि इसके अन्दर अगर चाहे कहीं कोई कोलाबोरेशन एग्रीमेंट भी कर लें with a reputed colonizer और अगर लेण्ड कन्टीगुअंस हो तो फिर भी हम उस लेण्ड एक्विजीशन के प्रोसेस से निकाल देंगे। फिर भी तीन महीने बाद 19.5.2004 को श्री चौटाला जी ने उस नीति में फिर से संशोधन कर दिया और फिर यह कहा.....।

**Mr. Speaker :** Who has done, he himself or his Government?

**श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला :** सर, श्री चौटाला जी उस समय मुख्यमंत्री थे, इनकी सरकार ने किया यह अपने आप खुद मंत्रिमण्डल के अन्दर नीति लेकर आये। चार महीने के बाद दिनांक 19.5.2004 को फिर नीति बदल दी और कहा गया कि लेण्ड कन्टीगुअंस न हो तो भी हम कोलोनाइजर से एग्रीमेंट करके इस जमीन को फिर छोड़ देंगे। यह नीति चौटाला साहब के द्वारा लाई गई नीति है। फाइनली CWP No. 10412 of 2007 में हाई कोर्ट के अन्दर यह सारी नीति टेस्ट हुई। जब हमारी सरकार आई तो 30.9.2007 को हमने एक ट्रांसपेरेंट नीति बनाई और हाईकोर्ट के पटल पर उसको रखा। उसके बाद जो आब्जर्वेंशंस आई उसके आधार पर हमने 24.1.2011 को हमेशा-हमेशा के लिए एक नई नीति बनाकर लेण्ड रिलीज के मामले को हमने हमेशा के लिए पारदर्शी बनाया इसके चार फीचर्स हैं।

**Mr. Speaker :** Mr. Surjewala, give a copy of this to me what you are saying. Let it be a part of the proceedings of the House. Now, please conclude fast.

**Shri Randeep Singh Surjewala :** I will give you a copy of this, Sir.

**Mr. Speaker :** Leader of the Opposition is on his legs. You chose to speak. Now, you must conclude fast.

**Shri Randeep Singh Surjewala :** Sir, I only want to bring that facts to your notice. We have decided the policies that those requests will be considered for release where objection under section 5(a) have been filed.

**Mr. Speaker :** Bring it on record. Lay it be on the Table of the House so that everybody comes to know what you are saying.

**श्री अशोक कुमार अरोड़ा :** स्पीकर सर, यह अपने आप ही कह रहे हैं

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** यह तो भाषण देने लग गये हैं।

**Mr. Speaker :** Mr. Surjewala, you are a Minister of this Government and you have every right to explain any allegation that comes forward but at the same time I would like that whatever is a matter of record, should also be placed for the consideration of the House. Whatever you have stated, whatever provisions and whatever amendments are there, these must be brought on record.

**Shri Randeep Singh Surjewala :** Ok, Sir. With your permission, only one thing I want to bring to your notice. जिस जमीन की ये चर्चा कर रहे हैं उस जमीन के लिए 13.3.1996 को चेंज ऑफ लैंड यूज का लाइसेंस पहले से दिया हुआ था। इन्होंने जिसको CLU दे रखा था, और अध्यक्ष महोदय, आपको मालूम है कि अगर किसी जमीन का CLU 1996 में जो सरकार थी उसने दे रखा था इन्होंने उस जमीन को एक्वायर किया जैसे बहादुरगढ़ और दूसरे क्षेत्रों में भी एक्वायर किया गया और बाद में वह जमीन छोड़ दी जाती थी। जब मामला हमारे नोटिस में आया कि इस 207.11 एकड़ जमीन का तो आलरेडी चेंज ऑफ लैंड यूज का लाइसेंस दिया हुआ है और लाइसेंस की डेट भी 13 मार्च, 1996 है तो वह जमीन रिलीज कर दी गई। (विघ्न)

**Mr. Speaker :** Send a copy of it to Mr. Chautala also.

**Shri Randeep Singh Surjewala :** Sir, I will give him. He knows it, Sir.

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, ये मुझे बार-बार डिस्टर्ब न करें। अब इन्हें और छूट दे दो। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** सुरजेवाला जी, अब बीच में न बोलना। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, अभी तो कई मामले हैं। ये कहां-कहां बोलेंगे। जहां पत्थर उठाओ वहां कोई न कोई घपला मिलेगा। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, इसी गुडगांव जिले में एक और बड़ा घोटाला हुआ है। हमारी सरकार के वक़्त में लगभग साढ़े तीन सौ एकड़ जमीन हमने एच.एस.आई.आई.डी.सी. और हुडा के माध्यम से अधिग्रहण की और इसलिए की थी ताकि लोगों की सुविधा के लिए उसमें कुछ काम किया जा सके। हमारी सरकार चली गई और हमारी सरकार जाने के बाद वर्ष 2009 में इन्होंने एक प्राइवेट कम्पनी को उस 350 एकड़ जमीन को 1703 करोड़ में दे दिया। (शोर एवं व्यवधान)

**Shri Randeep Singh Surjewala :** On a point of order, Sir, I want to clarify it.

**Mr. Speaker :** Leader of the House is speaking.

**मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) :** अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मेरा विपक्ष के नेता से निवेदन है कि वे हाउस में सही बात रखें। कोई सही बात हो और मंत्री जी उस बारे में एक्सप्लेनेशन देना चाहें तो उसको ये सुनें। ये जो चर्चा कर रहे हैं, यह किस समय की बात है। यह इनके समय की बात है। इनके फैसले किए हुए हैं जिसके बारे में मंत्री जी डेटवाइज बता सकते हैं।

**श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला :** अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी इजाजत से माननीय विपक्ष के नेता को केवल एक बात कहना चाहता हूँ। (शोर एवं व्यवधान) कि इन्होंने बड़ा गम्भीर आरोप सरकार पर

[श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला]

लगाया है (शोर एवं व्यवधान) कि एक कम्पनी को जमीन बेच दी गई जो इन्होंने एक्वायर की थी। (शोर एवं व्यवधान) सर, केवल 3 तथ्य और 3 लिथियां आप जान लें। इनकी वेन्यूएशन उस जमीन की जो थी वह भी जान लें। सदन के सामने कम से कम सच्चाई तो आए। इनको कोई अखिलियार नहीं कि ये हाउस को मिसलीड करें। (शोर एवं व्यवधान)

**Mr. Speaker :** Is any body misleading the House?

**Shri Randeep Singh Surjewala :** Speaker Sir, Mr. Om Prakash Chautala is misleading the House. He is stating untrue. असत्य बोलते हैं। झूठ बोल रहे हैं। (व्यवधान)

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, ----- (शोर एवं व्यवधान)

**Mr. Speaker :** Mr. Arora, let me ask the Minister. Mr. Surjewala, is anybody misleading the House?

**Shri Randeep Singh Surjewala :** Yes, Sir, Ch. Om Prakash Chautala is misleading the House. I am saying on record, Sir.

**Mr. Speaker :** How? Have you got any record?

**Shri Randeep Singh Surjewala :** Sir, I have the record. I have the concerned file.

**Mr. Speaker :** If you have some record then you speak and if you do not have the record then you must not.

**Shri Randeep Singh Surjewala :** Sir, I have the record with me. He is misleading the House.

**Mr. Speaker :** Mr. Surjewala, are you speaking on the basis of facts? Otherwise this debate cannot carry on like this.

**Shri Randeep Singh Surjewala :** Yes, Sir, with a lot of sense of responsibility. अध्यक्ष महोदय, मैं जिम्मेवारी के साथ कहता हूँ और ये मेरी बात इसलिए नहीं सुनना चाहते क्योंकि जब तथ्य सामने आएंगे तो इनकी कलाई खुल जाएगी। (व्यवधान)

**Mr. Speaker :** Let him say. I will ask you whether he said correct.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आपके पास अधिकार है आप हमें कह दो कि हम न बोलें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : नहीं चौटाला साहब, मैं तो आपको सुनने आया हूँ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, जब प्रस्तावक और अनुमोदक दोनों बोलें तो ऐसे कैसे बात बनेगी। (विघ्न) हमने किसी को एक मिनट के लिए भी नहीं टोका।

**Mr. Speaker :** Hon'ble Members, I have deepest regard to Shri Om Prakash Chautala. As his speech is in progress, so, let him speak. I am sure he will not be speaking against the facts.



**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, मैं बताने जा रहा हूँ कि यह कृषि प्रधान प्रदेश दूसरे प्रदेशों के लोगों को आन्न उपलब्ध कराने में सक्षम था। आज उसकी हालत ये हो गई है कि एक तो किसान को कृषि संबंधी वे साधन नहीं मिल रहे जिसकी वजह से पैदावार कम हो गई और दूसरा हजारों एकड़ उपजाऊ जमीन अधिग्रहण कर ली गई। जिसमें बहुत धोटेले हुए हैं। अध्यक्ष महोदय, आप बुरा न मानें आपके द्वारा भी पब्लिक रिलेशन डिपार्टमेंट ने एक स्टेटमेंट दिलवा दिया था। आपकी नॉलेज में नहीं होगा, आप मंगवाकर पढ़ लेना। अध्यक्ष महोदय, मैं उसी को फिर दोहरा रहा हूँ। यह जो 350 एकड़ भूमि है यह 1700 करोड़ रुपये में दी गई है। IBN-7 पर यह न्यूज चली। यह न्यूज एक घंटे ही चली थी उसके बाद बंद हो गई, पता नहीं कैसे हुई। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, ये फिर खड़े हो गये। आप इसका क्या करोगे। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला :** सर, ये जो बोल रहे हैं वह सत्य है कि नहीं, I only want to remind you. (interruption) He told me that you will ask me. (Interruption)

**Mr. Speaker :** Surjewala ji, let Mr. Chutala ji complete what he wants to say.

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, इनको बाद में अवसर मिलेगा उस समय ये अपनी बात खुलकर कह लें। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री राम किशन फौजी :** अध्यक्ष महोदय, हम असत्य बात कैसे सुन लें। (शोर एवं व्यवधान)

**Mr. Speaker :** Fauji Sahib, are you sure that Mr. Chautala is not telling the truth.

**श्री राम किशन फौजी :** अध्यक्ष महोदय, (शोर एवं व्यवधान)

**Mr. Speaker :** Mr. Fauji Sahib, are you sure that Mr. Chautala is not telling the truth? Then now? (interruption). Mr. Surjewala Ji, are you sure that he is not telling the truth?

**Shri Randeep Singh Surjewala :** Speaker Sir, I am hundred percent sure and I am ready to go on record. If you permit me, I can place it on record.

**Mr. Speaker :** Tell the House, how he is not telling the truth?

**श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला :** सर, चौटाला जी ने कहा कि 1700 करोड़ रुपये में वह जमीन बेची। इन्होंने तो उस जमीन की वैल्यूएशन ही 500 करोड़ रुपये लगाई थी। यह रिकार्ड पर है और मैं रिकार्ड लेकर आया हूँ। इनके द्वारा साइन किया हुआ है। (शोर एवं व्यवधान)

**Mr. Speaker :** Alright bring it on record. (Interruption) मिस्टर फौजी, अगर चौटाला जी कोई गलत बात कह रहे हैं तो आप बोल सकते हैं लेकिन पहले आप यह जरूर बतायें कि वह बात गलत कैसे है? (शोर एवं व्यवधान) Chautala ji, according to my watch you are on your legs for the last thirty two minutes.

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** स्पीकर साहब, आपकी भी दाद देनी पड़ेगी। आपके क्या कहने। यह अपनी बात बाद में भी कह सकते हैं मुझे बीच में क्यों टोकते हैं। अध्यक्ष महोदय, यह जो बात मैं बता रहा हूँ यह तथ्य पर आधारित है। (शोर एवं व्यवधान) इसमें आपको भी गुमराह किया गया है। यह जो 350 एकड़ जमीन है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : मुझे समझ नहीं आ रहा कि आप गुमराह कर रहे हैं या वे गुमराह कर रहे हैं।

**Shri Randeep Singh Surjewala :** Speaker Sir, aspersions are being made on the Chair. At least I may be permitted to bring the facts on record. (Interruption)

**Mr. Speaker :** But Mr. Surjewala ji, I do not know whether he is misleading the House or you are misleading the House?

**Shri Randeep Singh Surjewala :** Speaker Sir, please permit me to speak on a point of order. स्पीकर सर, मैं आपसे भी इजाजत चाहूंगा और चौटाला साहब से भी इजाजत लेना चाहूंगा वैसे मुझे इनसे इजाजत लेने की जरूरत नहीं है लेकिन ये तजुर्बेकार हैं और मुझ से उम्र में बड़े हैं। Speaker Sir, that is why I am saying that please permit me to speak on a point of order.

**Mr. Speaker :** Surjewala ji, I do not want that anybody should cast aspersions on this Chair. Therefore, I would like to know the truth and let Mr. Chautala complete his statement first because he assured that he will conclude within two minutes.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, यहां जिस जमीन का जिक्र आया है यह मैं नहीं कह रहा हूँ यह IBN-7 चैनल पर न्यूज आई थी और मैंने आपकी स्टेटमेंट पढ़ी थी। अब भी वह भेरे पास है। मैं पढ़कर सुनाता हूँ। उसमें आपने कहा था कि यह जमीन हमारी सरकार के वक्त में एक्वायर हुई थी। अध्यक्ष महोदय, मैं यह मानता हूँ कि यह जमीन हमारी सरकार के वक्त में लोगों की भलाई के लिए अधिग्रहण की गई थी। इसमें से 275 एकड़ एच.एस.आई.आई.डी.सी. द्वारा और लगभग 75 एकड़ जमीन हुडा द्वारा अधिग्रहण की गई थी। यह जमीन हमारी सरकार जाने के बाद वर्ष 2009 में 1703 करोड़ रुपये में सिंगल टैण्डर पर एक कंपनी को दे दी गई। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, जो आगे सुनने की बात है वह यह है (शोर एवं व्यवधान) फिर वही बात, बात तो वहीं आकर खत्म हो जाती है। क्या मैं एक बात बार-बार सारा रिपीट करता जाऊंगा। यह कोई बात हुई।

**Shri Randeep Singh Surjewala :** Speaker Sir, on a point of order.

**Mr Speaker :** I allow you to speak. If, Mr. Chautala ji is making a false and wrong statement that I do not expect from him.

**Shri Randeep Singh Surjewala :** Speaker Sir, he is intentionally making a false statement. I am saying so on the record. (Interruption)

**Mr Speaker :** Mr. Chautala Ji is a senior Member but this Chair has a right to know that whatever has been stated in the House by him is correct or incorrect?

**Shri Randeep Singh Surjewala :** Speaker Sir, It is completely false (Interruption).

**Mr Speaker :** Since I am a new member, I want to enlighten myself.

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : स्पीकर सर, आप इस मामले में हाउस की एक कमेटी बना दें जो इस बात की जांच कर ले कि इस जमीन की वास्तविक कीमत कितनी है और यह जमीन कितने में बेची गई है?

**Mr Speaker :** There is no need to constitute a House Committee. The record will put the matter straight.

**श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला :** स्पीकर सर, केवल दो बातें आप मुझे बताने दें क्योंकि आपने श्री चौटाला जी को कहने की इजाजत दी है। मैंने तीन बार प्वायंट ऑफ आर्डर किया। आपसे तीन बार बोलने की इजाजत मांगी। आपने कहा कि पहले श्री चौटाला जी को अपनी स्टेटमेंट पूरी करने दो।

**Mr Speaker :** This is a very serious allegation against the Government and I want to know the truth.

**Shri Randeep Singh Surjewala :** Speaker Sir, very briefly I want to say, जिस जमीन के अधिग्रहण की बात श्री चौटाला लोक-भलाई के लिए कह रहे हैं उस बारे में मैं बताना चाहूंगा कि श्री चौटाला जी वर्ष 2002-03 के अन्दर विदेश गये थे और वहां पर इनको बहुत सारी कम्पनियों के प्रतिनिधि मिले थे। श्री चौटाला जी ने उस समय यह फैसला किया कि गुडगांव में 350 एकड़ जमीन पर एम्यूजमेंट पार्क बनायेंगे। फिर फरवरी, 2003 में एच.एस.आई.आई.डी.सी. में जहां पर श्री चौटाला जी के प्रिंसिपल सैक्रेटरी भी थे 265वीं मीटिंग हुई और वहां पर उस मीटिंग में यह निर्णय किया कि एक गोल्फ कोर्स, एक कंवेन्शन फैसिलिटी सर्विसिज़, एक एंटरटेनमेंट और लेज़र प्रोजेक्ट वहां पर बनाया जायेगा। उसके तीन महीने बाद 21 मई, 2003 को एच.एस.आई.आई.डी.सी. की 268वीं मीटिंग हुई जिसमें इन्होंने कहा कि इस पूरे प्रोजेक्ट में लागत केवल 550 करोड़ रुपये की है। यह सब बातें मीटिंग के रिकार्ड पर हैं। अभी श्री चौटाला जी 1703 करोड़ रुपये कह रहे हैं। यह इनकी मीटिंग की कार्यवाही में रिकार्डिड है। इन्होंने कहा कि 550 करोड़ रुपये है जिसमें चार साल तक ग्रोथ कैश फ्लो 92.54 करोड़ रुपये आयेगा। इसके बाद एम्यूजमेंट प्रोजेक्ट के लिए तत्कालीन लोकदल और बी.जे.पी. गवर्नमेंट द्वारा यह ज़मीन एक्वायर कर ली गई। फिर अगस्त, 2003 में इस ज़मीन की लैंड एक्वीज़ीशन एक्ट के तहत सेक्शन चार की नोटिफिकेशन हुई। फिर 20 जनवरी, 2004 को लोकदल और बी.जे.पी. गवर्नमेंट ने इस ज़मीन की सेक्शन 6 की नोटिफिकेशन की। पब्लिक परपज़ डिफाईण्ड है like development of recreational/leisure projects and other public utilities. (Noise and interruption)

**श्री राम पाल माजरा :** स्पीकर सर, \* \* \* \* \*

**श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला :** स्पीकर सर, विपक्ष के साथी मेरी बात को सुन नहीं रहे हैं। यह तो भाव न जाने आंगन टेढ़ा वाली बात हो गई। Speaker Sir, I want your ruling. (शोर एवं व्यवधान)

**Mr. Speaker :** That cannot be recorded which Mr. Majra has stated.

**श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला :** स्पीकर सर, 22 अगस्त, 2003 को श्री चौटाला जी की सरकार ने एच.एस.आई.आई.डी.सी. की मार्फत यह निर्णय किया कि इस जमीन को इंटरनेशनल कम्पीटीटिव बिडिंग के द्वारा बेचा जायेगा। ये सभी बातें रिकार्ड पर हैं। इसके बाद अक्टूबर, 2003 को श्री चौटाला जी के प्रिंसिपल सैक्रेटरी की अध्यक्षता में इस जमीन को इंटरनेशनल बिडिंग के द्वारा बेचने के लिए कमेटी का गठन कर दिया गया। इसके बाद 08 अक्टूबर, 2003 को श्री चौटाला जी ने उस कमेटी को बाकायदा नोटिफाई किया और 22.07.2004 को उन्होंने डी.पी.आर. बनाने के लिए कंसल्टेंट अप्वायंट

\* बेचने के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

[श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला]

करने की तारीख तय कर दी। इसलिए यह कहना कि यह ज़मीन कांग्रेस की सरकार ने बेची सरासर गलत है। स्वीकर सर, हमने दो बार इंटरनेशनल कम्पीटीटिव बिडिंग करवाई। पहली बार केवल एक टैण्डर ही आया।

**Mr. Speaker :** You mean to say that land was neither acquired by the Government nor any bid was invited.

**Shri Randeep Singh Surjewala :** No, Speaker Sir, Section-4 and Section-6 was done during their tenure and awards were announced during the tenure of the last Congress Government. 22 जुलाई, 2004 को डी.पी.आर. के लिए कंसल्टेंट की अप्वायंटमेंट भी आपके समय में हुई है।

**श्री अध्यक्ष :** सुरजेवाला जी, यह आप मेरे समय की बात कर रहे हैं या किसी और के समय की।

**Shri Randeep Singh Surjewala :** Sir, I stand corrected. (Interruption) It is only deepest regard and reverence for Shri Om Prakash Chautala that I have used the word, "आप" for him. The Chair is supreme. उसके बाद दो इंटरनेशनल कम्पीटीटिव बिडिंग प्रेजेंट कांग्रेस की सरकार के द्वारा करवाई गई। पहली बार केवल सिंगल बीडर आया। इस जमीन की वेल्यूएशन बाकायदा जो कंसल्टेंट अप्वायंट किया गया उसके द्वारा करवाई गई। जमीन की वेल्यूएशन करके आई.सी.बी. इंटरनेशनल कम्पीटीटिव बिडिंग जो चौटाला जी की सरकार के समय का फैसला था उसके मुताबिक किया गया। दूसरी बार जब इंटरनेशनल कम्पीटीटिव बिडिंग हुई तो तीन लोग आये। उसमें जो पार्टी बैलिड पाई गई उनकी बिड के आधार पर कांग्रेस की सरकार ने यह जमीन लेजर प्रोजेक्टर, कन्वेंशन, गोल्फ कोर्स इत्यादि के लिए देने का निर्णय लिया गया। इसलिए चौटाला जी का यह कहना सरासर गलत है। इनकी सरकार में जिस जमीन की वेल्यूएशन 550 करोड़ रुपये थी हमने उसकी वेल्यूएशन 1703 करोड़ रुपये की है। इसमें भी अध्यक्ष सहोदय, 70 प्रतिशत से अधिक जमीन ओपन रहेगी। उस जमीन पर या तो फोरस्ट्री की जायेगी या गोल्फ कोर्स बनाया जायेगा। उस जमीन पर कोई कंस्ट्रक्शन नहीं की जा सकती।

**Mr. Speaker :** Mr. Surjewala Ji, did you say Government gained ₹ 1200 crore ?

**Shri Randeep Singh Surjewala :** No, Sir, Government would gain 1703 crore rupees. ₹ 550 crore was a valuation that was done by HSIIDC during the tenure of Shri Om Prakash Chautala.

**Mr. Speaker :** What was the price when you did it?

**Shri Randeep Singh Surjewala :** The Price Discovery Mechanism that was formulated and consequently international competitive bidding was held and the price that finally came out, was ₹ 1703 crore which will go to the people of Haryana.

**Mr. Speaker :** Was it ₹ 1200 crore more than what it was proposed?

**Shri Randeep Singh Surjewala :** Yes, Sir. It was ₹ 1200 crore definitely more than what the Price Discovery Mechanism was originally conceived by the HSIIDC.

**Mr. Speaker :** Mr. Surjewala, do you have record?

**Shri Randeep Singh Surjewala :** I have record, Sir.

**Mr. Speaker :** O.K. Please it on record.

**Shri Randeep Singh Surjewala :** I will, Sir.

श्री राम पाल माजरा : सर, मेरा प्वाइंट ऑफ आर्डर है।

श्री अध्यक्ष : माजरा साहब, चौटाला साहब बोल रहे थे।

श्री राम पाल माजरा : सर, अगर आप इजाजत देंगे तो मैं बोलूंगा।

**Mr. Speaker :** I cannot infringe seniority of Mr. Om Prakash Chautala. Please, let him speak. (शोर एवं व्यवधान)

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर सर, ...

**Mr. Speaker :** No. No., Please sit down your leader was on his legs.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आप बोलने ही कहाँ दे रहे हो। वही बात फिर वहाँ जा कर खत्म हो जाती है।

श्री अध्यक्ष : मैं बोलने दे रहा हूँ। You may continue.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, यह जो जमीन जिसके बारे में मैं आपको बता रहा था आज उस जमीन के दाम जो 1703 करोड़ रुपये में एक प्राइवेट कम्पनी को दी गई है, उसके साथ लगती जमीन के दाम एक लाख रुपये वर्ग गज से ज्यादा हैं। अब आप अंदाजा लगा लीजिए कि इसमें कितना बड़ा घोटाला हुआ होगा। इस प्रकार के अनेकों घोटाले हैं। सिटी सेंटर सैक्टर 29 में लगभग 25 एकड़ का प्लॉट और सैक्टर 52 में लगभग 17 व 16 एकड़ के दो प्लॉट मैसर्स इंटरनैशनल रिक्रिएशन एण्ड एन्वुजमेंट लिमिटेड को 1 जुलाई, 2010 को लगभग 127 करोड़ रुपये में 33 वर्ष की लीज पर दे दिया गया। यह लीज अपने आप ही उसके बाद 33 वर्ष के लिए और बढ़ गई। सैक्टर 29 में व्यवसायिक दृष्टि से जमीनों के बेसकीमती भाव हैं। अतः आज वहाँ पर 5 लाख रुपये प्रति वर्ग गज के भाव हैं। आप क्या-क्या देखोगे आप ईंट उठाओगे वहाँ पर घोटाले मिलेंगे।

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब, भुझे यह दामों का चक्कर समझ नहीं आया। आपके राज में ये कहते हैं कि डेढ़ लाख और तीन लाख रुपये थे। इनके राज में ये कहते हैं कि 55 लाख रुपये थे। इस मामले की सच्चाई क्या है? (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, भाव तो बढ़े हैं। मैं कहने यह जा रहा था कि असल बात जो थी वह कृषि प्रधान देश का उत्पादन घटने की बात थी। एक तरफ तो गवर्नर एड्रेस में यह दर्शाया गया है कि मृदा के स्वास्थ्य में गिरावट, भूमि जोतों का घटता आकार, उर्वरकों का असंतुलित प्रयोग, गुणवत्तापरक बीजों की अपर्याप्त उपलब्धता कम मशीनीकरण, जल संसाधनों का क्षय, ज्ञान अन्तर और प्रौद्योगिकियों के कम प्रचार की वजह से उत्पादन कम हुआ है। दूसरी तरफ हजारों एकड़ उपजाऊ जमीन का अधिग्रहण कर लिया गया, तीसरी बात बाढ़ की वजह से हरियाणा प्रदेश में आज हजारों एकड़ जमीन पर बिजाई नहीं हो सकती। सरकार ने उसके लिए क्या किया है? कहीं और की

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

तो बात ही नहीं है, मुख्य मंत्री के अपने जिलों में भी आज रोहतक और झज्जर में खेतों में पानी खड़ा होने की वजह से हजारों एकड़ जमीन बिना बिजाई के रह गई है और इसकी वजह से पैदावार कम हुई। अभी प्रस्तावक की तरफ से जिज्ञासा की गयी कि हरियाणा प्रदेश में गन्ने के बढ़े हुए भाव दिए गए हैं। मैंने पिछले अधिवेशन में भी मुख्यमंत्री जी से कहा था। इन्होंने रोहतक में शूगर मिल को पहली जगह से हटाकर दूसरी जगह पर लगाया था। उस शूगर मिल को दूसरी जगह पर लगाने पर उसकी लागत 180 करोड़ रुपये आई जबकि शूगर मिलों को लगाने में 45-50 करोड़ रुपये से ज्यादा लागत नहीं आती है। अध्यक्ष महोदय, एक दिसम्बर को जब मुख्यमंत्री जी ने उसका उद्घाटन किया तो उद्घाटन करके यह कहा था कि यह शूगर मिल समूचे एशिया के स्तर पर सबसे अच्छी शूगर मिल होगी क्योंकि इसमें सबसे अच्छी मशीनरी लगी हुई है लेकिन अगले ही दिन तकनीकी हैंडस ने उसको यह कहकर बंद कर दिया कि उसकी मशीनरी नकारा है इसलिए यह चल नहीं पाएगी। अध्यक्ष महोदय, पिछले सारे साल के अंदर चार परसेंट उसकी रिकवरी हुई है और 18.50 किंचटल गन्ना उसमें पीड़ा गया है।

**श्री अध्यक्ष :** चौटाला जी, मैं समझता हूँ कि शूगर मिल सोच समझकर लगायी जाती हैं। भूना में भी शूगर मिल लगायी गयी थी लेकिन वह भी यहाँ से बंद कर दी गयी थी। इसी तरह से पन्नीवाला भोटा में क्या कोई शूगर मिल है?

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, जो बंद होने वाली हैं उनको बंद कर दिया जाए लेकिन यह शूगर मिल तो रिसेटली लगी है। इस साल उसकी यह पोजीशन है कि रस बहा दिया गया। इस शूगर मिल से अब तक 18.50 किंचटल गन्ना की पिराई हुई है तथा 1 लाख 17 किंचटल खीनी बनी है। इस शूगर मिल की सबसे कम रिकवरी यानी 7.27 परसेंट रिकवरी है। इस शूगर मिल को वहाँ से हटाकर दूसरी जगह लगाने की इनकी संशा केवल यही थी कि प्राइम लैण्ड को बेचकर पैसा खा लिया जाए। पैसा खाने का इन्होंने ध्येय बना लिया है इसलिए ऐसी हालत आज प्रदेश के अंदर हो चुकी है।

**Mr. Speaker :** Chautala Ji, you made a great speech. You should conclude please. चौटाला जी, मैंने दूसरे मैम्बरज को भी बोलने का टाईम देना है। मैंने आपके मैम्बरज को भी बोलने का टाईम देना है इसलिए अब आप कंक्ल्यूड करें।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, आप मेरे पर ही अंकुश क्यों लगा रहे हैं। जब और सदस्य बीच में बोल रहे थे उस वक्त आपने क्यों नहीं कुछ कहा। क्या मुझे बोलने का अधिकार नहीं है? आप मुझे बोलने से रोक देने की कैसे कोशिश कर रहे हैं? अभी तो बात ही शुरू हुई है।

**श्री अध्यक्ष :** चौटाला जी, आपने अपनी स्पीच 4.47 बजे पर शुरू की थी। पांच सात मिनट्स की जरूर इंटरवेंशन हुई है। You made a very good speech. You should conclude now.

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, मेरा समय तो वे बीच में बोल बोलकर ले गए। एक ही तो अबसर हमें बोलने का मिलता है। अध्यक्ष महोदय, आज हरियाणा प्रदेश में पानी के मामले का जिज्ञासा करें तो आज एस.वाई.एल. नहर हरियाणा प्रदेश की जीवन रेखा है। एस.वाई.एल. नहर का मुद्दा आज किसी भी अदालत के विचाराधीन नहीं है। मैं आपको बताऊँ कि 15 जनवरी, 2002 में सुप्रीम कोर्ट ने...

**Shri Randeep Singh Surjewala :** Sir, the Punjab Assembly had passed a completely illegal legislation. The matter is pending before a constitution bench of the Hon'ble Supreme Court referred by the none less than Dr. Manmohan Singh, the Prime Minister of India.

**Mr. Speaker :** But he is saying that it is not pending anywhere.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, फिर यह प्वायंट ऑफ आर्डर पर आ गये। अध्यक्ष महोदय, आप फिर कहोगे कि मेरा टाईम खत्म हो गया।

**Shri Randeep Singh Surjewala :** A constitutional reference has been made on the validity of the legislation.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं वह भी बता दूंगा इनको बताने की जरूरत नहीं है। 15 जनवरी, 2002 को पंजाब को सुप्रीम कोर्ट ने आर्डर दिया था कि वह एस.वाई.एल. नहर मुकम्मल करें। हमने दोबारा सुप्रीम कोर्ट में जाकर अर्ज किया था कि पंजाब इसको नहीं बना रहा है। इसके लिए 4 जून, 2004 को सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला किया था कि इसको सी.पी.डब्ल्यू.डी. बनाएगी। उसके बाद 12 जुलाई, 2004 को उस एक्ट को पंजाब की सरकार ने रिजेक्ट कर दिया। भारतवर्ष अखण्ड रह सके, इसके लिए चाहिए तो यह था कि केन्द्र की सरकार को इस मामले में ऐक्शन लेना चाहिए था लेकिन वह कोई ऐक्शन नहीं ले पायी। इसके पीछे क्या कारण हो सकते हैं उनमें मैं नहीं जाना चाहता लेकिन अब यह केस किसी अदालत के विचाराधीन नहीं है। इस मामले को लेकर जब हम सुप्रीम कोर्ट में गये तो सुप्रीम कोर्ट ने रैफरेंस मांगा था।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। उस समय जब ये मुख्यमंत्री थे तो इन्होंने तो इस बारे में केस भी नहीं किया था। आज के मुख्यमंत्री जी ने जो उस समय इस सदन में विपक्ष के नेता थे, उन्होंने इस मामले में कदम उठाया था। इन्होंने तो कुछ नहीं किया था।

**Mr. Speaker :** I know Mr. Chautala has remained as Chief Minister for four times and for nearly 8-9 years. If he has not done anything during his tenure he knows it. You need not tell me.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, यानी वह रैफरेंस है और राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट से रैफरेंस मांगा है। सुप्रीम कोर्ट में हरियाणा सरकार की तरफ से बार-बार डिले किया जा रहा है। कोई केस पेंडिंग नहीं है सिर्फ रैफरेंस है। सुप्रीम कोर्ट ने यह रैफरेंस देना है कि आया जो उन्होंने फैसला किया है वह ठीक है या गलत है।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, आप इनसे यह तो पूछ लें कि कांस्टीट्यूशनल रैफरेंस क्या होता है। Can he please quote the provision of the constitution and say what is the constitutional reference? It is a reference made by the Government of India to Supreme Court and a constitution bench is constituted.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आप तो लॉ ग्रेज्यूएट हैं।

श्री शेर सिंह बड़शामी : अध्यक्ष महोदय, मैं सुरजेवाला जी की बात का जवाब दे रहा हूँ जो वे केस और रिफरेंस के बारे में डिफरेंस पूछ रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

**Shri Randeep Singh Surjewala :** Why does he need to answer on behalf of his leader? Let his leader answer that. (Interruption) He will get a chance to speak then he may speak. (Interruption)

**Mr. Speaker :** No, I do not expect you to speak when Shri Chautala is speaking. (Interruption)

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, वह कैसे कंटीन्यू करेगा। वह तो प्वायंट ऑफ ऑर्डर पर है। अध्यक्ष महोदय, ताज्जुब की बात ये है कि आप स्वयं ला ग्रेजुएट हैं और ये आपको ही इस बारे में बताने जा रहे हैं कि ये होने जा रहा है।

**Mr. Speaker :** That is why I did not hear him.

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, आपने तो मेरा समय इनको सुन-सुन कर ही खराब कर दिया।

**Mr. Speaker :** I did not take instructions from anybody else while sitting here.

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, कोई भी केस सर्वोच्च न्यायालय के विचाराधीन नहीं है। सिर्फ रिफरेंस है और रिफरेंस के लिए सरकार उसमें जान बूझ कर डिले कर रही है। ये तो चुनावी मुद्दा बनाते हैं। अब की बार चुनाव में इन्होंने बी.एम.एल. हांसी बुटाना नहर के लिए मुद्दा बना लिया। अध्यक्ष महोदय, हमने पिछले सदन में भी यह कहा था कि क्या यह नहर टेक्नीकली वॉयबल है क्या इसमें पंपचर लगाने की अनुमति मिल सकती है? क्या आपके पास पानी अवेलेबल है?

**श्री अध्यक्ष :** चौटाला साहब, आप क्या कहना चाहते हैं कि यह बी.एम.एल. हांसी बुटाना नहर बननी चाहिए कि नहीं?

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, आप पहले मेरी बात तो सुनें। मैं यही तो बता रहा हूँ। पहले इसकी मंजूरी लेनी चाहिए। हम इस बात के पक्षधर हैं कि किसानों की भूमि की सिंचाई के लिए जहां से भी जितना भी पानी मिल सके, मिलना चाहिए।

**श्री अध्यक्ष :** चौटाला साहब, मुझे कोई समझा लो पाए कि बननी चाहिए या नहीं बननी चाहिए। मैं आपसे जानना चाहता हूँ कि यह बी.एम.बल. हांसी बुटाना नहर बननी चाहिए कि नहीं? मुझे कोई समझा लो पाए कि बननी चाहिए कि नहीं बननी चाहिए।

**श्री शेर सिंह बड़शामी :** अध्यक्ष महोदय, बननी चाहिए।

**Mr. Speaker :** Mr. Barshami says 'बननी चाहिए।'

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, मैं कह रहा हूँ कि नहर तो बने लेकिन नहर में पानी कहां से आएगा? सरकार यह तो स्पष्ट करे। पानी अगर नहीं है और यह टेक्नीकली वॉयबल नहीं है तो इसके ऊपर जो पैसा खर्च हुआ है उसकी रिकवरी किससे की जाएगी, यह भी बताएं?

**वित्त मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव) :** अध्यक्ष महोदय, ये हाउस को मिसलीड तो न करें। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** कप्तान साहब, आपकी ओर मेरी तो अब बेसे भी रलती आएगी। (हांसी)



**कैप्टन अजय सिंह यादव :** अध्यक्ष महोदय, ये हाउस को मिसलीड तो न करें। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, इन्होंने कहा कि पानी कहां से आएगा? मैं बताना चाहूंगा कि हमारा जो पानी का हिस्सा है और जो अब तक कुछ जिले फालतू पानी लेते रहे हैं उसका इक्वल डिस्ट्रीब्यूशन करने के लिए। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री राम पाल माजरा :** अध्यक्ष महोदय, पहले कैप्टन साहब से यह तो क्लीयर करवाएं कि कौन से जिलों में फालतू पानी आज तक जाता रहा है?

**Mr. Speaker :** When the Speaker speaks, you are not supposed to speak. Speaker hardly speaks and when he speaks, nobody speaks. Alright. (Interruption) Listen to me please. Let me ask him one question. He is a very important Minister in this Government. (Interruption) Listen to me. This is a very important question which I am asking (Interruption). Mr. Yadav, do you belong to a Political Party?

**Capt. Ajay Singh Yadav :** Why not Sir.

**श्री अध्यक्ष :** क्या आपकी पार्टी ने कोई पानी के बारे में इलेक्शन इशू बनाया था जैसा चौटाला साहब ने कहा, या किसी ने बनाया था?

**Capt. Ajay Singh Yadav :** Sir, I will answer that.

**Mr. Speaker :** I also want to know कि उसमें क्या हुआ।

**कैप्टन अजय सिंह यादव :** अध्यक्ष महोदय, हमारी गवर्नमेंट के पार्टी मैनीफेस्टों में यह था कि जब हमारी सरकार आएगी तो हम पानी का इक्विटेबल डिस्ट्रीब्यूशन करेंगे और उसके लिए हमारी सरकार ने 360 करोड़ रुपये की लागत से बी.एम.एल. हांसी बुटाना लिंक नहर बनाई है।

**श्री अध्यक्ष :** यहां एक बड़ा सीरियस इशू चल रहा है and everybody is laughing including me. Please keep silence.

**श्री अशोक कुमार अरोड़ा :** अभी अजय यादव जी ने कहा था कि कुछ जिले फालतू पानी ले रहे थे।

**कैप्टन अजय सिंह यादव :** अध्यक्ष महोदय, हमारा उद्देश्य था कि पानी का समान बंटवारा हो और उसको देखते हुए बी.एम.एल. हांसी बुटाना नहर बनाई थी। उसका लेवल भी ठीक है।

**श्री अध्यक्ष :** आप यह बतायें कि बी.एम.एल. का पानी कितने क्षेत्रों को जाना था?

**कैप्टन अजय सिंह यादव :** अध्यक्ष महोदय, यह पानी 16 जिलों को जाना था। इसमें महेन्द्रगढ़, गुड़गांव, रेवाड़ी, भिवानी सहित टोटल 16 जिले हैं जिनको यह पानी जायेगा। इसके लिए यह नहर बनाई गई। (विध्वन)

**Mr. Speaker :** Mr. Yadav, please let me know कि जो चौटाला जी ने कहा है यह बहुत सीरियस बात है आप इसे सीरियली लें। यह हांसी बुटाना लिंक नहर का पानी आपकी गवर्नमेंट ले जाना चाहती थी वह सरकार किन-किन जिलों के लिए ले जाना चाहती थी कि वहां पानी है या नहीं है।

**कैप्टन अजय सिंह यादव :** अध्यक्ष महोदय, जिस इलाके से मैं और राव नरेन्द्र सिंह आले हैं वह महेन्द्रगढ़ और रेवाड़ी का इलाका है वहां पर 1000 फीट पर नीचे पानी का लेवल चला गया है। श्री अजय सिंह चौटाला का भिवानी लोकसभा क्षेत्र जहां से ये चुनाव लड़ते हैं और श्रीमती किरण चौधरी भी उसी एरिया से हैं उस इलाके में पानी नहीं है उस इलाके के लिए यह बी.एम.एल. नहर का पानी जाना था। उस नहर के लिए यह कहना कि हमने पैसा जाया कर दिया। इस प्रकार की अगर लीडर ऑफ दि अपोजीशन बात कहते हैं जहां 16 जिलों के लोगों को लाभ पहुंचता हो और पानी के इक्विटेशन डिस्ट्रीब्यूशन की बात हो अगर उस नहर को रोकने की ये बात करते हों तो यह बात इनको शोभा नहीं देती है।

**श्री अध्यक्ष :** मिस्टर यादव, मैंने आपसे एक स्पैसिफिक प्रश्न पूछा था आपने इसको इलैक्शन इशू बनाया था या नहीं?

**कैप्टन अजय सिंह यादव :** अध्यक्ष महोदय, हमने अपनी पार्टी मैनिफेस्टो में यह कहा था कि हम इक्विटेशन डिस्ट्रीब्यूशन ऑफ वाटर करेंगे। (व्यवधान)

**Mr. Speaker :** I am aware कि ये थे तो इन्होंने इसको इशू बनाया था। I want to know whether you also did it?

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, मैं आपको इसकी पूरी जानकारी दे देता हूँ। यह जो हांसी बुटाना कैनाल है हम इस बात के लिए पक्षधर हैं कि हरियाणा प्रदेश के किसान के खेत की सिंचाई के लिए नहरें बनें, डिस्ट्रीब्यूटरियां बनें और माईनर बनें लेकिन सरकार यह तो बताये कि क्या हांसी बुटाना नहर बनाने के लिए टेक्नीकली वॉयबल है और फिर ये उस नहर के लिए पंक्चर कहाँ पर लगायेंगे जहां तीन स्टेट का पानी के बंटवारे का पहले ही डिस्ट्रीब्यूट है और क्या इन्होंने सी.डब्ल्यू.सी. से इस नहर को बनाने के लिए कोई परमिशन पहले ली। आज पानी के बंटवारे का मामला सर्वोच्च न्यायालय में विचाराधीन है और इस पर स्टे है।

**कैप्टन अजय सिंह यादव :** अध्यक्ष महोदय, सी.डब्ल्यू.सी. की रिपोर्ट में इस नहर को वॉयबल माना है और कहा है कि जो हमें 1.06 एम.ए.एफ. पानी मिल रहा है उसका हम इक्विटेशन डिस्ट्रीब्यूशन करें।

**श्री अशोक कुमार अरोड़ा :** क्या सी.डब्ल्यू.सी. ने इसकी मन्जूरी दे दी है?

**कैप्टन अजय सिंह यादव :** अध्यक्ष महोदय, सी.डब्ल्यू.सी. ने अपनी मन्जूरी दे दी है। (व्यवधान)

**Mr. Speaker :** No personal arguments. You just let me know. I want to know whether any road blocks were created by anybody?

**Capt. Ajay Singh Yadav :** Sir, no road blocks have been made. Only there is a stay from Supreme Court. गृह युद्ध की बात ये करते हैं। इन्होंने इस नहर के विरोध में बात की थी और श्री अजय सिंह चौटाला ने यह कहा था कि अगर यह नहर बनी तो हरियाणा में गृह युद्ध छिड़ जायेगा। ये इसके बारे में बतायें।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, ये बात को धुभा रहे हैं मैं इनसे यह पूछता हूँ कि इस नहर को बनाने से पहले सी.डब्ल्यू.सी. से परमिशन पहले लेनी चाहिए थी क्या इन्होंने वह परमिशन पहले ली या नहीं?

**श्री अध्यक्ष :** चौटाला साहब, परमिशन अगर बाद में मिल गई तो कोई हर्ज नहीं।

**कैप्टन अजय सिंह यादव :** अध्यक्ष महोदय, परमिशन मिल गई है।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, आज इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने स्टे दिया हुआ है और इन्होंने एक दरखास्त और दी थी कि हमें पीने के पानी के लिए पम्प आऊट करने के लिए अनुमति दे दी जाए उसके लिए भी सर्वोच्च न्यायालय ने इन्कार कर दिया।

**कैप्टन अजय सिंह यादव :** अध्यक्ष महोदय, इन्कार नहीं किया है बल्कि अभी उस पर हियरिंग चल रही है। इस बारे में कोई डिस्मिशन नहीं हुआ है। (व्यवधान) आप कैसे कह सकते हैं कि इन्कार कर दिया। Do not mislead the House.

**श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा :** अध्यक्ष महोदय, स्टे किया हुआ है, इन्कार नहीं किया है। They have not refused. There is a difference between 'refuse' and 'stay'. नहर में पंपचर करने के बारे में स्टे किया हुआ है।

**Mr. Speaker :** I have understood.

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, मैं इंजीनियर तो नहीं हूँ लेकिन पीछे बारिश के दौरान जो हालात बीते हैं।

**Mr. Speaker :** If you are not an engineer? Then how can you tell कि वॉयब्लिटी थी कि नहीं थी।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, मैंने इंजीनियर्स की रिपोर्ट ली थी। आप भी तो रिपोर्ट ले रहे हैं ना। मैं भी कहीं से ले लेता हूँ।

**कैप्टन अजय सिंह यादव :** अध्यक्ष महोदय, सी.डब्ल्यू.सी. ने बाकायदा यह कहा है कि यह नहर बनाना वॉयबल है उसका लैवल वॉयबल है। यह कहना कि वॉयबल नहीं है बिल्कुल गलत है। लैवल बहुत बढ़िया है और नहर चलेगी दबादब।

**आवकारी एवं कराधान मंत्री (श्रीमती किरण चौधरी) :** अध्यक्ष महोदय, पानी उन इलाकों को मिलता जो लोग तिसाये मर रहे हैं जिन्होंने कभी पानी नहीं देखा उनको पानी मिलता।

**Mr. Speaker :** Mrs. Kiran Chaudhary, is Bhiwani also going to get benefited from this?

**श्रीमती किरण चौधरी :** सर, भिवानी, महेन्द्रगढ़, रेवाड़ी, रोहतक और दक्षिणी हरियाणा का इलाका है उस इलाके को इस नहर से बेंनीफिट मिलता।

**Mr. Speaker :** Cannot this House be unanimous on this? (Interruption) If the whole House is unanimous on this then why anybody should criticize the Government? Let there be a unanimity that Hansi-Butana water should come.

**Capt. Ajay Singh Yadav :** Sir, you should pass a resolution here. Sir, ask them, are they ready for the resolution or are they opposing it?

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, इस नहर के बनने से पहले मैं इसके परिणाम बता रहा हूँ। (शोर एवं व्यवधान)

**Mr. Speaker :** Chautala Sahib are you opposing that resolution? (Interruption)

**Capt. Ajay Singh Yadav :** Sir, this is an offer.

**Mr. Speaker :** What is your offer?

**Capt. Ajay Singh Yadav :** Sir, my offer is that this House should pass a unanimous resolution for this BML Hansi Butana Link Canal (Interruption) Are they ready for it? अध्यक्ष महोदय, ये नहर के हक में हैं तो रेजोल्यूशन पास करने में इनको क्या दिक्कत है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, ये इसको गलत ढंग से ले जा रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब नहीं चाहते कि यूनानीमसली कोई रेजोल्यूशन पास हो। (शोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, हमें इनको जरूर परसुएड करना चाहिए। हांसी बुटाना नहर का मुद्दा कोई राजनीतिक दलों का मुद्दा नहीं है। (शोर एवं व्यवधान) Speaker Sir, they should pass a resolution in co-leadership.

**Mr. Speaker :** But he does not want to. What can I do?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : सर, हमें जरूर उनको परसुएड करना चाहिए।

श्री अध्यक्ष : जब चौटाला साहब नहीं चाहते कि यूनानीमस हो तो मैं क्या करूँ? I cannot force him.

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : सर, हांसी बुटाना नहर कोई राजनीतिक दलों का मुद्दा नहीं है।

**Mr. Speaker :** But I cannot force him.

श्री सतपाल सांगवान : अध्यक्ष महोदय, प्यासे तो हम हैं। ये तो चुनाव लड़कर आ गए। (शोर एवं व्यवधान)

**Mr. Speaker :** Mr. Sangwan, you are also from Bhiwani. You also need this water.

**Smt. Kiran Chaudhary :** Sir, everybody wants it today.

**Mr. Speaker :** Whether this House wants a unanimous decision?

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आप मेरी बात को सुन लें और समझ लें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री दान सिंह : अध्यक्ष महोदय, पानी तो हमें चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

**Mr. Speaker :** But he does not want it. (Interruption) Mr. Dan Singh you have to convince him for that.

**Shri Dan Singh :** Sir, we are convincing him but he is not ready to accept it.

**Mr. Speaker :** Then he is not agreeing.

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, मैं इसके लिए एग्री तो हूँ लेकिन यह मुद्दा आपका, मेरा था सदन का नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला :** अध्यक्ष महोदय, ये एग्री हैं तो यूनानीमसली रैजोल्यूशन पास कर दें। (विघ्न) Sir, he has agreed. We are grateful that he has agreed. हम इनके धन्यवादी हैं। (शोर एवं व्यवधान)

**Mr. Speaker :** Both of you please resume your seats. (Interruption) This is a very important matter and it should be taken up very seriously by all sections. The Treasury Benches want a unanimous resolution from this august House regarding the availability of water from Hansi Butana Link Canal. Is the House ready for unanimous resolutions?

**Voice from the Treasury Benches :** Yes Sir.

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, आप पहले मेरी बात तो सुन लें। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला :** अध्यक्ष महोदय, मुझे इनको धन्यवाद करने का मौका तो दें। (शोर एवं व्यवधान)

**Mr. Speaker :** This is not a unanimous resolution because the Leader of Opposition has not seconded it.

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, हम समूचे इसके लिए एग्री हैं लेकिन--

**श्री अध्यक्ष :** आपको कोई हैजिटेसन तो नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** नहीं सर, हमें कोई हैजिटेसन नहीं है लेकिन--

**श्री अध्यक्ष :** क्या इस नहर का पानी आना चाहिए।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, आप लोग पर है इसलिए मुझे शर्म आ रही है लेकिन सवाल यह है कि--

**श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला :** अध्यक्ष महोदय, इनके 'लेकिन' में तो गड़बड़ है। (शोर एवं व्यवधान) ये कहते हैं कि मुझे मंजूर है लेकिन--

**Mr. Speaker :** Mr. Surjewala, you terribly disappoint me.

**Shri Randeep Singh Surjewala :** But how can the....

**Mr. Speaker :** First, he was not agreeing. When he was agreeing, then you start pointing out this. क्या मतलब हुआ?

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हम इसके लिए पूरी तरह से एग्री हैं। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, आपके और समूचे सदन के एग्रीमेंट से काम नहीं चलेगा क्योंकि यह मामला अदालत में विचाराधीन है। यह 3 रियासतों का डिस्प्यूट है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : पंजाब गवर्नमेंट ने भी रेजोल्यूशन पास किया था। हम भी यूनानीमसली कर सकते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, वह इस नहर का मामला नहीं था बल्कि एस.वाई.एल. के मामले में किया था। (शोर एवं व्यवधान)

**Shri Randeep Singh Surjewala :** Sir, please ask him whether he is agree or not going to agree? He has to say.

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, यूनानीमसली रेजोल्यूशन पास करवा दें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, यह मामला अदालत के विचाराधीन है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, ये कभी किंतु कहते हैं कभी लेकिन कहते हैं। ये यह तो बता दें कि इनका स्टैंड क्या है कम से कम क्लैरीफाई तो कर दें।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, इनका स्टैंड क्या है। (शोर एवं व्यवधान)

**Mr. Speaker :** Mr. Ajay Yadav, have you taken my view point seriously?

**Capt. Ajay Singh Yadav :** Sir, I have taken your view point seriously. I am saying you should go for unanimous resolution and they should agree with us.

**Mr. Speaker :** Can I force him?

**Capt. Ajay Singh Yadav :** No, Sir, you cannot force him (Interruption)

**Mr. Speaker :** Then please resume your seat. I cannot force anybody.

**Shri Bharat Bhushan Batra :** Hon'ble Speaker Sir, let settle this controversy. Let the Opposition make a specific statement.

**Mr. Speaker :** Leader of Opposition is not agreeing to it. He is not agreeing to a unanimous resolution. Please resume your seat. (Interruption) Mr. Bharat Bhushan, I ask you to resume your seat. (Interruption)

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : स्पीकर सर, आप पक्षपात न करें। (शोर एवं व्यवधान) आप हमारी बात नहीं सुन रहे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : आप खुद पार्टी बनते हो। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : इसमें क्या पक्षपात है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आप पक्षपात कैसे कर सकते हो। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** मैने सीरियसली कहा है कि यूनानीमसली प्रस्ताव पास करें लेकिन आपने मना कर दिया। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, आप यह कैसे कह रहे हो। (शोर एवं व्यवधान) आप हमारे मुंह में डाल रहे हो। (शोर एवं व्यवधान) पक्षपातपूर्ण रवैया तो आप अपना रहे हो। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री राम किशन फौजी :** अध्यक्ष महोदय, इनका पगड़ी बदल भाई पानी नहीं आने दे रहा। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** प्लीज, आप सभी बैठें। (शोर एवं व्यवधान) फौजी साहब, आप प्लीज बैठिये। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** आप पार्थ के सार्थी बनना चाहते हो। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री शेर सिंह बड़शामी :** अध्यक्ष महोदय, (शोर एवं व्यवधान)

**श्री रामपाल भाजरा :** अध्यक्ष महोदय, (शोर एवं व्यवधान)

**श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला :** अध्यक्ष महोदय, बड़शामी जी और भाजरा जी अपने लीडर चौटाला साहब को ही डिस्टर्ब कर रहे हैं। हम तो चुप बैठे हैं। (शोर एवं व्यवधान) ये अपने लीडर को भी नहीं बोलने दे रहे। अध्यक्ष महोदय, इनको आप थोड़ा सा डिसीपलिन करिये। (शोर एवं व्यवधान) कभी बड़शामी जी खड़े हो जाते हैं और कभी भाजरा जी खड़े हो जाते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री रामपाल भाजरा :** अध्यक्ष महोदय, कैप्टन साहब यह बतायें कि पानी कहां से आयेगा और किन-किन जिलों में पानी जायेगा। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** मिस्टर यादव, उन्होंने पूछा है कि पानी कहां से आयेगा। आप इस बारे में बतायें।

**कैप्टन अजय सिंह यादव :** अध्यक्ष महोदय, जो जिले फालतू पानी ले रहे हैं उनसे पानी लेकर बराबर डिस्ट्रीब्यूट करेंगे। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री नरेश प्रधान :** अध्यक्ष महोदय, जो ज्यादा पानी का शेयर ले रहे हैं उनसे पानी लेकर पानी का बंटवारा बराबर किया जायेगा। (शोर एवं व्यवधान) ये तो अपने पगड़ी बदल भाई से ही मिले हुए हैं। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी यह तो बतायें कि पानी कहां से आयेगा (शोर एवं व्यवधान) पानी कहां से आयेगा? (शोर एवं व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** चौटाला साहब, जवाब आ गया है। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री नरेश प्रधान :** अध्यक्ष महोदय वे लोग किन्तु-परन्तु कर रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** मिस्टर नरेश आप बैठ जाईये। (शोर एवं व्यवधान) Hon'ble Members resume your seats. (Interruption)

**श्री अशोक कुमार अरोड़ा :** अध्यक्ष महोदय, जिस समय पंजाब सरकार ने रैज्योलूशन पास किया था उस समय वहां पर कांग्रेस की सरकार थी। (शोर एवं व्यवधान)

**Mr. Speaker :** Hon'ble Members, please resume your seats. Just three minutes are left.

**श्री अशोक कुमार अरोड़ा :** अध्यक्ष महोदय, आज प्रदेश में कांग्रेस की सरकार है, ये रैज्योलूशन लेकर आये और केन्द्र सरकार को लिखें कि वे पार्लियामेंट में पंजाब सरकार ने जो रैफरेंस पास किया था वह वापस लें और नहर बनवायें। (शोर एवं व्यवधान) आप रैज्योलूशन लेकर आये तो सही। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला :** अध्यक्ष महोदय, चौटाला जी के अलावा सदन के दूसरे मेंबरान ने भी बोलना है। (शोर एवं व्यवधान) Sir, he has taken the entire time of the House today.

**केप्टन अजय सिंह यादव :** अध्यक्ष महोदय, इनका एलायंस अकाली दल के साथ है और एक मेंबर भी अकाली दल का सदन में चुनकर आया हुआ है। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री अशोक कुमार अरोड़ा :** स्पीकर सर, हमारा तो एलायंस ही है जबकि इनके पार्टी के मुख्यमंत्री केप्टन अमरेन्द्र सिंह ने वह बिल पास किया था। इनकी केन्द्र में भी कांग्रेस की सरकार है और प्रदेश में कांग्रेस की ही सरकार है। (शोर एवं व्यवधान) कांग्रेस पार्टी की सरकार के मुख्यमंत्री केप्टन अमरेन्द्र सिंह के होते हुए ही वह रैफरेंस आया था। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री नरेश प्रधान :** अध्यक्ष महोदय, जिन्होंने स्टे लिया था उनके साथ इनका गठबंधन है। अगर नहीं है तो ये बता दें। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** मिस्टर नरेश, प्लीज आप बैठें। (शोर एवं व्यवधान) नरेश जी आप भी बैठें और अरोड़ा जी भी बैठें।

**श्री अशोक कुमार अरोड़ा :** अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे अनुरोध कर रहा हूँ कि सरकार हरियाणा के हित में एक रैज्योलूशन लेकर आये कि पंजाब की उस समय सरकार ने जो रैफरेंस पास किया था। (शोर एवं व्यवधान)

**Shri Randeep Singh Surjewala :** Speaker Sir, I want your ruling. What Mr. Arora is saying ? Whether it is a point of order ? On what point of order his leader is saying ? I want a ruling on this, Sir.

**श्री अशोक कुमार अरोड़ा :** अध्यक्ष महोदय, \* \* \*

**Mr. Speaker :** Nothing is to be recorded. (Interruption) It is my misfortune. (Interruption) What this is happening ? All personal remarks are not to be recorded. Mr. Chautala may continue.

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, आप मुझे कह तो देते हो लेकिन बोलने नहीं देते।

**श्री अध्यक्ष :** मैं तो बोलने दे रहा हूँ आपके साथी ही नहीं बोलने देते।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, मैं सबसे पहले उस बात से अलग-थलग एक और बात कहता हूँ कि ये दोनों रैज्योलूशन यूनानीमस पास हो जायें। एक तो जो पंजाब की सरकार ने पुराना कानून रद्द किया है। (विघ्न)

\* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।



श्री शेर सिंह बड़शामी : अध्यक्ष महोदय, (विष्णु)

**Mr. Speaker :** Mr. Barshami, you are passing running commentary when your leader is speaking. आप ऐसा करते हैं मुझे दुख हो रहा है।

श्री शेर सिंह बड़शामी : स्पीकर साहब, मैं ऐसा नहीं कर रहा। मैं तो आपसे पूछकर बोलना चाहता हूँ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर साहब, यह दुख की बात नहीं है। यह ठीक कह रहे हैं। यह लॉ ग्रेजुएट है और मैं अनपढ़ आदमी हूँ कहीं कुछ गलत न कह दूँ। मुझे बताना इनका फर्ज बनता है। (विष्णु) अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूँ कि दोनों रैजोल्यूशन आज ही पास कर दिए जायें ताकि सारी भ्रांति समाप्त हो जाये।

**Mr. Speaker :** At that time, I wanted but you did not agree.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, इसमें दिक्कत क्या है ?

श्री अध्यक्ष : अगर आप उस समय एग्री करते तो मैं कुछ करता।

**18.00 बजे** श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैंने इनसे कभी इनकार नहीं किया। हम तो इससे एग्री कर रहे थे कि दोनों रैजोल्यूशन पास किये जायें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, ठीक है दोनों रैजोल्यूशन आज ही पास किये जायें। अध्यक्ष महोदय, मैं श्री ओम प्रकाश चौटाला जी को यह याद दिलाना चाहता हूँ कि जब ये हरियाणा प्रदेश के मुख्यमंत्री थे और मैं विपक्ष में था उस समय जब एस.वाई.एल. का सवाल यहाँ पर आया था उस समय हमने उस प्रस्ताव का समर्थन किया था और श्री चौटाला जी को यह कहा था कि आप आगे चलो हम आपका साथ देंगे। सरकार ने उस समय मुकद्दमा भी दायर नहीं किया। मैं यह मानता हूँ कि जहाँ हरियाणा प्रदेश के हितों का सवाल हो उसके लिए हम सभी को राजनीतिक मतभेद भुलाकर एक होना चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हमारा प्रत्येक आदमी इसके लिए तैयार है और भविष्य में भी तैयार रहेंगे।

**Mr. Speaker :** Barshami ji, you did not agree initially. बड़शामी जी, जब मैंने पहले आपको यह कहा था कि इस बारे में यूनानीमसली रैजोल्यूशन पास किया जाना चाहिए उस समय आप ओपोज कर रहे थे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री शेर सिंह बड़शामी : स्पीकर सर, मैंने रैजोल्यूशन को ओपोज नहीं किया था (शोर एवं व्यवधान) हरियाणा प्रदेश के हित में मैं एक दूसरे रैजोल्यूशन की भी सलाह देता हूँ कि एक यूनानीमसली रैजोल्यूशन पास करके (शोर एवं व्यवधान) केन्द्र सरकार को आर्टिकल 262 के तहत पूरी पॉवर हैं कि वह नहर का निर्माण करवा सकती है। अगर ऐसा न हो तो आप मुझे बता दीजिए। (शोर एवं व्यवधान)

**Mr. Speaker :** Have you started speaking ?

श्री शेर सिंह बड़शामी : नहीं स्पीकर सर, मैं तो आपकी परमीशन लेकर जो बात चल रही थी उसमें पार्टीसिपेट कर रहा हूँ।

**Mr. Speaker :** I think you will generate a very good debate. You are a very good lawyer but your leader didn't say that you are a lawyer. (Interruption)

**श्री शेर सिंह बड़शामी :** स्पीकर सर, जब आप सवाल पूछोगे तब मैं आपके सवालों का भी जवाब देने के लिए तैयार हूँ।

**श्री अध्यक्ष :** मैं तो यही कह रहा हूँ कि जब मैंने इनीशियली कहा तो आप लोगों ने एग््री नहीं किया।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, मुझे आपकी संशा ऐसी लगती है कि आप मेरे टाईम को काटने पर लगे हुए हैं।

**श्री अध्यक्ष :** चौटाला जी, ऐसी बात नहीं है आपने 04 बजकर 47 मिनट पर बोलना शुरू किया था और अब 06 बजकर 02 मिनट हो चुके हैं। Chautala Ji, now please carry on.

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, अभी मेरे पास बहुत सारे मुद्दे हैं जिन्हें मुझे टच करना है।

**श्री अध्यक्ष :** ठीक है, चौटाला जी जब तक आप बोलना चाहते हो आप बोलो, आपको बुलवाने से मुझे भी कोई नहीं रोक सकता मैं आपको बुलवाऊंगा।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, जब मैं बोलना शुरू करता हूँ तो ट्रेजरी बँचिज़ के माननीय सदस्य खड़े हो जाते हैं।

**श्री अध्यक्ष :** चौटाला जी, ये अपनी मर्जी से खड़े हो जाते हैं मैं इन्हें थोड़े ही खड़ा करता हूँ। Now, please continue.

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, अगर आप सख्ती बरतेंगे तो फिर कोई भी खड़ा नहीं होगा। इसी प्रकार से हरियाणा प्रदेश में बिजली के उत्पादन का भी जिक्र किया गया है। बिजली का उत्पादन। (विघ्न)

**Mr. Speaker :** Chautala Ji, other M.L.As. also want to speak. So, please conclude.

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, अभी कनक्ल्यूड कैसे करूंगा क्योंकि अभी तो मैंने शुरू ही किया है और अभी तो मैं अपने पहले ही प्वायंट पर बोल रहा हूँ। (विघ्न)

**Shri Randeep Singh Surjewala :** Speaker Sir, may I make a humble request to you that young Members are also have to speak. Everybody has to put some time. जब श्री चौटाला जी सत्ता पक्ष में थे तब ये विपक्ष के मੈम्बर्ज़ को पांच मिनट से ज्यादा नहीं बोलने देते थे।

**Mr. Speaker :** This debate has started by Mr. Chautala at 04.47 P.M. and not it is 06.03 P.M. Next Member please raise hand who wants to speak.

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, मैं अभी बोला ही कहाँ हूँ। अभी तो मैंने एग््रीकल्चर के बारे में ही प्वायंट को ही टच किया है और मेरा वह प्वायंट भी अभी समाप्त नहीं हो पाया है। (शोर एवं व्यवधान)

**Mr. Speaker :** Mr. Chautala you have taken almost one hour. You have spoken on so many issues.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, यह कैसे हो सकता है ? मैंने जहां से शुरू किया था मैं अभी भी उससे आगे नहीं जा पाया हूँ।

**Mr. Speaker :** Yes, Mr. Dhantori, please speak.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, ये कैसे हो सकता है ?

**Mr. Speaker :** O.K., you will conclude within one minute.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, नहीं, बिल्कुल नहीं, मैं एक मिनट में अपनी बात कैसे समाप्त कर सकता हूँ ?

श्री अध्यक्ष : चौटाला जी, आपको बोलते हुए एक घंटा और पंद्रह मिनट हो गये हैं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : नहीं, नहीं, स्पीकर सर, आप तो घड़ी के घंटे देख रहे हैं। (विध्वन)

श्री अनिल धंतौड़ी : माननीय अध्यक्ष जी, मेरा आपसे अनुरोध है कि आप श्री चौटाला जी को कहें कि वह कृपया बैठ जायें क्योंकि आपने मुझे बोलने के लिए परमीशन दी है।

**Mr. Speaker :** Mr. Chautala Ji, you will conclude within one minute.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं एक मिनट में कन्क्लूड करने वाला नहीं हूँ। मुझे अपनी बात कहने के लिए पूरा समय चाहिए।

**Mr. Speaker :** Please conclude within one minute.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हम आपसे खैरात नहीं मांग रहे हैं। हम अपना हक मांग रहे हैं। ऐसे नहीं चल पायेगा। अध्यक्ष महोदय, आज हरियाणा प्रदेश में जहां कृषि के मामले में किसान के खेत के उत्पादन के पूरे दाम नहीं मिल रहे हैं वहां पानी नहीं मिल रहा है और बिजली भी नहीं मिल रही है। बिजली के बारे में भी सरकार द्वारा गलत जानकारी दी जाती है। बिजली के उत्पादन के बारे में जो सरकार द्वारा बताया जा रहा है उतनी बिजली उत्पादित नहीं हो रही है। सी.ए.जी. की रिपोर्ट तो सरकारी होती है और यह मेरी रिपोर्ट नहीं है। इसमें भी आप देख सकते हैं कि जो आंकड़े सरकार द्वारा दिये जा रहे हैं उनके मुताबिक भी बिजली का उत्पादन नहीं हो रहा है। आज हरियाणा प्रदेश में फरीदाबाद थर्मल पॉवर प्लांट की तीन यूनिट्स बंद पड़ी हैं। अभी सरकार द्वारा यह भी नहीं बताया गया है कि किस वजह से उनको बंद किया गया है। इनको चलाने के लिए भी कोई व्यवस्था अभी तक नहीं की गई है। इसी प्रकार से पानीपत थर्मल पॉवर प्लांट की भी एक यूनिट आज भी बंद पड़ी है। बिजली उपलब्ध नहीं है जिसके बिना हरियाणा प्रदेश के किसान का आज कोई भी काम नहीं हो पा रहा है। हरियाणा प्रदेश में आज कानून व्यवस्था की स्थिति सबसे ज्यादा खराब है। आज हरियाणा प्रदेश में यह हालत है कि किसी की भी जान, माल और इज्जत सुरक्षित नहीं है। हरियाणा प्रदेश का जो रिकार्ड है जो सरकारी आंकड़े हैं उनके मुताबिक हर आठ घंटे के बाद एक हत्या, 12 घंटे में एक बलात्कार और (शोर एवं व्यवधान)

**Mr. Speaker :** Mr. Chautala, please conclude.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं कनक्ल्यूड ही करने जा रहा हूँ। हर 10 घंटे में अपहरण और अगवा करने की घटनाएं घट रही हैं यह बहुत चिंता का विषय है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : चौटाला साहब, आप हर बार अलग-अलग घंटे और अलग-अलग चीजें बता रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

**Mr. Speaker :** Mr. Surjewala, If anybody has a personal data then what can you do ? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : स्पीकर सर, आपको कैसे पता चला। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : ये फिगर्स कहाँ की हैं, यह कहा जा रहा है कि 10 घंटे में अपहरण हो रहा है। ये फिगर्स कहाँ की हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : अगर वे गलत बोलते हैं तो आप प्रिविलेज मोशन ले आईये। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : ये कहाँ की फिगर्स हैं? I want to know कि ये फिगर्स कहाँ की हैं ? (शोर एवं व्यवधान) चौटाला साहब को बोलने दीजिए, प्लीज।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हम आपका सम्मान करते हैं तो इसका मतलब यह तो नहीं है कि आप जो चाहें कमेंट्स कर दें। यह अच्छा नहीं होगा। यह सब आपको शोभा नहीं देता। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : ओ.के. प्लीज। (शोर एवं व्यवधान)

श्री शेर सिंह बड़शामी : अध्यक्ष महोदय, आपसे तो चड्ढा साहब ही ठीक थे।

**Mr. Speaker :** If you like again him, I am ready to vacate this Chair for Mr. Chattha.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, इस सरकार ने सत्ता सम्भालने के बाद प्रदेश की जनता से एक वायदा किया था कि हम आपको भय और भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन देंगे। (शोर एवं व्यवधान)

**Mr. Speaker :** He is concluding. He will conclude in the next 30 seconds.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आज हालत यह है कि आज भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। आज किसी भी सरकारी दफ्तर में एक गरीब आदमी को बिना पैसे दिये इन्साफ नहीं मिलता है। सरकार से जुड़े लोग दोनों हाथों से जनता के गाढ़े खून-पसीने की कमाई को लूट रहे हैं। कानून-व्यवस्था की स्थिति आज यह है कि आज न तो दुकान में दुकानदार सुरक्षित है। हेली मंडी में दुकानदार को जला कर मार डाला गया। न खेत में किसान सुरक्षित है, न बसों में महिलाएं सुरक्षित हैं। कल महिला दिवस है और आज यह हालत हो रही है। कॉलेज और बसों में छात्राएं सुरक्षित नहीं हैं। अदालतों में वकील सुरक्षित नहीं हैं।

**Mr. Speaker :** Thank you, Mr. Chautala. Now, Mr. Anil Dhantori will speak. (शोर एवं व्यवधान)

**श्री अनिल धंतोड़ी :** अध्यक्ष महोदय, मैं महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलना चाहता हूँ। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, ऐसे कैसे चलेगा, यह कोई बात हुई, मैं बोल रहा हूँ। इसका मतलब हमें बोलने का अधिकार ही नहीं है। हमें इसकी संख्या के हिसाब से समय चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** नहीं, आपको फिर भी बोलना है। (शोर एवं व्यवधान) आपके दूसरे सदस्यों को भी बोलना है। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** \*\*\*\*। (शोर एवं व्यवधान)

**Mr. Speaker :** O.K., O.K.

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** आज अदालत में वकील सुरक्षित नहीं है। (शोर एवं व्यवधान) ये फिर खड़े हो गये हैं, ऐसे कैसे काम चलेगा? (शोर एवं व्यवधान)

**श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला :** अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो कहा है वह सदन की कार्यवाही से निकाल दिया जाये। मैं बड़ी नम्र निवेदन कर रहा हूँ कि कोई सदस्य दूसरे सदस्य के बारे में ऐसा कह सकता है। इसलिए सर, इस मामले में मुझे आपकी कृपियाँ चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** ठीक है, ये शब्द सदन की कार्यवाही से निकाल दिये जायें। (शोर एवं व्यवधान) It is the discretion of the Speaker. (शोर एवं व्यवधान)

**श्री नरेश शर्मा :** अध्यक्ष महोदय, हमारे भी अपने विधान सभा क्षेत्र हैं। हम भी जनहित में बोलना जानते हैं। हम भी दो मिनट का समय आपसे मांग रहे हैं। किसी आदमी को बोलने के लिए डेढ़ घंटे का समय दिया जाता है और हमें दो मिनट का समय भी नहीं दिया जाता है। (शोर एवं व्यवधान) हम भी जनप्रतिनिधि हैं, हम भी जनता से चुनकर आये हैं। हमने क्या कोई पाप किये हैं। हमें भी बोलने का समय चाहिए। हमें भी जन-समस्यायें सदन के सामने रखनी हैं। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** चौटाला जी, आप कनक्थूड कीजिए! Young people want to speak. (शोर एवं व्यवधान)

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** कोई कनक्थूड करने दे तभी करूँगा। अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे कह रहा था कि आज सरकार की यह हालत है कि न खेत में किसान सुरक्षित है न दुकान में दुकानदार सुरक्षित है। बसों में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। कॉलेज में पढ़ने वाली छात्राएं सुरक्षित नहीं हैं। आज अदालत में वकील सुरक्षित नहीं है और थाने में थानेदार सुरक्षित नहीं है। आज हालत तो यह हो गई है कि मुर्दाखाने में मुर्दे भी सुरक्षित नहीं हैं। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं इस सरकार के समय के आँकड़े बता रहा हूँ। मैं वर्ष 2009 में 950 हत्या हुई थी जो 2010 में बढ़कर 1005 हो गई हैं। इसी प्रकार से 2009 में बलात्कार की 612 घटना हुई थी जो अब बढ़कर 717 हो गयी है। अपहरण के केस 895 थे लेकिन अब 950 हो गये हैं, फिरोती के 11 केस थे लेकिन अब 21 हो गये हैं, लूटपाट के 684 केस थे लेकिन अब वह 732 हो गये हैं, सैधमारी के 4077 केसिज थे जो अब 4448 हो गये हैं और चोरी के

\* चेयर के आदेशानुसार शब्द कार्यवाही से निकाल दिए गए।

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

केसिज जो पहले 12883 थे अब 16234 हो गये हैं। आप इनको कैसे रोकोगे ? अध्यक्ष महोदय, पानीपत में एस.पी. रैंक के अधिकारी हथियारों से लैस होकर व्यापारियों को दूटने का काम करते हैं।

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब, वह भर्ती किसने किया था ?

श्री ओम प्रकाश चौटाला : वह एस.पी. पकड़ा गया।

Mr. Speaker : Chautala ji, thank you very much.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, अभी तो मैं बोल ही रहा हूँ। दिल्ली के एस.पी. रैंक के अधिकारी का गुड़गांव में कत्ल कर दिया गया। अध्यक्ष महोदय, सिर शर्म से झुक जाता है जब यह सुनने में आता है कि आई.पी.एस. अधिकारियों के और आई.ए.एस. अधिकारियों के ऐसे किस्से अखबारों में छपते हैं।

Mr. Speaker : No personal insinuations.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं पर्सनल नहीं कह रहा हूँ। ऐसी बातों को देखकर हरियाणा का सिर शर्म से झुक जाता है। यह हालत आज इस सरकार की हो गयी है। यह नाअहिल, \* \* और भ्रष्ट सरकार है इसलिए इसको अपदस्थ किया जाए और नये सिरे से जनादेश लिया जाए।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, यह शब्द कार्यवाही से निकाल दिया जाए।

श्री अध्यक्ष : ठीक है, यह शब्द कार्यवाही से निकाल दें चौटाला जी, अब आप कनक्लूड करें क्योंकि अब धंतोड़ी साहब ने बोलना है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : यह शब्द तो आप कार्यवाही से निकलवा दोगे लेकिन जो इन्होंने पैसा लूट रखा है वह पैसा कैसे लाओगे ? अध्यक्ष महोदय, अभी वह कैसे बोलेंगे अभी तो हमारा समय है।

श्री अध्यक्ष : चौटाला जी, मैंने आपसे आठ दस बार कनक्लूड करने के लिए रिक्वेस्ट कर ली है। आपके और मैम्बरज ने भी बोलना है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं पर्सनल कमेंट्स नहीं करूंगा। हमारी जितनी संख्या है उसके मुताबिक आप हमें टाईम अलॉट कर दें।

श्री अध्यक्ष : चौटाला जी, समय की सारी सीमाएं टूट गयी हैं। आपने सारा टाईम ले लिया है। आपने 4.49 बजे से लेकर 6.12 बजे तक का टाईम ले लिया है। अभी तक आप ही बोल रहे हैं। मेरा सभी से निवेदन है कि रनिंग कमेंट्री न करें। चौटाला साहब, आप 15 सेकंड में कनक्लूड करें। (विष्णु)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मनरेगा के नाम से बड़ी चर्चा चल रही है। मनरेगा की आड़ लेकर बड़े-बड़े अधिकारियों के खिलाफ करप्शन के केसिज चल रहे हैं लेकिन उनके खिलाफ कोई ऐक्शन नहीं लिया जा रहा है।

श्री अध्यक्ष : अगर उन्होंने गलत काम किया है तो वह पकड़े गए हैं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, कहां पकड़े हैं?

\* चैथर के आदेशानुसार शब्द कार्यवाही से निकाल दिया गया।

श्री अध्यक्ष : आप ही कह रहे हैं। कार्रवाई तो की गयी है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, लोगों ने उनके खिलाफ जो रिपोर्ट दी है उसके मुताबिक उनके खिलाफ ऐक्शन नहीं हो रहा है। इन्होंने कहा था कि पैसा लेबर को दे रहे हैं लेकिन लेबर को पैसा देने की बजाय खुद खाए जा रहे हैं।

श्री अध्यक्ष : चौटाला जी, कनक्लूड करें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : मैं अभी कनक्लूड कर रहा हूँ। यह मैं नहीं कह रहा हूँ बल्कि इस सरकार के खिलाफ पंजाब एंड हरियाणा हाई कोर्ट और सर्वोच्च न्यायालय के द्वारा स्ट्रक्चर पास हुए हैं, जुर्माना तक किया जा रहा है। आज हालत यह हो गयी है। आज प्रदेश की आर्थिक स्थिति की यह पोजीशन है कि सरकारी कर्मचारियों को तनखाह देने तक के लिए पैसे नहीं हैं। आज बूढ़ों को पांच-पांच महीने तक वृद्धावस्था पेंशन नहीं दी जा रही है। (विष्णु) आज प्रदेश की हालत यह हो गयी है कि इस सरकार के जिम्मे 45 हजार करोड़ रुपये के करीब कर्जा है। सरकारी कर्मचारियों को तनखाह देने के लिए पैसे ही नहीं हैं। रोज अखबारों में विज्ञापन आ रहे हैं कि हम कर्जा लेने जा रहे हैं। इसी तरह से आज वृद्धावस्था पेंशन भी समय पर नहीं मिल रही है। यहां तक कि सितम्बर से लेकर अब तक एम.एल.ए.ज. को भत्ता और तनखाह नहीं मिल पा रही है अब जाकर इसके लिए पैसा अलॉट किया है। पैसा जहां से आना चाहिए वह तो \* \* कर खा रहे हैं।

श्री अध्यक्ष : यह शब्द कार्यवाही से निकाल दिया जाए।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आप कार्यवाही से तो यह निकाल दोगे लेकिन लोगों के मन से कैसे निकालोगे ?

**Shri Randeep Singh Surjewala :** This is an aspersion on the Chair and cannot be permitted.

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब, मैंने आपको सबसे ज्यादा बोलने का टाइम दिया है और मेरे दिल में आपके लिए बहुत रिगार्ड है और मैं आपका तहेदिल से बहुत सम्मान करता हूँ। मैं दिल की गहराइयों से आपका सम्मान करता हूँ। मुझे इस बात का दुख है कि आपने मेरी बात नहीं मानी। (विष्णु)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, जब तक आदरणीय चिरजी लाल जी जीवित हैं मैं आपकी हर बात मानूंगा। (शोर एवं व्यवधान) आप हाउस के कस्टोडियन हैं। आप मुझे बोलने कहां दे रहे हैं। आपने मुझे बोलने का मौका ही नहीं दिया। मैं कक्लूड कर रहा हूँ। अंत में यह कहना चाहूंगा कि इस सरकार के खिलाफ पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट की तरफ से निरंतर स्ट्रक्चर पास हो रहे हैं और यहां तक कि जुर्माने भी हुए हैं लेकिन सरकार को इस बात की कोई परवाह ही नहीं है। लूटे जा रहे हैं, खाये जा रहे हैं। हेरानी तो इस बात की है कि दफा, 4, 6, 9 और यहां तक कि 11 के नोटिस भी हो जाते हैं, कंपनसेशन भी दे दी जाती है, अवार्ड मुकर्रर कर दिया जाता है। (विष्णु)

श्री अध्यक्ष : आप रिपीटीशन कर रहे हैं।

\* शब्द के आदेशानुसार शब्द कार्यवाही से निकाल दिया गया।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, मैं रिपीट नहीं कर रहा हूँ। जिस जमीन का रेट हजारों रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से था आज उसके दाम करोड़ों रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से दिये जा रहे हैं। मैं तो अंत में आपसे यही निवेदन करना चाहूँगा कि एक कमेटी का गठन करें कि 1 नवंबर, 1986 से आज तक जिस किसी ने जितना पैसा इस प्रदेश का लूटा है उसकी इंकवायरी करवाई जाए ताकि हरियाणा प्रदेश का भला हो सके। इससे हरियाणा प्रदेश के लोगों को बहुत लाभ मिलेगा और जिस किसी के पास लूट का पैसा होगा उसे हरियाणा प्रदेश के विकास में लगाया जाए। इससे हरियाणा प्रदेश का गौरव बढ़ेगा और लोगों को लगेगा कि हरियाणा प्रदेश में एक ऐसे भी स्पीकर आए थे। (विधन)

**श्री अध्यक्ष :** आए थे क्यों, मैं तो अभी स्पीकर हूँ। I want to make history. I do not want to become history.

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, हम ये चाहते हैं कि आपका नाम इतिहास के स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाए। इन्हीं शब्दों के साथ आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूँ। धन्यवाद।

**श्री अनिल धंतौड़ी (शाहबाद मारकण्डा) :** अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का समय दिया इसके लिए आपका धन्यवाद। मैं सर्वप्रथम माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी को हमारी सरकार के छह वर्ष पूर्ण होने पर बधाई देता हूँ। माननीय मुख्यमंत्री जी के कुशल नेतृत्व में सरकार प्रगति के पथ पर अग्रसर है। माननीय अध्यक्ष जी, राज्य की अर्थव्यवस्था की यदि हम बात करें तो ग्रीस डोमेस्टिक प्रोडक्ट की दर में 9 प्रतिशत की दर से बढ़ोत्तरी हुई है। (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदारीन हुए।) उपाध्यक्ष महोदय, हमारे प्रदेश की पर कैपिटल इन्कम भी 7.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। माननीय मुख्यमंत्री जी की अच्छी सोच और नीतियों के कारण ही यह प्रदेश तरक्की की ओर अग्रसर है। हरियाणा एक कृषि प्रधान प्रदेश है और इसके विकास के लिए मुख्यमंत्री महोदय ने भरपूर कदम उठाए हैं ताकि किसानों को फायदा मिले। किसानों के लिए किसान आयोग का गठन किया गया है ताकि किसानों की समस्याओं के हल के लिए और खेती के लिए नया तकनीकी विकास हो सके। खेती को मजबूती प्रदान करने के लिए किसानों को नये-नये संघर्ष मिलें। इसके लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री जी का तहेदिल से धन्यवाद करता हूँ। हमारे मुख्यमंत्री जी ऐसे हैं कि प्रदेश के हर व्यक्ति के लिए चाहे वह गरीब मजदूर हो, किसान हो, व्यापारी हो, चाहे आम आदमी हो, सबके लिए उन के हृदय में दुख वर्द है। बिजली के क्षेत्र में वर्ष 2005 से पहले किसी सरकार द्वारा ध्यान नहीं दिया गया था। हमारी सरकार आने के बाद बिजली के उत्पादन में 5 हजार मैगावाट की वृद्धि करने के लिए गम्भीरतापूर्वक प्रयास किए जा रहे हैं। हरियाणा सरकार और हरियाणा प्रदेश के लिए यह बिजली के क्षेत्र में एक बहुत बड़ी उपलब्धि होगी। इसके लिए मैं मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करता हूँ। ग्रामीण विकास की बात करें तो महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी योजना के तहत हरियाणा एक ऐसा प्रदेश है जहां पूरे हिन्दुस्तान के अन्दर और हरियाणा के अन्दर माननीय मुख्यमंत्री जी ने और हमारी सरकार ने मजदूरों के लिए 179 रुपये एक दिन की दिहाड़ी दी है। मैं समझता हूँ कि यह हमारे प्रान्त के लिए और हमारे देश के लिए बहुत गौरव की बात है। माननीय उपाध्यक्ष महोदय, शिक्षा के क्षेत्र में माननीय मुख्यमंत्री जी की अच्छी सोच है। हमारी सरकार हरियाणा में शिक्षा का हब बनाना चाहती है इसके लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करता हूँ और सरकार का धन्यवाद करता हूँ कि हरियाणा के युवा वर्ग खासकर लड़कों और लड़कियों के लिए



माननीय मुख्यमंत्री जी ने अनेक शिक्षा संस्थान खोले हैं जिससे हरियाणा के युवाओं को पढ़ने का मौका मिला है और प्रदेश से बाहर जाने का मौका मिला है। माननीय उपाध्यक्ष महोदय, वर्तमान सरकार को बने हुए लगभग 6 वर्ष हो चुके हैं और माननीय मुख्यमंत्री जी ने सरकार की जिम्मेदारी निभाते हुए अपना 100 प्रतिशत योगदान हरियाणा प्रान्त को दिया है और आने वाले दिनों में माननीय मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में यह सरकार और ज्यादा प्रगति करेगी और हरियाणा का और विकास करेगी। चाहे वह शिक्षा के क्षेत्र की बात हो, चाहे वह स्वास्थ्य व चिकित्सा सेवाओं की बात हो। चाहे बिजली की बात हो, चाहे सड़क तंत्र की बात हो, हर क्षेत्र में हमारी सरकार ने हरियाणा के लिए अच्छी सोच बना रखी है। मैं समझता हूँ कि इससे पहले की सरकार जो आई उन्होंने प्रदेश को लूटने का काम किया। लेकिन कांग्रेस की सरकार ने हरियाणा के लिए नये तरीके और नई खुशहाली के लिए काम किया है। मैं इसके लिए माननीय श्रीमती सोनिया गान्धी, माननीय डाक्टर मनमोहन सिंह और माननीय चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी का धन्यवाद करता हूँ जिन्होंने हरियाणा के लिए एक अच्छी सोच रखी है। आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूँ। धन्यवाद।

**Mr. Deputy Speaker :** Hon'ble Member, now the House stands adjourned till 10.30 A.M. tomorrow.

\* 18.24 hrs.

(The Sabha then \* adjourned till 10.30 A.M. on Tuesday, the 8th March, 2011.)

